हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशियों के रंग से खेली होली

भावुक हुए अन्ना हजारे...कहा वह रास्ता छोड़ गए

अन्ना हजारे यह कहते हुए भावुक हो गए कि उन्होंने केजरीवाल को बहुत समझाया, लेकिन उन्होंने समाज के बारे में नहीं सोचा और राजनीति में चले गए। उन्होंने कहा कि मुझे उससे बहुत उम्मीद थी, मैंने उसे बहुत सारा प्यार दिया था, लेकिन वह रास्ता छोड़ गए। चुनाव लड़ते समय उम्मीदवार का आचार विचार और चरित्र शुद्ध होना चाहिए ये शराब में लिप्त रहे।

केजरीवाल ने हार स्वीकार की बोले लोगों की सेवा करते रहेंगे

अरविंद केजरीवाल ने अपनी हार स्वीकर कर ली है। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए लोगों से कहा कि हम जनता के जनादेश को बहुत विनम्रता से स्वीकार करते हैं। हम न केवल एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि लोगों के बीच रहेंगे और उनकी सेवा करते रहेंगे।

गदगद हुए सीएम मोहन- आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिल्ली में खिला विकास का कमल। यह महाविजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों, विकसित भारत-भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली, सुशासन के संकल्प व दिल्ली की जनता के समर्थन और आशीर्वाद का सुफल है। आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली।

प्रवेश बोले- राजधानी पर सबको गर्व होगा

प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली में बनने जा रही यह सरकार पीएम मोदी के विजन को दिल्ली में लेकर आएगी। मैं इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को देता हूं। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना, ट्रैफिक जाम कम करना होगी। हम ऐसी राजधानी बनाएंगे जिस पर सभी को गर्व होगा।

ये है मोदी मैजिक

1. देश में जीत की गारंटी बने पीएम मोदी
2. पहले महाराष्ट्र व हरियाणा, फिर दिल्ली
3. अब बिहार में भी 'चौका' मारने की तैयारी
4. टैक्स में 12 लाख तक की छूट भी जीत का कारण

70 सीटों में भाजपा को 48 और आप को 22 सीटें मिलीं, कांग्रेस को जीरो पर रही

आप के टॉप लीडर्स को भी चटाई धूल केजरीवाल, सिसोदिया व सौरभ भारद्वाज हारे बाकी जो भी जीते हारते-हारते जीते आतिशी बमुश्किल सीट बचा सकीं

कांग्रेस ने अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा। खाता तक नहीं खुला, हर बार की तरह जीरो पर आउट, पर आप का खेल बिगाड़ा, 14 सीटों पर कांग्रेस ने आप को हराया

भाजपा की दिल्ली में प्रचंड जीत 'वैकल्पिक राजनीति' हुई फेल

अब दिल्ली के 'दिल' में मोदी, 27 साल बाद होगा भाजपा का 'राजतिलक'

मोदी ने कहा...और, मतदाताओं ने 'होली से पहले' ही उड़ा दिया केसरिया रंग

दिल्ली भाजपा की 'हो-ली'

5 कारण जिनसे आप 'हारी'

1. केजरीवाल लगातार झूठे साबित हुए- जैसे, पानी, बिजली, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्कूल
2. शराब कांड ने विश्वास उठाया, नैतिक क्षरण हुआ
3. यमुना में प्रदूषण गले की फांस बन गया
4. लगातार भ्रष्टाचार के मामले काल बन गए
5. शीशमहल वाले मुद्दे का स्पष्टीकरण नहीं दे सके

5 कारण जिनसे भाजपा जीती

1. केंद्र और दिल्ली की लड़ाई में लोगों ने 'केंद्र' को चुना
2. पीएम मोदी का वह भरोसा कि मैं दिल्ली की खुद सेवा करुंगा, ने जीत दिलाई
3. युमना को लेकर वादा- साबरमती फ्रंट जैसा बनाएंगे
4. दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करेंगे
5. दिल्ली को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे ▶▶ पढ़ें पेज 09 भी

ये दिग्गज जीते

अतिशी मार्लेना (आप), कालकाजी

कैलाश गहलोत (भाजपा), बिजवासन

कपिल मिश्रा (भाजपा),करावल

ये दिग्गज हारे

मनीष सिसोदिया (आप), जंगपुरा

रमेश बिधूड़ी (भाजपा), कालकाजी

सौरभ भारद्वाज (आप), ग्रेटर कैलाश

भाजपा ने यह भी किया

भाजपा ने माइक्रो मैनेजमेंट को प्राथमिकता दी। पार्टी ने दलित पूर्वांचली मतदाताओं और उत्तराखंड से आए प्रवासियों तक अपनी पहुंच बनाई। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और बंगाल के लोगों को साधने के लिए विशेष रणनीति बनाई।

किसका कितना वोट शेयर? दो प्रतिशत वोटों के अंतर से खेल	
45	प्रतिशत : भाजपा
43	प्रतिशत : आप
06	प्रतिशत : कांग्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में दुर्दशा को प्राप्त हो गई। अरविंद केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी को चुनौती दी थी कि वे इस जन्म में तो उन्हें हरा नहीं पाएंगे। पर, वे इसी चुनाव में धूल-धूसरित हो गए। 70 सीटों वाली विधानसभा में आप को 22 सीटें मिली। 48 भाजपा को मिलीं। बहुमत के लिए 36 सीटें चाहिए। लिहाजा, यह भाजपा की प्रचंड जीत ▶▶ शेष पेज 4 पर

अब शीशमहल का क्या होगा?

- 52 करोड़ से बने केजरीवाल के बंगले का अब क्या होगा? भाजपा का सीएम संभवत: यहां नहीं रहेगा। माना जा रहा है कि इसे सर्किट हाउस बना दिया जाएगा।

यमुना मैया के जयकारे के साथ कहा- हम जीत का कर्ज विकास से चुकाएंगे

शॉर्टकट की राजनीति का 'शॉर्ट सर्किट'

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पीएम मोदी ने शनिवार शाम को भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत यमुना मैया की जय के नारे के साथ की। आज दिल्ली में दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और सुकून भी है। उत्साह विजय का है, सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। आपने दिल खोलकर प्यार दिया। मैं दिल्लीवालों को नमन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आपके इस प्यार को विकास के लॉन्ग रूट पर हम लौटाएंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का डबल तेजी से विकास करके ये कर्ज चुकाएगी। उन्होंने कहा कि आंडबर, अराजकता ▶▶ शेष पेज 4 पर

- भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी

अब केजरीवाल और आप का क्या होगा?

- माना जा रहा है कि उनको पार्टी के भीतर से ही चुनौती मिलेगी। वे साइडलाइन किए जा सकते हैं।
- पार्टी की कमान किसी और को सौंपी जा सकती है।
- केजरीवाल राज्यसभा भी जा सकते हैं।
- भगवंत मान उनको पंजाब में मान दे सकते हैं। वहां से वे राज्यसभा जा सकते हैं।
- आप टूट भी सकती है। उसके जीते विधायक भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

प्रवेश मप्र के हैं दामाद

नई दिल्ली सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले प्रवेश वर्मा की ससुराल धार में जमकर जश्न मनाया गया। भाजपा

कार्यकर्ताओं ने धार से उनकी सास और मौजूदा भाजपा विधायक नीना वर्मा के निवास स्थान पर जमकर आतिशबाजी की। ससुर विक्रम वर्मा पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। प्रवेश के तीन बच्चे हैं, एक बेटा शिवेन सिंह और दो बेटियां सानिधि और प्रिशा। उनकी सास दिल्ली पहुंच गई हैं। प्रवेश दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। उनका जन्म 7 नवंबर 1977 को दिल्ली में हुआ था।

भाजपा का मुख्यमंत्री कौन? ये नाम चर्चा में

- प्रवेश वर्मा
- मनजिंदर सिंह सिरसा
- कैलाश गहलोत
- आशीष सूद

मोदी, शाह और नड्डा ने झोंकी थी पूरी ताकत

बाकी ये रहे जीत के शिल्पकार

- **बैजयंत पांडा** : भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को दिल्ली चुनाव के लिए चुनाव प्रभारी बनाया गया था
- **अतुल गर्ग**: गाजियाबाद से भाजपा सांसद अतुल गर्ग को दिल्ली चुनाव के लिए सह ▶▶ शेष पेज 4 पर

ओवैसी की पार्टी ने भी मुस्तफाबाद पर खेल बिगाड़ा

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमएईएम ने जिन दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, वो मुस्लिम बाहुल्य इलाके ओखला और मुस्तफाबाद ही थे। इनमें मुस्तफाबाद आप उम्मीदवार आदिल अहमद खान दूसरे नंबर पर रहे। आप उम्मीदवार की हार में ओवैसी की पार्टी का रोल अहम रहा।

कुल 12 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार किया, इसमें से 11 में भाजपा जीती

दिल्ली चुनाव में चला मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जादू, जहां किया प्रचार वहां खिल गया 'कमल'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी दिल्ली चुनाव में सघन चुनाव प्रचार किया। उन्होंने कुल 12 विधानसभाओं में चुनाव प्रचार किया। इसमें से 11 में भाजपा जीत गई। मुख्यमंत्री का जादू उक्त सभी विधानसभाओं में चला। मुख्यमंत्री जहां भी गए, वहीं चुनाव तो जीते ही साथ में लोगों का प्यार भी खूब मिला। आम लोगों ने भी मुख्यमंत्री को खूब सुना।

सीएम ने कहा कि जिस प्रकार से देश में लोक कल्याण की भावना से भाजपा सरकार चला रही है, इसे देखकर दिल्ली वासियों ने भी विश्वास किया

एक सप्ताह पहले सीएम ने दिल्ली में प्रचार किया था

सत्य कभी पराजित नहीं होता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवीय नगर, नफजगढ़, उत्तम नगर, विकासपुरी, नांगलोई, त्रिनगर, बादली, मुस्तफाबाद, रोहिणी, मादीपुर, हरीनगर सीटों पर प्रचार किया। जबकि, सीलमपुर में भाजपा चुनाव हार गई। दिल्ली जीत के बाद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि आप-दा से दिल्ली मुक्त हुआ। सत्य कभी पराजित नहीं होता है। जिस प्रकार से देश में लोक कल्याण की भावना से भाजपा सरकार चला रही है, इसे देखकर दिल्ली वासियों ने भी विश्वास किया है। ▶▶ शेष पेज 4 पर

जया एकादशी पर लोगों ने रखा व्रत, मंदिरों में हुई विशेष पूजा-पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

माघ शुक्ल पक्ष की एकादशी (जया एकादशी) को होने पर लोगों ने शनिवार को व्रत रखा। इस मौके पर राजधानी के श्रीजी मंदिर, बिड़ला मंदिर, गुफा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ व आरती की गई। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि हर महीने के शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष में एकादशी होती है और सभी का अलग-अलग महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को जया एकादशी मनाई जाती है। यह भगवान विष्णु को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने से भगवान विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं सभी तरह के पाप नष्ट हो जाते हैं, दरिद्रता दूर होती है और भूत-प्रेत योनी में जन्म लेने से मुक्ति मिलती है।

बाबा खाटू श्याम का हुआ विशेष श्रृंगार

मां वैष्णो धाम आदर्श नौ दुर्गा मंदिर बाबा खाटू श्याम मंदिर प्लेटिनम प्लाजा में शनिवार को एकादशी को बाबा खाटू श्याम को प्रातः स्नान के बाद नया बागा अर्पित किया गया। फूलों से श्रृंगार एवं 56 भोग अर्पित किया गया। इस मौके पर विशेष ज्योत प्रज्जवलित हुई और आरती के बाद प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। इसी तरह श्रीजी मंदिर व भेल श्री कृष्ण मंदिर में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। एकादशी पर श्री बांके बिहारी मार्कडेण्य मंदिर तलैया में भगवान का श्रृंगार किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचे और भगवान से जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

जया एकादशी व्रत की कथा

हिंदू धार्मिक मान्यता के मुताबिक इंद्र की सभा में एक गंधर्व गीत गा रहा था, लेकिन वह उस समय अपनी पत्नी को याद करने लगा। इस कारण वह ठीक से नहीं गा पा रहा था। इस पर इंद्र काफी नाराज हो गए। उन्होंने गंधर्व और उसकी पत्नी को पिशाच योनी में जन्म लेने का श्राप दे दिया। वह दोनों पिशाच योनी में जन्म लेकर कष्ठ भोग रहे थे। संयोगवश माघ शुक्ल एकादशी के दिन उन दोनों ने कुछ नहीं खाया और रात्रि में ठंड के कारण सो नहीं सके। इस तरह अनजाने में उनसे जया एकादशी व्रत हो गया। इस व्रत के प्रभाव से दोनों श्राप मुक्त हो गए। फिर अपने वास्तविक स्वरूप में लौटकर स्वर्ग पहुंचे। देवराज ने जब गंधर्व को वापस देखा तो वे हैरान हो गए। गंधर्व और उसकी पत्नी ने पूरी बात बताई। इस व्रत के पुण्य से उन्हें पिशाच योनी से मुक्ति मिली।

एमपी बोर्ड की हेल्प लाइन पर रोजाना पहुंच रहे 200 से अधिक कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल।

प्रदेश में 24 फरवरी से माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) की कक्षा दसवीं-बारहवीं की मुख्य परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। ऐसे में परीक्षाओं के नजदीक आते ही माशिमं हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रोजाना हेल्पलाइन पर 200 से 250 कॉल पहुंच रहे हैं। इसमें विद्यार्थियों के अलावा शिक्षक और अभिभावक भी शामिल हैं। हेल्पलाइन सेंटर में तैनात काउंसलर्स के मुताबिक बोर्ड परीक्षाओं के नजदीक आने के कारण हेल्पलाइन पर कॉल्स बढ़े हैं। इसमें सबसे अधिक सवाल पेपर पैटर्न, परीक्षा केंद्र, तनाव को लेकर हैं। इसके अलावा पर्सनल प्रोब्लम, स्ट्रेस और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कॉल बढ़े हैं। बताया जा रहा है कि जनवरी से अब तक हेल्पलाइन पर आने वाली कॉल्स का आंकड़ा 5 हजार पार हो चुका है। हालांकि हेल्पलाइन पर काउंसलर्स विद्यार्थियों से लगातार जुड़े हुए हैं और उनकी समस्या का समाधान कर रहे हैं।

- स्टूडेंट्स की बढ़ी चिंता, पेपर पैटर्न, परीक्षा केंद्र को लेकर अधिक सवाल

21 प्रकार की दिव्यांगता तो मिलेंगी यह सुविधाएं

परीक्षा में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं दी गई हैं। इसके लिए माशिमं ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। माशिमं ने 21 प्रकार की दिव्यांगता को विशेष सुविधाओं में शामिल किया है। वे अपने साथ लेखक को ले जा सकेंगे। साथ ही कंप्यूटर या टाइप राइटर चयन की सुविधा भी दी गई है। इन सभी की जानकारी स्कूलों को 15 फरवरी तक माशिमं को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा इन विद्यार्थियों को तीन घंटे की परीक्षा के दौरान एक घंटे का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इसमें दृष्टिबाधित, मानसिक कमजोर एवं हाथ की हड्डी टूट जाने या हाथ की खराबी के कारण लिखने में असमर्थ, थैलेसीमिया व सिकल सेल से पीड़ित सहित अन्य दिव्यांग विद्यार्थियों को यह राहत मिलेगी।

ए-1 क्लास भोपाल स्टेशन में लिफ्ट-एस्क्लेटर बंद, भारी सामान लेकर सीढ़ी चढ़ रहे यात्री, दिव्यांग हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ए-1 श्रेणी में शामिल भोपाल स्टेशन में यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। यहां नई बिल्डिंग में लगाया गया एस्क्लेटर आए दिन तकनीकी खामियों के चलते बंद रहता है। तो वहीं दो नंबर प्लेटफार्म पर लगी लिफ्ट मेंटेनेंस की वजह से बंद है, जिससे यात्रियों को भारी सामान लेकर सीढ़ियां चढ़कर दूसरे प्लेटफार्म पर आना-जाना पड़ रहा है। खासतौर पर दिव्यांग यात्रियों को परेशानी हो रही है। यात्रियों को यहां पर मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल रही है। बता दें कि इस स्टेशन पर 17 करोड़ की लागत से बनाई गई, नई बिल्डिंग को भविष्य की जरूरतों के लिहाज से डिजाइन किया गया है। लेकिन एक साल के अंदर ही हालात दिन ब दिन खराब हो रहे हैं। इसमें सबसे अधिक समस्या एक्सलेटर को लेकर आ रही है।

बुजुर्ग यात्री हो रहे परेशान

बीना से भोपाल पहुंचे अनुज पंडित ने बताया कि उनके पिता की उम्र 60 साल से ज्यादा है। भोपाल में उनके इलाज के लिए आए हैं। हम लोगों के पास कुछ भारी लगेज भी है और दो नबंर की लिफ्ट बंद है। ऐसे में उन्हें सीढ़ियां चढ़ कर जाना पड़ रहा है। स्टेशन पर मौजूद दूसरे यात्रियों ने कहा कि उनके पास सामान रहता है, जिसे उठाना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, रेल प्रशासन का कहना है कि लिफ्ट अनुरक्षण कार्य के लिए बंद है, जिसको जल्द ही ठीक करा लिया जाएगा। तो वहीं एक्सलेटर को लेकर अधिकारियों का कहना है कि दिन में कई बार यात्री एक्सलेटर का स्विच ऑफ कर देते हैं, जिससे वो बंद हो जाता है। इससे अन्य यात्रियों को परेशानी होती है। उन्होंने सभी यात्रियों से निवेदन किया कि ऐसा न करें।

स्वयं की कमजोरी अनेक समस्याओं को जन्म देती है : बीके राजू

- नर्मदापुरम रोड ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र में स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन विषय योग तपस्या कार्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के नर्मदापुरम सेवा केंद्र में शनिवार को स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन विषय योग तपस्या कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें ब्रह्माकुमारीज अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय से आए राजयोग विशेषज्ञ बीके राजू भाई ने कहा कि वर्तमान समय अपने मन की शक्तियों को बढ़ाने अर्थात अपनी मंशा को शक्तिशाली करने की बहुत आवश्यकता है। अपनी कमजोरी अनेक समस्याओं को जन्म देती है। मन की शक्तियां कमजोर हैं तो अनेक गलत निर्णय होते हैं, जिन्हें भगवान पर निश्चय है। उन्हें भगवान की मदद अवश्य मिलती है। हमारे भीतर इतनी शक्तियां हों कि समय पर बुद्धि ठीक निर्णय करे। 14 लाख से भी अधिक गृहस्थ परिवार ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान के माध्यम से ईश्वरीय ज्ञान लिया है। वह पूरे विश्व में भगवान को प्रत्यक्ष करने में एक महान कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई आत्मा आध्यात्मिकता के इस क्षेत्र में अपनी उन्नति नहीं कर पा रही है, इसका मतलब उसने

अपने संगत को नकारात्मक बनाकर रखा है। ज्ञानी आत्मा सोच समझकर कोई कर्म करती है और अज्ञानी आत्मा कर्म करने के बाद पश्चाताप करती है। स्वास्थ्य और संबंध यदि दोनों को ठीक रखना है। तो स्वयं के देखने के नजरिए को बदलना होगा। ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय यह दुनिया का सबसे बड़ा आंखों का अस्पताल है। परमात्मा का ज्ञान हमारे देखने के नजरिया को सकारात्मक कर देता है। पवित्रता ब्रह्माकुमारीज संस्थान की शान है। इस अवसर पर सेवा केंद्र की निदेशिका बीके रीना दीदी सहित बड़ी संख्या में सेवा केंद्र के भाई, बहन व शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए।

वैश्विक शिखर सम्मेलनः मानव संग्रहालय को अतंर्राष्ट्रीय पहचान

जीआईएस-2025 के चलते राजधानी भोपाल का 'ग्लोबल लैंडमार्क' बन जाएगा मानव संग्रहालय

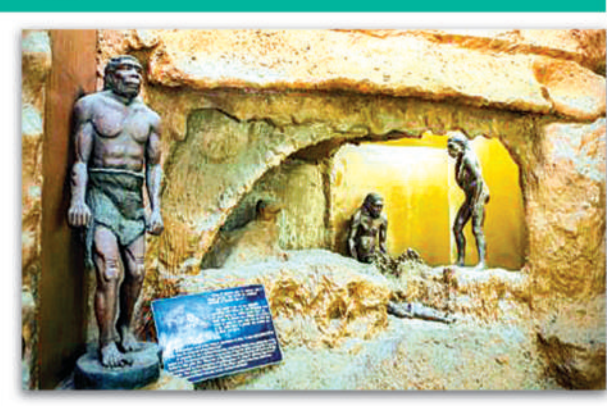

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हो रहे निवेशकों का वैश्विक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) शहर को एक खास सौगात देने जा रहा है। भोपाल को दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान देते हुए ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट की मेजबानी के लिए तैयार राष्ट्रीय मानव संग्रहालय अब ग्लोबल लैंडमार्क बनने जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े उद्योगपतियों, बिजनेस लीडर्स, इनवेस्टर्स और एक्सपर्ट्स की अगुवाई से राष्ट्रीय मानव संग्रहालय अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाएगा। विश्व जीआईएस के आयोजन से भारत की मानवीय व सांस्कृतिक विरासत के इस अद्भुत केंद्र से परिचित होगा। भारत की जीवंत परंपराओं को विश्व पटल पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के माध्यम से पूरे संसार में हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन होगा। यह वैश्विक प्रदर्शन मानव संग्रहालय को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगा।

शिखर सम्मेलन की मेजबानी से संग्रहालय विश्व को न केवल भारत की विविध विरासत से परिचित कराने जा रहा है बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सहयोग को बढ़ाते हुए पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में निवेश की क्षमता को प्रदर्शित कर रहा है। जीआईएस में भाग लेने वाले निवेशकों को मानव संग्रहालय एक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा और उन्हें विरासत संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के नए अवसरों को तलाशने के लिए प्रेरित करेगा। मानव संग्रहालय मात्र म्युजियम नहीं है, यह कलाओं के आपसी संवाद और मानव सभ्यता के जीवंत इतिहास को प्रदर्शित करता है। यह स्थानीय कारीगरों और कहानीकारों को अपनी विरासत को संरक्षित करने के लिए सशक्त बनाता है।

मानव संग्रहालय 45000 साल पुराने चट्टानी आश्रयों से लेकर आज के आधुनिकतम प्रदर्शनों तक मानव विकास और सांस्कृतिक संरक्षण की निरंतरता का प्रतीक है। अतीत और वर्तमान का यह सहज मिश्रण अपनेआप में इसे एक अनूठा स्थल बनाता है, जो जीआईएस में आने वाले मेहमानों के मन को लुभाएगा। इस तरह निवेशकों का वैश्विक शिखर सम्मेलन मानव संग्रहालय की वैश्विक उपस्थिति को दर्ज करते हुए इसकी नई अंतर्राष्ट्रीय पहचान को सुनिश्चित करेगा।

सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत का अनोखा केंद्र

मानव संग्रहालय स्वीडन, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रिया अमेरिका, जर्मनी और श्रीलंका से आने वाले मेहमानों के लिए सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत का अनोखा केंद्र है। इसकी वैश्विक अपील इसे ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट जैसे बड़े वैश्विक आयोजन के लिए आदर्श स्थल बनाती है। यह अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रत्यक्ष अनुभव कराने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में मील का पत्थर बना,मप्र औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी)

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के तहत मध्यप्रदेश सरकार का एक उपक्रम है। एक प्रमुख सरकारी एजेंसी के रूप में एमपीआईडीसी औद्योगीकरण और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ये निगम औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में मील का पत्थर बना हुआ है।

रणनीति और जिम्मेदारियाँ

बुनियादी ढांचा विकास

- एमपीआईडीसी औद्योगिक पार्कों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप सहित औद्योगिक बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।
- औद्योगिक इकाई के संचालन के लिए बिजली, पानी, सड़कें और कनेक्टिविटी जैसी आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करता है।

निवेश संवर्धन

- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों, सम्मेलनों और रोड शो के माध्यम से मध्यप्रदेश को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।
- संभावित निवेशकों को निवेश प्रक्रिया सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक जानकारी, मार्गदर्शन और सुविधाएं प्रदान करता है।

भूमि आवंटन और प्रबंधन

- व्यवसायों के लिए औद्योगिक भूमि के आवंटन का प्रबंधन करता है।पारदर्शी और कुशल भूमि आवंटन प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करता है।
- औद्योगिक परियोजनाओं को आकर्षित करने के लिए सरलीकृत प्रक्रियाओं के साथ प्रतिस्पर्धी दरों पर भूमि प्रदान करता है।

पॉलिसी एडवोकेसी और कार्यान्वयन

- विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने वाली औद्योगिक नीतियों को बनाने और लागू करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करता है।
- नीति सुधारों की वकालत करता है जो अनुकूल व्यापारिक वातावरण बनाते हैं और उद्योग-विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करते हैं।

व्यावसायिक सुविधा

- व्यवसायों के लिए एकल संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है, परियोजना की अवधारणा से लेकर कार्यान्वयन तक एंड-टू-एंड सहायता प्रदान करता है।
- राज्य के सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमोदन, स्वीकृतियां और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुगम बनाता है।

वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन

- बड़े पैमाने की औद्योगिक इकाइयों के लिए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन, सब्सिडी और सहायता योजनाएं प्रदान करता है।
- बुनियादी ढांचा विकास और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करता है।
- नीति से परे प्रोत्साहन देकर मेगा इकाइयों के लिए निवेश संवर्धन को प्रोत्साहित करता है।

D-19274/24

भोपाल
सोमवार, 09 फरवरी 2025
माघ मास शुक्ल पक्ष -12
वर्ष : 11, अंक : 316
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 26
न्यून. 12

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

महाकाल मंदिर में 17 से बदलेगा पूजन का समय

भोग आरती दोपहर 1 बजे और संध्या पूजन 3 बजे से

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवरात्रि के अवसर पर पूजन व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। 17 फरवरी से प्रारंभ हो रहे नौ दिवसीय शिवरात्रि पर्व के दौरान भोग आरती का समय सुबह 10:30 बजे से बदलकर दोपहर 1 बजे कर दिया गया है। साथ ही संध्या पूजन भी शाम 5 बजे की बजाय दोपहर 3 बजे होगा। यह क्रम नौ दिन रहेगा। महाशिवरात्रि पर्व के दिन रात्रि में महानिशा काल में रात्रि पर्यंत विविध प्रकार से भगवान महाकाल की पूजा होगी।

जीआईएस सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में भी नए अवसर खोलेगी

जब दुनिया भर के उद्योगपति, नीति-निर्माता और निवेशक इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे, तो वे मप्र की औद्योगिक संभावनाओं के साथ यहां की सांस्कृतिक आत्मा को भी महसूस कर सकेंगे

सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय धरोहर के बीच विशाल आकार लेगा औद्योगिक निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) मप्र को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगी। यह आयोजन न केवल औद्योगिक निवेश को गति देगा, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में भी नए अवसर खोलेगा, जिससे मप्र का बहुआयामी विकास सुनिश्चित होगा। इस ऐतिहासिक आयोजन से प्रदेश की वैश्विक पहचान और अधिक सशक्त होगी, जिससे न केवल उद्योग बल्कि सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में भी नए अवसर शेष पेज 4 पर

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24, 25 फरवरी 2025
भोपाल

मप्र की यह सोच इसे अन्य राज्यों से अलग बनाती है, जहां निवेश केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सतत विकास का माध्यम भी है

सतत विकास के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब निवेशक राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के परिवेश में इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे, तो वे देखेंगे कि किस तरह प्रदेश ने अपनी ऐतिहासिक धरोहर को जीवंत रखा है और उसे आधुनिक विकास से जोड़ा है। मप्र की यह शेष पेज 4 पर

पर्यटन और हस्तशिल्प में भी निवेश को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र अपनी सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक निवेश के साथ जोड़कर एक नया मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। इस समिट के दौरान निवेशकों को न केवल प्रदेश की औद्योगिक नीति और अधोसंरचना विकास शेष पेज 4 पर

इंपैक्ट फीचर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आरएसएस चीफ से मिले मृतक के माता-पिता

कोलकाता। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेप-मर्डर का शिकार हुई पीड़ित डॉक्टर के माता-पिता ने आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की है। उन्होंने भागवत ने कोलकाता से मुलाकात का अनुरोध किया था। राजरहाट में उनसे बातचीत की है। पीड़िता के साथ हुई क्रूरता के बारे में सुनकर वो हैरान रह गए।

मूक-बधिर नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की मौत

राजगढ़। एक सप्ताह पहले अज्ञात आरोपी द्वारा रेप का शिकार हुई मूक-बधिर नाबालिग लड़की ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। नरसिंहगढ़ में रहने वाली नाबालिग लड़की एक फरवरी को लापता हो गई थी और अगले दिन वह जंगल में गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली। उसका हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा था।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 3 लोगों की मौत

उज्जैन। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक उज्जैन और शाजापुर के निवासी बताए गए हैं। तीनों मप्र से मछलियां लेकर से यूपी के बस्ती जा रहे थे। उनकी गाडी कंटेनर से टकरा गई। मृतकों की पहचान उज्जैन के निवासी बने सिंह और शाजापुर तेजूलाल और रफीक के रूप में हुई है।

पीएम मोदी ने कर दिया ऐलान... यानी, हार के बाद भी चैन की नींद नहीं सो पाएंगे केजरीवाल

दिल्ली विस के पहले सत्र में रखेंगे कैग रिपोर्ट, लूटा हुआ पैसा लौटाना तो पड़ेगा

सीएजी रिपोर्ट ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में अनियमितताओं के कारण 2,026 करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण राजस्व नुकसान का खुलासा किया था।

पीएम मोदी ने संकल्प लिया कि दिल्ली को यमुना जी की पहचान से फिर से जोड़ा जाएगा और उनकी सेवा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

- पीएम ने कहा कि जहां एनडीए है, वहां सुशासन और विश्वास है। देश में एनडीए को जहां भी जनादेश मिला उस राज्य को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है, इसलिए भाजपा को लगातार जीत मिल रही है

एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद एक बड़ा ऐलान किया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में नई सरकार बनने के बाद पहले विधानसभा सत्र में ही नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाएगी और भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति शेष पेज 4 पर

भ्रष्टाचार को लेकर कड़ी चेतावनी

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका अब सच सामने आ चुका है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि आप-दा वालों ने न केवल भ्रष्टाचार किया, बल्कि देश के लोगों के भरोसे के साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में राजनीति में झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आप और कांग्रेस ने हमेशा लोगों को धोखा दिया। जिन लोगों ने ईमानदारी का झूठा दावा किया, वे खुद भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के लोगों ने यह संदेश दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे और जो लूट करेंगे, उन्हें वह लूटी गई राशि लौटानी होगी।

क्यों महत्वपूर्ण है कैग रिपोर्ट?

- सीएजी रिपोर्ट ने दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में अनियमितताओं के कारण 2,026 करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण राजस्व नुकसान का खुलासा किया था।
- रिपोर्ट के निष्कर्षों में कहा गया है कि नीति के उद्देश्यों से विचलन, मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता की कमी और लाइसेंस जारी करने में उल्लंघन थे, जिन पर जुर्माना नहीं लगाया गया। रिपोर्ट के अनुसार शेष पेज 4 पर

इन लोगों ने यमुना की कैसी दुर्दशा कर दी

मोदी ने कहा कि हम लोग हमारा सदा मंगल करने वाली यमुना देवी को नमस्कार करते हैं। लेकिन, उसी यमुना की इन लोगों ने कैसी दुर्दशा कर दी? दिल्ली का तो अस्तित्व ही मां यमुना की गोद में पनपा है। दिल्ली के लोग यमुना की इस पीड़ा को देखकर कितना आहत होते रहे हैं। लेकिन, दिल्ली की आप-दा ने इस आस्था का अपमान किया। मोदी ने संकल्प लिया कि दिल्ली शेष पेज 4 पर

जहां एनडीए की सरकार वहां हुआ विकास

पीएम मोदी ने कहा कि जहां एनडीए है, वहां सुशासन और विश्वास है। देश में एनडीए को जहां भी जनादेश मिला, उस राज्य को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है, इसलिए भाजपा को लगातार जीत मिल रही है। लोग दूसरी बार, तीसरी बार चुन रहे हैं। हरियाणा, यूपी, एमपी, गुजरात, उत्तराखंड, गोवा, सब जगह दोबारा मौका दिया। यूपी में कानून व्यवस्था की चुनौती, दिमागी बुखार पर संकल्पबद्ध शेष पेज 4 पर

धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं होनी चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने एक लाख नौजवानों को राजनीति में आने को कहा है, क्योंकि देश को सही में गंभीर राजनीतिक आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। अच्छे नौजवान नहीं आएंगे, तो ऐसे लोग कब्जा कर लेंगे, जिन्हें नहीं आना चाहिए। सफलता, असफलता अपनी जगह लेकिन देश में धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं होनी चाहिए। शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की ओर से पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के 'संकल्प' के साथ आया हूं प्रयागराज

हरिभूमि न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महाकुंभ सनातन संस्कृति का गौरवशाली उत्सव है। विशेष ग्रह नक्षत्रों के शुभ संयोग में होने वाले महाकुंभ में सभी की आस्था का प्रकटीकरण होता है। साथ ही साधु-संतों के सान्निध्य में आत्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी प्राप्त होता है। भारत वर्ष में प्रत्येक 12 वर्ष में अलग-अलग चार नगरों में होने वाले कुंभ में स्नान का अवसर कई जन्मों के पुण्य से प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज के महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को इस सौभाग्य के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि वे उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ : 2028 के दिव्य और भव्य आयोजन की तैयारी के संकल्प के साथ प्रयागराज आए हैं।

मुख्यमंत्री ने पवित्र संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान के बाद कहा कि मां गंगा, जमुना और सरस्वती की कृपा है, संगम का किनारा है। प्रयागराज सभी तीर्थों का राजा है। यहां आज कुंभ स्नान का जो आनंद आया है वह कई जन्मों के पुण्य के बाद प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती का प्रवाह अनंत काल तक निर्बाध रहे, सबका मंगल एवं कल्याण हो, ऐसी कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी कल विद्यार्थियों से करेंगे परीक्षा पे चर्चा

मध्यप्रदेश के सभी स्कूलों में कार्यक्रम का होगा सीधा प्रसारण

स्कूल शिक्षा मंत्री सहित सुभाष स्कूल के बच्चे कार्यक्रम में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 फरवरी यानी सोमवार को देश के विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री हर वर्ष परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों से संवाद करते हैं। इस वर्ष यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का संचार माध्यमों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। दूरदर्शन, डीडी नेशनल, डीडी न्यूज, डीडी इंडिया एवं ऑल इंडिया रेडियो के सभी चैनल, पीएमओ वेबसाइट mygov.in, यूट्यूब, एमओई, फेसबुक लाइव, स्वयं प्रभा चैनल एमओई, शेष पेज 4 पर

प्रयागराज वाले मार्ग पर इस तरह ट्रैफिक जाम की समस्या हो रही है

महाकुंभ में फिर से लोगों की बढ़ने लगी भीड़

प्रयागराज मार्ग पर भीषण जाम, रीवा चित्रकूट हाईवे पर रोके गए वाहन

एजेंसी नई दिल्ली

महाकुंभ में एक बार फिर से लोगों की भीड़ आनी शुरू हो गई है। 27वें दिन शनिवार एक करोड़ 22 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई। लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिसके चलते प्रयागराज आने वाली अधिकतर सड़कों पर जाम की स्थिति है। हजारों की तादाद में लोग प्रयागराज के बाहर जाम में फंसे हुए हैं।

वहीं प्रयागराज में भी लोगों को घाटों तक पहुंचने के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। भारी भीड़ को शेष पेज 4 पर

कटनी, मैहर और रीवा जिलों में फंसे वाहन

मप्र में महाकुंभ के लिए जाने वाले सैकड़ों वाहनों को भारी यातायात और भीड़भाड़ से बचने के लिए रोक दिया गया है। कुछ स्थानों पर स्थानीय यातायात पुलिस ने यात्रियों से वापस लौटने का अनुरोध भी किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात से ही उत्तर की ओर जाने वाले वाहनों, जिनमें से अधिकांश श्रद्धालु थे, को उत्तर प्रदेश के अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद ही आगे शेष पेज 4 पर

खड़े ट्रक में घुसी कार बच्चों की बच गई जान

शादी समारोह से लौट रहे पति पत्नी की सड़क हादसे में मौत

हरिभूमि न्यूज रतलाम

शादी समारोह से लौट रहे बच्चों सहित आ रहे पति पत्नी की सड़क हादसे में मौत हो गई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब इंदौर-रतलाम फोरलेन पर सिमलावदा के निकट झालरापाड़ा पर खड़े एक ट्रक में उनकी कार घुस गई।

ये दोनों कार से रतलाम आ रहे थे कि इनकी गाड़ी सड़क पर खड़े एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में मृत महिला झन्ना गामड़ बतौर आरक्षक के पद पर रतलाम के माणक चौक थाने में पदस्थ थी। गनीमत रही कि हादसे में इनके दो बच्चों की जान

- पिछली सीट पर दोनों बच्चे बैठे थे, इसलिए उनकी जान बच गई वे भी घायल हो गए

बच गई। सड़क दुर्घटना सुबह चार बजे के लगभग इंदौर-रतलाम फोरलेन पर सिमलावदा के निकट झालरापाड़ा की है। दुर्घटना में बोरझनी कानवन जिला धार रहवासी झन्ना पति अरविन्द गामड़ (32) और अरविन्द बालु गामड़ (32) की मौत हो गई। मृतिका माणक चौक थाने में आरक्षक थी। घटना की जानकारी मिलते ही बिलपांक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, गामड़ दंपत्ति रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में हिस्सा लेने गए थे। शादी समारोह से दंपत्ति अपने दोनों बच्चे बालक श्रेयांस (4) और बालिका पीरल (7) के साथ धार से वापस रतलाम लौट रहे थे। श्रेयांस और पीरल को मामूली चोट आई। ये दोनों बच्चे कार में पिछली सीट पर बैठे थे।

धूप और पारे में 5 से 6 डिग्री तक आएगा उछाल

आज से तेज सर्दी पर ब्रेक, 12 तक बादल

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से छाएंगे बादल, हवाएं होंगी दक्षिण पूर्वी

हरिभूमि न्यूज भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के अधिकांश हिस्सों में चार दिन के बाद रविवार से मौसम फिर बदलेगा। भोपाल सहित ज्यादातर जिलों में आज से कड़ाके की सर्दी पर ब्रेक लगेगा। 12 फरवरी तक बादल, धूप और तापमान में बढ़त का सिलसिला जारी रहेगा।

शनिवार को भोपाल सहित ज्यादातर जिलों में दिन के तापमान में औसतन 3 डिग्री तक बढ़त रही। रात का पारा डेढ़ डिग्री के करीब गिरने से रात में सर्दी का असर अधिक रहा। राजगढ़ और शहडोल में न्यूनतम पारा 5 से 4.5 डिग्री तक रहने से यहां शीतलहर का

राजधानी में नजर आए हल्के बादल, करोंद क्षेत्र का दृश्य।

असर रहा। भोपाल में लगातार दूसरे दिन पारा 9.4 डिग्री दर्ज हुआ। पांच जिलों में पारा 6 डिग्री तक रहने से कड़ाके की सर्दी रही। प्रदेश में औसत न्यूनतम पारा 9 डिग्री तक रहने से तेज सर्दी रही। अब 12 से 13 फरवरी यह औसतन 5 डिग्री 6 डिग्री तक बढ़कर 14 से 15 डिग्री तक पहुंच जाएगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन में 4 से 5 डिग्री तक बढ़कर औसतन 29 डिग्री रहा। भोपाल में 4 डिग्री बढ़कर 27.2 डिग्री रहा। बैतूल, धार, गुना, नर्मदापुरम, मंडला आदि जिलों में 3 डिग्री तक बढ़त रही, जबकि शेष जिलों में औसतन डेढ़ डिग्री तक बढ़त से दिन में सर्द हवाओं का असर रहा, लेकिन कड़ाके की सर्दी से राहत रही।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत... ढोल-ढमाकों पर जमकर नाचे पदाधिकारी-कार्यकर्ता, आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

वीडी ने प्रदेश कार्यालय में महापुरूषों की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर प्रदेश कार्यालय में महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया और पार्टीजनों का मुंह मीठा कराकर जीत की बधाई दी।

कार्यकर्ताओं ने ढोल-ढमाकों पर जमकर नृत्य किया तथा आतिशबाजी करके अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद सुमित्रा वाल्मीक, पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश महामंत्री सरदेंदु तिवारी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, महापौर मालती राय, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, पूर्व सांसद आलोक संजर, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित पार्टी के प्रदेश व जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई

दिल्ली की जनता ने पीएम मोदी पर जताया विश्वास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जो प्रचंड जीत मिली है, उससे पूरे देश के पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। मप्र सहित देश के कोने-कोने में पार्टी कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। दिल्ली को अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी जैसे झूठ-फरेब करने वालों ने 15 सालों में जिस दुरावस्था तक पहुंचाया था, दिल्ली की जनता ने इस चुनाव में उस आपदा का अंत कर दिया है। शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों पर जनता ने मुहर लगाई है।

प्रदेश कार्यालय में भाजपा नेता दवे ने जश्न मनाकर लहराया पार्टी का झंडा

प्रदेश भाजपा कार्यालय में विजय उत्सव के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। ढोल-ढमाकों के साथ भव्य आतिशबाजी की गई। गुलाल लगाकर एवं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र दवे, पूर्व पार्षद रामेश्वर राय दीक्षित पार्षद बाबूलाल यादव, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, गोविंद कहांरे, भागवत रघुवंशी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एकात्म धाम में हुआ आचार्य शंकर के जीवन पर केंद्रित कथा प्रसंग कार्यक्रम

आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं ने समाज को प्रदान की नई दिशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आदि शंकराचार्य केरल के छोटे से स्थान से मप्र आकर नर्मदा मैया के तट पर पहुंचे और बाल्यावस्था में परिपक्व दृष्टिकोण के साथ समाज को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। उनकी शिक्षाओं ने धर्म और दर्शन को एक नई दिशा प्रदान की। यह शिक्षाएं और दर्शन आज भी प्रासंगिक हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज महाकुंभ स्थित एकात्म धाम में शनिवार की शाम आयोजित आचार्य शंकर पर केंद्रित कथा प्रसंग कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर मप्र की झलकियों पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने इसके पहले प्रयागराज में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज के शिविर में पहुंचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने अध्यात्म, संस्कृति और सनातन परंपराओं पर विचार-विमर्श किया। प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र स्थित एकात्म धाम में मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया।

अध्यात्म, संस्कृति और सनातन परंपराओं पर हुआ विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री ने आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी और संतों से प्राप्त किया आशीर्वाद

सरकार न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सदैव साथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रयागराज में न्यास की ओर से जितने आयोजन हो रहे हैं, उनमें मप्र सरकार की भूमिका रहेगी। मप्र सरकार न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सदैव साथ है। इन प्रयासों को तेज गति से बढ़ाने की आवश्यकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गंगा के तट पर डुबकी लगाने आए। पूरा देश कुंभ के आनंद में है।

शनिवार को महाकुंभ पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे हुए थे। उन्होंने कहा कि उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रयागराज महाकुंभ में हुई तैयारियों से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों का दल प्रयागराज भेजा गया है। महाकुंभ में पधारे साधु-संतों से भी इस संबंध में मार्गदर्शन लिया जाएगा। उन्होंने सीएम योगी और उप्र सरकार को बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उप्र सरकार को बधाई दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राज्य सरकार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से उप्र सरकार ने इस भव्य महाकुंभ का कुशलता से आयोजन किया है।

हम एकात्मता की बात करते हैं: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब हम एकात्मता की बात करते हैं, तो आदि शंकराचार्य के संदेश का स्मरण करते हैं। एक ध्येय वाक्य है 'यत्पिंडे-तत्ब्रह्मांडे' अर्थात देह के अंदर ब्रह्मांड की तरह सब कुछ स्थिर है, जो शक्ति ब्रह्मांड को चला रही है, वहीं देह का संचालन करती है।

एकात्म धाम में विराजे संतों को नमन किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एकात्म धाम शिविर और यहां विराजे परमपूज्य शंकर भारती महाराज, महास्वामी संस्थापक वेदांत भारती, मठाधिपति योगानंदम मठ, मैसूर के चरणों में नमन किया। मुख्यमंत्री ने मप्र सरकार की ओर से विशिष्ट जन का अभिनंदन किया। उन्होंने कथा व्यासपीठ पर विराजमान परमपूज्य गोविंद देव महाराज, कोषाध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र और एकात्म धाम में विराजे अन्य सभी संतों को भी नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आज भी शंकराचार्य सभी को आशीर्वाद दे रहे हैं।

अमेरिका का भारतीय अप्रवासियों को बेड़ियां बांधकर कर भेजना गलत

केंद्र सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आय की कर मुक्त, जनता को दी बड़ी राहतः अठावले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अमेरिका द्वारा अप्रवासियों भारतीय को बेड़ियां बांधकर भेजना गलत है। अमेरिका को ऐसे कृत्य के लिए मांफी मांगना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित अमेरिकी यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। यह बात केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राजधानी में आयोजित पत्रकारवार्ता में कहीं। उन्होंने बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बार के आम बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 12 लाख तक की इनकम को पूरी तरह से आयकर मुक्त कर दिया है। इससे आम जनता को भारी राहत मिली है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकास की राह पर अग्रसर है और 2047 तक देश को विकसित बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस बार के आम बजट में रक्षा क्षेत्र को 6 लाख करोड़ से ज्यादा का आवंटन किया गया है। रेलवे को 2.52 लाख करोड़ का आवंटन 2025-26 के बजट में हुआ है। वहीं सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के स्पेशल कंपोनेंट प्लान के तहत इस बार के बजट में 1 लाख 68 हजार करोड़ की राशि मिली है। इससे जनता के लिए विकास और कल्याण कार्य किए जाएंगे।

51 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले

अठावले ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत हुई थी। 51 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले जा चुके हैं। 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना प्रारंभ हुई थी। इसका भी लोगों को काफी फायदा मिला है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त सिलेंडर मिला है। देश में 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। अठावले ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक मकान बनाए जा चुके हैं। उन्होंने नौजवानों से आह्वान किया कि वे आगे आएं और रोजगार सृजित करें और देश को आगे बढ़ाएं।

गांव में तैयार होगा गेहूं, चना व फसलों का हाईब्रिड बीज

भोपाल। छोटे और बड़े किसानों के लिए अच्छी खबर है। अब बोवनी के लिए किसानों को व्यापारियों से महंगा बीज नहीं खरीदना पड़ेगा, जिसके लिए कृषि विभाग ब्लॉक स्तर पर पांच पांच गांवों में बीज केंद्र बनाने जा रहा है। जहां बोवनी के लिए हाईब्रिड बीज तैयार किया जाएगा। यहां पर किसानों के लिए यूरिया और डीएपी भी रखी जाएगी, जिससे किसानों को दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए भी मोटिवेट किया जाएगा। जिले के एक ब्लॉक के 5 गांवों को आत्मनिर्भर गांव बनाया जाएगा। जिसमें हाईब्रिड बीज उसी गांव में तैयार होकर गांव में विक्रय कर उत्पादन किया जाएगा। उर्वरक यूरिया, डीएपी के स्टॉक के लिए योजना तैयार की जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी कृषि विभाग को दी गई है।

जातिगत जनगणना से मिलेगा आदिवासी वर्ग को पूरा अधिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में आयोजित आदिवासी कांग्रेस विभाग के आदिवासी लीडरशिप डेवलपमेंट प्रशिक्षण शिविर एवं साक्षात्कार के लिए आयोजित बैठक में उपस्थित प्रदेश के सभी जिलों से आए आदिवासी वर्ग पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

जीतू ने कहा कि आदिवासी इस देश का मालिक है। जल-जंगल और जमीन पर सबसे पहला अधिकार आदिवासी वर्ग का है। जातिगत जनगणना से आदिवासी वर्ग को पूरा अधिकार और हिस्सेदारी मिलेगी। आदिवासी वर्ग के महापुरूषों चाहे वो बिरसा मुंडा हो, टंट्या भील हो या रघुनाथ शाह-शंकरशाह हो या वीरांगना रानी दुर्गावती हो, इन सभी ने देश की आजादी में अपना योगदान दिया और आदिवासी वर्ग की रक्षा। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जातिगत जनगणना के पक्ष में है, क्योंकि जातिगत जनगणना से हर वर्ग के मध्यम और गरीबों को उसका लाभ मिलेगा। आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक समानता का अवसर मिलेगा।

योजनाओं की प्रबंध संचालक ने की समीक्षा

मध्यप्रदेश में 8 सीवरेज योजनाओं का काम पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मप्र अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी के आयुक्त सह प्रबंध संचालक सीबी चक्रवर्ती एम. ने आज भोपाल में कम्पनी की ओर से क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की समीक्षा की।

एमडी चक्रवर्ती ने योजनाओं की भौतिक और वित्तीय स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रति माह के लक्ष्य और उपलब्धि की सूक्ष्म योजना बनाई जाए। योजना को टाइम फ्रेम पर पूरा किया जाए। प्रत्येक इकाई और निर्माण स्थलों पर पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन उपलब्ध होना चाहिए।

60 जल प्रदाय योजनाओं का कार्य भी हुआ पूर्ण

बैठक में बताया गया कि मप्र अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी 60 जल प्रदाय योजनाओं का कार्य पूरा हो चुका है। प्रदेश में 8 सीवरेज परियोजनाओं का काम पूरा कर लिया गया है। बैठक में बताया गया है कि अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी विभिन्न योजनाओं से प्रत्येक घर में मीटर युक्त पानी का कनेक्शन, प्रत्येक घर में स्वच्छ पीने का पानी और शहरी क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सीवेज कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। कम्पनी ने शहर में जनता की शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण समिति का भी गठन किया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यक्रम में बोले विस प्रमुख सचिव

विधि निर्माण में वकील निभा सकते हैं उपयोगी भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि शासन के तीनों अंगों में विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इनके निर्देशों का कार्यान्वयन कार्य पालिका की ओर से किया जाता है। सिंह ने प्रभावी तरीक़े से संसदीय प्रणाली व विधायिका की कार्य प्रक्रिया के साथ विधि निर्माण व अन्य जानकारी दी।

शासन के तीनों अंगों में विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण

विधानसभा की कार्य प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छत्तरपुर के माध्यम से जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर सभागार में विधि विद्यार्थियों, पीएलवी पैनल लॉयर एवं अन्य अधिवक्ताओं के लिए विधानसभा की कार्य प्रक्रिया के संबंध में आयोजित कार्यशाला में विभिन्न तरह की जानकारी दी गई। बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव सिंह ने मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश रविन्द्र सिंह ने की।

इन्होंने की कार्यशाला में सहभागिता

सिंह ने कहा कि विधि निर्माण में वकील व विधि के जानकारों की उपयोगी भूमिका हो सकती है। यदि वे विधान सभा में पुरःस्थापित विधेयकों का अध्ययन करें। इस अवसर पर विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए गए। इस अवसर पर न्यायाधीश सीजीएम श्रीमती भारती, जिला विधिक सहायता अधिकारी हेमंत कुशवाहा, समाजसेवी शंकरलाल सोनी सहित जिला न्यायालय के एडीआर सभागार में विधिक सेवा पदाधिकारी, अधिवक्ता तथा ला स्टूडेंट उपस्थित थे।

नियम व शर्तें : 1. हर माह जन्मदिन उत्सव फॉरमेट प्रकाशित किया जायेगा। योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट को भरकर हरिभूमि कार्यालय, ब्यूरो कार्यालय या अपने एजेंट/एजेंसी के पास जमा कर सकते हैं। 2. हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं, जन्मदिन के फार्मेट एक माह पहले मंगाये जायेंगे, उनके जन्मदिन पर उन्हें सुनिश्चित उपहार दिया जायेगा। 3. प्राप्त जन्मदिन के फार्मेट को एकत्रित कर महाबम्पर ड्रा में शामिल किया जायेगा जिसका ड्रॉ नवम्बर 2025 में किया जायेगा। 4. जन्मदिन फार्मेट के साथ आधार कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ 3 माह अखबार का मासिक बिल लगाना अनिवार्य होगा। 5. जन्मदिन फार्मेट की फोटो कापी मान्य नहीं होगी। 6. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। इस योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा। हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। 7. चित्र में दर्शाए गए उपहार भिन्न हो सकते है।

जीआईएस को लेकर बोट क्लब मार्ग पर सुधार कार्य के साथ रंग रोगन जारी है। खंभे पर सिल्वर पॉलिश करता एक कारीगर।

समिट में दो दिन बंद रहेगा बोट क्लब, सरकारी दफ्तर होंगे रोशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल में 24 और 25 फरवरी को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) होगी। इसमें देसी और विदेशी करीब 20 हजार मेहमान में आएंगे। राजधानी में पहली बार हो रही जीआईएस को लेकर शनिवार को भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह ने अधिकारियों की बैठक की। जिसमें पार्किंग, ट्रैफिक और एंट्री जैसे कई मुद्दों पर मंथन किया गया। बैठक में बताया गया कि 24 और 25 को समिट की वजह से बोट क्लब को आम लोगों के लिए बंद रखा जाएगा।

मेहमानों को देनी होगी पास,पार्किंग की जानकारी

ड्राइवरों की विशेष ट्रेनिंग पर जोर

कमिश्नर ने भोपाल के सरकारी दफ्तरों में विशेष लाइटिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिससे समिट के दौरान शहर का वातावरण आकर्षक और सुव्यवस्थित दिखे। उन्होंने समिट में अतिथियों के सुचारू आवागमन के लिए ड्राइवरों की विशेष ट्रेनिंग आयोजित करने पर जोर दिया। कमिश्नर ने आयोजन में लाइजनिंग ऑफिसर्स की ड्यूटी तय करने के निर्देश देते हुए कहा कि अनुभवी अधिकारियों को इस जिम्मेदारी के लिए चुना जाए।

आगंतुकों को पूरी जानकारी दी जाए, जिससे कोई अव्यवस्था न हो

मेहमानों को एंट्री और निकासी के लिए पर्याप्त जानकारी मुहैया कराई जाएगी। बैठक में कमिश्नर ने समिट के दौरान ट्रैफिक मैनेजमेंट, प्रवेश पास की व्यवस्था और अतिथियों के आवागमन को सुचारू बनाने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि समिट में शामिल होने वाले सभी मेहमानों को उनके एंट्री समय और स्थान की स्पष्ट जानकारी दी जाए। ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इसके साथ ही उन्होंने एंट्री चेकिंग पॉइंट्स, मुख्य आयोजन स्थल और यातायात प्रबंधन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की।

एसएससी जीडी की परीक्षा देने के बदले मिले थे 50 हजार, आरोपी को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

अभ्यर्थी के स्थान पर परिचित बना सॉल्वर परीक्षा देने से पहले ही पकड़ाया 'मुन्नाभाई'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी के नीलबड़ स्थित एक निजी कॉलेज से शुक्रवार के दिन दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचा एक युवक पकड़ाया है। वह एक प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। परीक्षा देने के एवज में उसे 50 हजार रुपए मिले थे। सूचना पर पुलिस ने उसे सेंटर पहुंचकर गिरफ्त में ले लिया। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। हैरत की बात है कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी की रिमांड नहीं मांगी। दरअसल, एसएससी जीडी का एग्जाम शुक्रवार को था। भोपाल के रातीबड़ में स्थित राधारमण कॉलेज में मुरैना का रहने वाले मनोज कुमार (21) का सेंटर आया था।

फाइल फोटो

दस्तावेज जांच के दौरान हुआ संदेह

मनोज ने अपने स्थान पर मंडला निवासी सॉल्वर सुनील ठाकुर को परीक्षा देने भेजा था। परीक्षा हॉल में प्रवेश से पहले परीक्षक ने सुनील को रोक लिया। दस्तावेज चेक करने पर संदेह हुआ। पूछताछ की तो फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। उसने स्वयं को दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने आने की बात स्वीकार कर ली। तब पुलिस को बुलाया गया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

आधार कार्ड में लगा ली थी अपनी फोटो

पुलिस पूछताछ में आरोपी सुनील ने बताया कि मनोज और उसके बीच 2018 से परिचय था। वह भोपाल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने लगा। मनोज ने उसे कॉल कर उसके स्थान पर परीक्षा देने की बात कही और एवज में 50 हजार रु. देने का लालच दिया। मुझे पैसे की जरूरत थी, इस लिए तैयार हो गया और 50 हजार रुपए मैंने एडवांस ले लिए थे।

दूसरा आरोपी फरार

सुनील के पकड़े जाने की भनक लगते ही आरोपी मनोज फरार हो गया। सुनील ने बताया कि मनोज परीक्षा केंद्र तक उसे साथ लेकर पहुंचा था। उसने परीक्षा के बाद मिलने की बात कही थी। इसके बाद वह गायब हो गया।

गिरोह का हो सकता था खुलासा

पूछताछ के लिए पुलिस ने पकड़े गए आरोपी का रिमांड नहीं मांगा। हो सकता है कि वह पहले भी इस तरह से एक्जाम में बैठा हो। उसके साथ किसी गिरोह का कनेक्शन भी हो सकता है। लेकिन कोई बड़ा खुलासा नहीं हो पाया।

चौथी रेल लाइन के लिए की जा रही मशक्कत

मोती नगर में हटा सामान, आज से दुकानों पर चलेगा बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के मोतीनगर स्थित 100 से अधिक दुकानों को व्यापारियों ने खाली कर लिया है। अब इन्हें रविवार को जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम अमले की मदद से पुलिस बल की मौजूदगी में तोड़ा जाएगा। दरअसल, व्यापारियों को प्रशासन ने पूर्व में नोटिस जारी कर खाली करने के लिए कहा था, लेकिन वह नहीं हटे थे।

व्यापारियों ने खुद ही समेट लिया सामान

इस बीच उन्हें चार फरवरी का समय दिया गया था, लेकिन वह सामान नहीं हटा पाए थे। इस पर व्यापारियों ने प्रशासन से खुद सामान हटाने का समय मांगा था। जिससे उन्हें शुक्रवार और शनिवार का मौका दिया था। इस दौरान सभी व्यापारियों ने अपना सामान समेट कर दुकानों को खाली कर दिया है।

शराब दुकान भी शिफ्ट

सुभाष नगर से चौथी रेलवे लाइन का काम शुरू होना है, इसके चलते यहां से मोतीनगर की 381 झुग्गी और 110 दुकानों का अतिक्रमण हटाया जाना है। एसडीएम एमपी नगर लक्ष्मीकांत खरे का कहना है कि शराब दुकान भी शिफ्ट हो गई है। ऐसे में अब रविवार से इन दुकानों को तोड़कर मलबा हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

सबसे पहले तोड़ी जाएगी शराब दुकान

रेलवे की जमीन पर 42,पीडब्ल्यूडी की जमीन पर 58 दुकानें बनी हुई हैं। इनमें से लगभग सभी ने अपनी दुकानें खाली कर दी हैं। यहां एक शराब की दुकान है, जिसके ठेकेदार ने भी दुकान खाली कर दी है। अब सबसे पहले रविवार को यही दुकान तोड़ी जाएगी, इसके बाद सभी दुकानों का मलबा हटाया जाएगा।

दुर्घटना में ऑफिसर की मृत्यु पर 77 लाख 77 हजार का मुआवजा

भोपाल (विसं)। जनपद पंचायत के समन्वय ऑफिसर गोकुल प्रसाद खुराना की दुर्घटना में मृत्यु के मामले में अपर जिला न्यायाधीश पंकज कुमार जैन ने मृतक के परिजनों को 77 लाख 77 हजार 674 रुपए की क्षतिपूर्ति राशि मय 6% ब्याज सहित अदा किए जाने के आदेश दुर्घटना कारित करने वाले ट्रक ड्राइवर, ट्रक के मालिक और बीमा कंपनी यूनाईटेड इन्श्योरेंस को दिए हैं। परिजनों ने अधिवक्ता एलबी यादव के माध्यम से क्षतिपूर्ति राशि दिलाए जाने प्रकरण में बताया था कि सीहोर की के ऑफिसर गोकुल प्रसाद खुराना 20 फरवरी 2023 को सुबह 11:30 बजे अपनी बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान ट्रक ड्राइवर ने रांग साइड से उनकी बाइक को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में गोकुल प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

- **दो साल पहले सड़क हादसे में हो गई थी मौत**

966.928 हेक्टेयर जमीन दर्ज होगी सरकारी

मर्जर प्रॉपर्टी के 250 नामांतरण की जांच कर अफसरों पर की जाए कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मर्जर एग्रीमेंट की 966.928 हेक्टेयर जमीन को सरकारी दर्ज नहीं करने की वजह से मर्जर की सरकारी जमीन के वर्ष-2002 से 2009 तक करीब ढाई सौ नामांतरण किए गए हैं। अब तक बैरागढ़ और टीटी नगर सर्कल में करीब 149 नामांतरण का पता चला है। 8 साल पहले नामांतरण करने वाले अफसरों को नोटिस भी दिए गए थे, पर कार्रवाई नहीं की गई है। शनिवार को क्रिएशन एंड प्रोजेक्शन के संचालक अमिताभ अग्निहोत्री ने पत्रकारवार्ता में मर्जर प्रॉपर्टी की जांच करने और शत्रु संपत्ति को जब्त करने की मांग रखी।

ये अफसर रहे पदस्थ

वर्ष-2004 से 2013 तक राजधानी के बैरागढ़ और टीटी नगर वृत्त में 20 तहसीलदार और नायब तहसीलदार पदस्थ रहे हैं। इसमें तहसीलदार प्रफुल्ल सिन्हा, आरसी दुबे, राजेश गुप्ता, आरके दुबे, सीपी निगम, संजय श्रीवास्तव, वरुण अवस्थी, संजीव केशव पांडे, नायब तहसीलदार जमील खान, ऋषि मौर्या, ममता शाक्य, शालिनी पाली, सुनीता लाल, बजरंग सिंह, शांताराम कुंभारे, संतोष सिरोलिया, मनीष श्रीवास्तव, नरेंद्र ठाकुर, गीतांजली, संतोष बिठोलिया पदस्थ थे। इन तहसीलदारों ने करीब ढाई सौ प्रापर्टीज के नामांतरण किए हैं। इसमें बैरागढ़ में सबसे ज्यादा 125 नामांतरण किए गए हैं।

यह है नवाब परिवार

भोपाल के आखिरी नवाब हमीदुल्ला खां का कोई बेटा नहीं था और उनकी बड़ी बेटी आबिदा पाकिस्तान चली गई थीं और सबसे छोटी बेटी राबिया भोपाल में ही रहीं। पाक गईं आबिदा सुल्तान को नवाब का वारिस माना जाता था, लेकिन मर्जर एग्रीमेंट के दौरान साजिदा सुल्तान को वारिस करार दिया गया है। साजिदा सुल्तान की शादी पटौदी के नवाव इफ्तिखार अली से हुई थी। उनका एक बेटा और दो बेटियां हुईं। मंसूर अली खां पटौदी उनके सबसे बड़े बेटे थे। उनके अलावा सालेहा सुल्तान और सबीहा सुल्तान उनकी बेटी हैं, जिनकी शादी हैदराबाद में हुई।

कचरा जलाने वाले स्कूल संचालक पर 5 हजार का जुर्माना

भोपाल। निगम अमले ने भेल टाउनशिप के विक्रम हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में कर्मियों द्वारा कचरा जलाए जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया। इसी प्रकार अमले ने बाग सेवनिया थाने के पास लगे व्यू कटर पर पंपलेट चिपकाने पर फारएवर लीविंग प्रोडक्ट प्र.लि. पर पांच हजार का जुर्माना वसूला गया है। नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण ने शनिवार निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को साफ-सफाई के निर्देश दिए हैं। वहीं सड़कों, फुटपाथों, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने खाद्य पदार्थ विक्रेताओं सहित अन्य दुकानदारों के विरुद्ध सख्ती से मौके पर जुमार्ना की कार्रवाई करने, विजीवल क्लीननेस के लिए साफ-सफाई बेहतर ढंग से कराने, कचरा, मिट्टी तत्काल उठवाने के निर्देश दिए।

- **पंपलेट चिपकाने वाले पर भी ठोका जुर्माना**

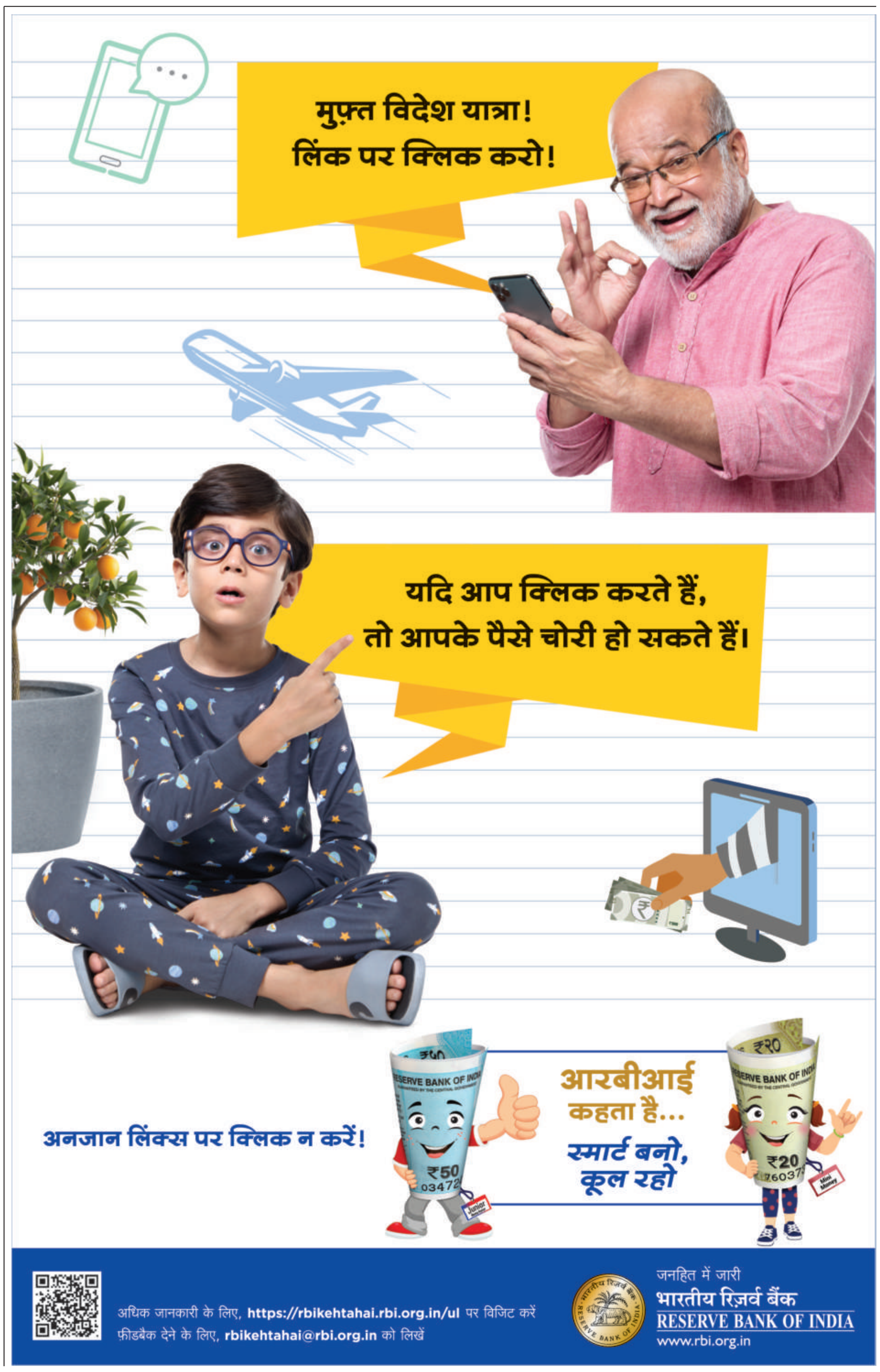

आरकेएमपी-नई दिल्ली वंदेभारत एक्सप्रेस में सफर करने वाले यात्रियों को बुकिंग के समय फूड ऑप्शन न चुनने के बाद भी मिल सकेगा खाना

आईआरसीटीसी की पहल

आईआरसीटीसी के सुकर्लर में कहा गया है कि बुकिंग के समय फूड का ऑप्शन न चुनने के बावजूद यदि पका हुआ फूड मौजूद रहेगा, तो यात्रियों को वह मुहैया कराया जा सकता है, जो कि रेडी टू ईट फूड से अलग होगा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आरकेएमपी-नई दिल्ली,आरकेएमपी-रीवा व भोपाल में हाल्ट लेकर चलने वाली इंदौर-नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस में सफर करने वाले यात्रियों को अच्छी खबर है। दरअसल, रेलवे की ओर से इस श्रेणी की ट्रेन में सफर करने के लिए टिकट बुकिंग के समय खाने का विकल्प नहीं चुनने पर भी यात्री अब चलती ट्रेन में ऑर्डर दे सकेंगे। इसके यात्रियों को भूखे पेट सफर नहीं करना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार वर्तमान में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने वाले यात्री अगर टिकट बुकिंग करते समय फूड का ऑप्शन नहीं चुनते थे। ऐसे में उन्हें यात्रा के दौरान फूड खरीदने का सुविधा नहीं मिल पाती थी। इसके चलते कई यात्रियों को भूखे ही सफर करना पड़ता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। अब बुकिंग के दौरान अगर यात्री खाने का विकल्प नहीं भी चुनते, तब भी वह अपना ऑर्डर दे सकेंगे। इस संबंध में भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की ओर से एक सर्कुलर जारी किया गया।

13 को जाएगी नांदेड़-पटना कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन, भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर रहेगा स्टापेज

रेलवे प्रशासन ने कुंभ मेला के लिए यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। नांदेड़-पटना-नांदेड़ रूट पर चलने वाली इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 13 फरवरी से किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार नांदेड़ से पटना जाने वाली ट्रेन संख्या 07099 का संचालन 13 फरवरी को रात 11 बजे से होगा, जो तीसरे दिन सुबह 10:30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07100 पटना से 15 फरवरी को दोपहर 3:30 बजे रवाना होकर तीसरे दिन सुबह 4:30 बजे नांदेड़ पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन इटारसी स्टेशन सहित कुल 20 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इस विशेष ट्रेन में कुल 22 डिब्बे लगाए गए हैं, जिनमें 16 स्लीपर क्लास, 2 एसी थर्ड क्लास और 2 जनरल क्लास के कोच शामिल हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से ट्रेन की वर्तमान स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

इन स्टेशनों पर लेगी हाल्ट

यह विशेष ट्रेन पूर्णा जंक्शन, बासमत, हिंगोली डेक्कन, अकोला, खंडवा, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन और दानापुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी।

नोरा खुद को दिल से भारतीय मानती हूं

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री एवं डांसर नोरा फतेही गुरुवार को 33 वर्ष की हो गईं। नोरा फ़तेही का जन्म कनाडा में छह फरवरी 1992 में हुआ था। वह कनाडा में ही पली बढ़ी है। उनका जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था, लेकिन उनकी मां एक भारतीय महिला हैं।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

नोरा फतेही कनाडाई डांसर, अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने हिंदी, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और तमिल भाषा की फिल्मों में अभिनय किया है। नोरा फतेही का जन्म और पालन-पोषण टोरंटो कनाडा में हुआ और वह मोरक्को की मूल निवासी हैं। उन्होंने टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंडरी स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने यॉर्क यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन किया। उन्होंने कई साक्षात्कारों में कहा है कि वह खुद को दिल से भारतीय मानती हैं। नोरा फतेही ने वर्ष 2014 हिंदी फिल्म रोरः टाइगर्स ऑफ दि सुंदरबन्स से अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने पुरी जगन्नाथ की फिल्म टेम्पर में आइटम नंबर, इट्टेज रेचीपोधम के साथ तेलुगु फिल्मों में कदम रखा। नोरा ने विक्रम भट्ट निर्देशित और महेश भट्ट निर्मित फिल्म मिस्टर एक्स में इमरान हाशमी और गुरमीत चौधरी के साथ एक विशेष भूमिका भी निभाई।

'देवा' का नया गाना 'बस तेरा प्यार में विशाल ने लगाए सुर...

मुंबई। शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की फिल्म 'देवा' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थी, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है। अब इस बीच निर्माताओं ने 'देवा' का नया गाना 'बस तेरा प्यार है' जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में शाहिद और पूजा की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। 'देवा' का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है, वहीं सिद्धार्थ रॉय कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में पावेल गुलाटी ने भी अभिनय किया है। इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक 'दबंग' पुलिसवाले का किरदार निभाया है।

'तेरा यार हूं मैं' से अमन संग जुड़ीं

मुंबई। पिछले काफी समय से दिग्गज अभिनेता परेश रावल अपनी आगामी फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए जाने-माने निर्देशक और निर्माता इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अब 'तेरा यार हूं मैं' की स्टार कास्ट में नेहा खान भी शामिल हो गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'तेरा यार हूं मैं' में अमन की जोड़ी नेहा के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। निर्माताओं ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए नेहा से संपर्क किया है और अभिनेत्री ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि नेहा फिल्म में तनिषा नाम की लड़की का किरदार निभाएंगी। जल्द रिलीज होगी यह फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

नागा और साई की 'थंडेल' ओटीटी पर

मुंबई। अभिनेता नागा चैतन्य पिछले काफी समय से फिल्म 'थंडेल' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में नागा की जोड़ीदार साई पल्लवी हैं। इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब 'थंडेल' की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद 'थंडेल' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के ओटीटी राइट्स खरीद लिए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म और निर्माताओं के बीच अच्छा सौदा हुआ है। फिल्म का प्रीमियर मार्च के अंत तक हो सकता है। यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल निर्माताओं और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। साई को फिल्म के लिए मिले इतने करोड़ रुपये

जैकेट का शेष

दिल्ली भाजपा की...

है। 27 साल बाद भाजपा सत्ता में आएगा और दिल्ली में उसका राजतिलक होगा। ये चुनाव पूरी तरह से आप के भ्रष्टाचार व झूठे वादों के खिलाफ लड़ा गया था।

हालत यह हो गई कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व सौरभ भारद्वाज तक चुनाव हार गए। मुख्यमंत्री आतिशी लड़खड़ाते हुए जीतीं। चुनाव में कांग्रेस व एआईएमआईएम ने कोई खाता नहीं खोला पर आप का खाता बिगाड़ दिया। पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया थी- यह सुशासन की जीत। यह विकास की जीत। इस जीत पर मप्र सहित भाजपा राज्यों में जोरदार जश्न मनाया गया। दिल्ली दफ्तर में रंग-गुलाल उड़ाए गए। मिठाई बांटी गई।

मोदी, शाह और नड्डा ...

प्रभारी नियुक्त किया गया

- प्रवेश वर्मा : नई दिल्ली सीट से अरविंद केजरीवाल को हराकर बड़ी जीत दर्ज की

- वीरेंद्र सचदेवा: वीरेंद्र सचदेवा को मई 2023 में दिल्ली भाजपा का स्थायी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था

सत्य कभी पराजित ...

इससे पहले हरियाणा और महाराष्ट्र में भी जीत दर्ज की। जीत का सिलसिला इसी तरह जारी रहेगा। मुझे इस बात का संतोष है कि चुनाव से पहले जहां-जहां मैं गया था, सभी जगह भाजपा जीती है। जहां भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेहनत की और लोगों ने विश्वास जताया सभी जगह भारी बहुमत से जीत दर्ज की है।

पेज एक का शेष

सांस्कृतिक विरासत और...

सृजित होंगे।

राजधानी भोपाल में 24-25 फरवरी को पहली बार होने जा रही जीआईएस केवल निवेश और व्यापार के अवसरों का मंच ही नहीं, बल्कि यह आयोजन मप्र की सांस्कृतिक और औद्योगिक क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। इस समिट का राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजन इसका महत्व एवं प्रभाव को और अधिक बढ़ाता है। जीआईएस का आयोजन स्थल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं का जीवंत उदाहरण है। जब दुनिया भर के उद्योगपति, नीति-निर्माता और निवेशक इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे, तो वे मप्र की औद्योगिक संभावनाओं के साथ यहां की सांस्कृतिक आत्मा को भी महसूस कर सकेंगे।

सतत विकास के साथ ...

सोच इसे अन्य राज्यों से अलग बनाती है, जहां निवेश केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सतत विकास का माध्यम भी है।

पर्यटन और हस्तशिल्प ...

की जानकारी मिलेगी, बल्कि वे देखेंगे कि किस प्रकार मप्र अपनी पारंपरिक संपदा को आर्थिक संभावनाओं से जोड़ रहा है। वैश्विक निवेशक अब केवल उद्योगों में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में भी निवेश के लिए मध्यप्रदेश को प्राथमिकता दे रहे हैं।

दिल्ली विस के ...

को नहीं छोड़ा जाएगा। जिन लोगों ने लूट मचाई है, उन्हें लूटी हुई राशि वापस करनी होगी।

क्यों महत्वपूर्ण है ...

राज्य के खजाने को 2,026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, जिसमें से 890 करोड़ रुपए सरकार द्वारा पॉलिसी अवधि समाप्त होने से पहले सरेंडर किए गए लाइसेंसों को फिर से टेंडर करने में विफल रहने के कारण हुआ। इसके अलावा, क्षेत्रीय लाइसेंसों को दी गई छूट के कारण 941 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

धूर्तता और मूर्खता ...

विकसित भारत बनाने के लिए राजनीति में नयापन लाना है। हमारी यह विजय, नई जिम्मेदारी लेकर आया है।

इन लोगों ने ...

को यमुना जी की पहचान से फिर से जोड़ा जाएगा और उनकी सेवा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।
उन्होंने संस्कृत की एक पंक्ति भी पढ़ी गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति। नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेऽस्मिन सन्निधिं कुरु॥

जहां एनडीए की ...

होकर काम किया। महाराष्ट्र में सूखे का संकट होता था। हरियाणा में बिना पर्ची-खर्ची नौकरी नहीं मिलती थी। गुजरात कृषि पावर हाउस बनकर उभरा है। बिहार में भी बदलाव तब आई, जब एनडीए की सरकार आई।

मध्यप्रदेश के सभी ...

दीक्षा चैनल एमओई से भी कार्यक्रम का प्रसारण होगा। कार्यक्रम का प्रसारण अन्य निजी चैनल भी करेंगें। कार्यक्रम को ऑनलाइन देखे जाने के लिए यूट्यूब लिंक भी जारी की गई है। कार्यक्रम में विद्यार्थी एवं शिक्षक तथा अभिभावक उक्त लिंक के माध्यम से सहभागिता कर सकेंगे। समस्त ज़िला कलेक्टर्स एवं मैदानी अधिकारियों को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों की सामूहिक रूप से सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल और स्कूल शिक्षा विभाग में अन्य वरिष्ट अधिकारी राजधानी भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय से विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में भी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद और सभी जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थानों में हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विद्यार्थियों की लाइव प्रसारण में सहभागिता होगी। स्कूलों में टीवी प्रसारण के अलावा, इंटरनेट एक्सेस डिवाइस (कंप्यूटर लैपटॉप, मोबाइल इत्यादि) पर भी कार्यक्रम देखने की सुविधा दी जा रही है। प्रदेश के दूरदराज के क्षेत्रों में जहां टीवी देखने की व्यवस्था संभव नहीं होगी वहां रेडियो, ट्रांजिस्टर की व्यवस्था किए जाने के लिए निर्देश दिए गए है।

प्रयागराज मार्ग पर...

देखते हुए पार्किंग स्थल व रूटों पर आपात प्लान लागू कर दिया गया है। अगर बात प्रयागराज आने वाले रूट की करें तो फाफामऊ से प्रयागराज, झूंसी से प्रयागराज, जसरा से प्रयागराज आने वाले रास्तों पर भारी जाम लगा हुआ है। वाराणसी और मिर्जापुर हाईवे पर शनिवार को पांच-पांच किमी तक वाहनों की कतार लग गई है। संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले से ही वाहन रेंग रहे हैं। हाईवे से शहर में आने वाले प्रमुख मार्ग दिन में पूरी तरह से चोक हो गए हैं। इसके अलावा अंतरजनपदीय डायवर्जन प्वाइंटों से लेकर जनपदीय सीमाओं पर भी वाहनों की कतार लगी।

कटनी, मैहर और ...

बढ़ने दिया जा रहा है। महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों से आने वाले अधिकांश वाहन सुबह से ही कटनी, मैहर और रीवा जिलों में फंसे हुए हैं। रीवा रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) साकेत प्रकाश पांडे ने बताया कि वाहनों को चाकघाट पर रोका जा रहा है।

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यकता
आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाऐ, फन्ड + बोनस-09034329258..
R-06 to 09-02-2025
पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898. R-07 to 21-02-2025

आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/-
साइज (फिक्स) 10X4 cm
अन्य साईज में
@ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2024 से लागू

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844
R-09 to 12/2/2025- not-14,26,27,03

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

हरिभूमि भोपाल बाजार — विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644
प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

लेकसिटी हॉस्पिटल
डॉ. आनंद जयंत काले एम.एस., एमसीएच (प्लास्टिक सर्जन)
डायबिटिक फुट के लक्षण :
डायबिटिक से होने वाले पैरों के घाव ⇨ पैर में सुन्नपन, पैरों में बिना दर्द का छाला एवं घाव ⇨ बार-बार रक्तस्त्रव होना ⇨ दुर्गन्ध, दर्द ⇨ तरल पदार्थ या मवाद का निकलना ⇨ त्वचा का रंग बदलना ⇨ गैंग्रीन
अपने पैरों को बचाएं

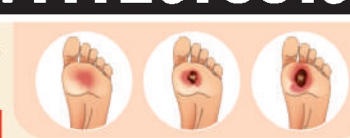

Email : lakecityhospital@gmail.com
www.lakecityhospital.net
www.youtube.com/drananddiayantkale
बी-27, कस्तूरबा नगर, चेतक ब्रिज के पास, भोपाल (म.प्र.) +91 95229 69980

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज

Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

राशिफल
मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।
वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।
कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।
सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।
तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।
वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।
व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से

शब्द पहेली - 5773

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5772 का हल

सूडोकु नवताल - 5783

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5782 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर

बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफः	-19.73%
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	-14.02%
एबीएसएल स्मॉल कैप फंडः	-13.65%
बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंडः	-13.30%
फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंडः	-13.06%
डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्सः	-12.94%
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंडः	-12.89%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-12.73%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.63%
आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.59%
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.57%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.56%
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.46%
एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.46%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	-11.52%
एसबीआई स्मॉल कैप फंडः	-11.42%
कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.01%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	-10.86%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	-10.55%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-10.15%
कोटक स्मॉल कैप फंडः	-10.00%
यूनियन स्मॉल कैप फंडः	-10.00%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपए से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	35%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	30.64%
इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंडः	29%
टाटा स्मॉल कैप फंडः	28%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	28%
एडलवाइस स्मॉल कैप फंडः	27.76%
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27.61%
एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंडः	27.58%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंडः	26.76%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	25.67%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	25.35%

(डिस्क्लेमरः किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाईब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपए निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपए निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपए या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपए घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपए निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपए हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपए आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपए की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपए 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपए हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपए आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपए में से 27 लाख रुपए आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपए एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपए हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपए हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपए से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपए जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी

बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

कार्यालय नगर परिषद भैरुंदा, जिला - सीहोर

क्र./2025/ई-निविदा/646 भैरुंदा, दिनांक 07/02/2025

// ई-निविदा सूचना //

निकाय द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली/लोक निर्माण विभाग म.प्र. में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें प्रतिशत आधार पर **UADD SOR 2021** पर आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2025_UAD_ 401560_1	वार्ड क्र. 10 में श्री अरविन्द राजपूत के मकान से श्री विजेन्द्र शर्मा के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य ।	1. 03 माह 2. 4,02,592/-	1. 2000/- 2. 4100/-	24.02.2025
2	2025_UAD_ 401561_1	वार्ड क्र. 14 में कांजी हाउस के पास शनि मंदिर के साईड में बच्चो के लिये पार्क निर्माण।	1. 06 माह 2. 11,37,019/-	1. 2000/- 2. 8600/-	10.03.2025
3	2025_UAD_ 401562_1	3D Wall UV (Digital) Painting work including two coats of Specials primer & with Deluxe Multi surface paint. Including Architectural work showing swachhta quotes, Messages Slogans & Specific Lettering work in Different surfaces of wall in town Complete for swachh sarvekshan 2024.	1. 01 माह 2. 4,90,000/-	1. 2000/- 2. 5000/-	24.02.2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **http://mptenders.gov.in** की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा। अव्यवहारिक निविदाओं मे अतिरिक्त परफॉरमेंस गारंटी संशोधित आदेश क्रमांक 237/2024/18-2 दिनांक 06.09. 2024 अनुसार जमा कराना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद भैरुंदा, जिला सीहोर (म.प्र.)

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 27 वर्ष बाद कमल खिला है। पूर्ण बहुमत से भाजपा की शानदार जीत हुई है, जबकि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है। आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सतेन्द्र जैन, सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, अवध ओझा, राखी बिड़लान आदि चुनाव हार चुके हैं। भाजपा 8 से 48 पर पहुंची है तो आप 62 से 22 पर सिमट गई है। 70 सीटों की विधानसभा वाली दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 जादुई आंकड़ा है। बड़बौलेपन अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है। इस हार के बाद आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। कांग्रेस एक बार फिर से जीरो साबित हुई, लेकिन उसने आप के 14 सीटों पर हारने में अहम भूमिका निभाई। अब भाजपा की अग्निपरीक्षा होगी। नए मुख्यमंत्री के चुनाव से लेकर सभी चुनावी वादे पूरे करने होंगे। भाजपा ने बिना चेहरा चुनाव लड़ा है। प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा व मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे दिग्गज नेता सीएम की रेस में हैं। भाजपा के सामने वर्ष में दो मुफ्त सिलेंडर, केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार, आयुष्मान योजना, झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन में 5 रुपये में भोजन, 50 हजार सरकारी नौकरियां, 20 लाख स्वरोजगार, पंजीकृत श्रमिकों को 3 लाख लोन आदि संकल्पित वादे पूरे करने होंगे। पिछली आप सरकार की योजना मुफ्त बिजली, पानी व महिलाओं का बस में सफर को भी जारी रखने का वादा निभाना होगा। एलजी व सीएम के बीच का टकराव तो खत्म हो जाएगा, लेकिन भाजपा को काम करके दिखाना होगा। दिल्ली चुनाव का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

गढ़ भी छूटा और सेनापति भी नहीं रहा

दिल्ली चुनाव
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे जनाकांक्षा को भूलते गए।

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था।

केजरीवाल के लिए राह कठिन

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अण्णा के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को इतनी उम्मीदें थीं कि अण्णा का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरिया भरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण, वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने अरविंद केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए।

राजधानी में बढ़ता गया भ्रष्टाचार

मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गई। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए।

पंजाब में किए वादे नहीं निभाए

2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रुपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बिगाड़ा खेल

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

अहंकार और रणनीतिक चूक से 'आप' हारी !

दो टूक
सुशील देव
वरिष्ठ स्तंभकार

आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह हार केवल चुनावी गणित की वजह से नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं, जो पार्टी की कार्यशैली, नेतृत्व की गलतियां और जनविश्वास की कमी को उजागर करते हैं। संगठन के स्तर पर भी आम आदमी पार्टी में वास्तविक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा रही। आप की हार का एक बड़ा कारण उसका अहंकार और अति आत्मविश्वास रहा। जब कोई दल सत्ता में होता है, तो उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में जनता से जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में विफल रही। नाली, पानी, सड़क, सीवर एवं अन्य बुनियादी समस्याओं पर सही समय पर सही काम नहीं हुआ। इसके अलावा, संगठनात्मक रूप से पार्टी कमजोर पड़ गई। पुराने और अनुभवी साथियों की उपेक्षा तथा नए-नए लोगों को आगे बढ़ाने की नीति ने पार्टी की जड़ों को कमजोर किया। मतलब साफ है कि हार का एक और बड़ा कारण इसके कार्यकर्ताओं की अनदेखी रही। इससे पार्टी के जमीनी समर्थन में गिरावट आई। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले ऐसे रहे जो जनता को प्रभावित नहीं कर सके। दिल्ली सरकार की शराब नीति, मुख्यमंत्री का शीश महल और केंद्र सरकार को हर नाकामी के लिए दोष देने की प्रवृत्ति ने जनता में नकारात्मक संदेश दिया। इससे केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' छवि को गहरा धक्का लगा। हर बात पर केंद्र को कोसना, धीरे-धीरे जनता को काम न करने का बहाना लगने लगा। मुफ्त योजनाओं से आगे की सोच का अभाव दिखा। जैसे कि बिजली, पानी और बस यात्रा को मुफ्त करने जैसी योजनाएं शुरूआती दौर में आकर्षक थीं, लेकिन पार्टी इनसे आगे बढ़कर कोई ठोस विकास मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के आरोपों ने पार्टी की विश्वसनीयता को कमजोर किया। अन्ना आंदोलन से निकली इस पार्टी से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन समय के साथ यह उम्मीदें टूटती गईं। उनके विधायकों ने क्षेत्र के अंदर कोई कैडर तैयार नहीं किया। इस पार्टी ने बहुत जल्दी राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की, जो एक बड़ी रणनीतिक भूल साबित हुई। जबकि पार्टी को पहले कुछ राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए थी, लेकिन उसने सीधे केंद्र की राजनीति को लक्ष्य बनाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर लगातार हमले करने की रणनीति भी कारगर नहीं रही। चाहे अनुभवों की कमी हो, या सही मागदर्शन का अभाव आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे जो बड़ी किरकिरी साबित हुई। कई अवसरों पर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी को केजरीवाल के द्वारा यह चुनौती देना कि इस जन्म में वे दिल्ली नहीं जीत सकते। यह सब बचकाना और अनुभवहीनता से जनता खुश नहीं होती थी। अब पार्टी का भविष्य क्या होगा। समय का चक्र ही बताएगा। लेकिन यह सही है कि आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी हार का एक बड़ा कारण रहे। जहां तक दिल्ली में विपक्ष की भूमिका निभाने की बात है। आगे की राह भी आसान नहीं दिखती। जनता का खोया हुआ विश्वास वापस पाना पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संगठन और कमजोर हो सकता है। सच तो यह है कि केजरीवाल को अब सड़कों पर उतर कर फिर से आंदोलन करना पड़ सकता है। आम आदमी पार्टी को इस हार से सबक लेकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह आप की छवि को नकारात्मक रूप से प्रचारित किया, उसे सुधारने के लिए पार्टी को अपनी रणनीति बदलनी होगी। इस हार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीति में टिके रहने के लिए सिर्फ वादे और मुफ्त योजनाएं ही काफी नहीं होतीं। जनता को स्थायी समाधान, पारदर्शिता और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए। आप को अपनी नीतियों और रणनीति पर गहन पुनर्विचार करने की जरूरत है, ताकि वह भविष्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर सके।

सत्ता की धुरी बनतीं महिला मतदाता

विमर्श
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार व स्तंभकार

आम चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक आधी आबादी की सियासी लामबंदी स्पष्ट अब दिखने लगी है। राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणामों में भी महिला वोटर्स के झुकाव का असर स्पष्ट नजर आया। 1998 से लेकर 2025 तक लंबे अर्से से सत्ता के बाहर रही बीजेपी की वापसी के पीछे भी महिला मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी ने 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

ध्यातव्य है कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों पर जीत आवश्यक है। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा से लेकर घरेलू मोर्चे पर मुफ्त पानी-बिजली देने वाली आम आदमी पार्टी के जादू को तोड़ने वाली यह जीत बीजेपी ने भी महिलाओं से लिए बहुत सी योजनाओं का वादा करके हासिल की है। असल में महिला मतदाताओं में बनती बुनियादी मुद्दों से जुड़ी सरोकारी समझ के साथ ही बढ़ता मतदान प्रतिशत भी सत्ता का खेल बनाने-बिगाड़ने वाला साबित होने लगा है।

आधी आबादी की वोटिंग ज्यादा

इस बार राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीटों पर 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 94 लाख 51 हजार 997 लोगों ने वोट डाले। महिलाओं ने न केवल मतदान प्रक्रिया में काफी उत्साह दिखाया बल्कि कई विधानसभाओं में तो पुरुषों से अधिक मतदान किया। ज्ञात हो कि दिल्ली में कुल पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या 72,36,560 और पुरुष वोटर्स का आंकड़ा 83,76,173 है। आधी आबादी की वोटिंग का आंकड़ा 60.92 फीसदी रहा। वहीं 60.20 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया। 5 फरवरी को हुए मतदान में देश का पावर सेंटर कही जाने वाली राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभाओं को मिलाकर महिला-पुरुष वोटरों की तुलना में महिलाओं ने 0.72 प्रतिशत अधिक मतदान किया।

महिला वोटर्स को लुभाया

महिला वोटर्स की प्रभावी भागीदारी के चलते ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों की सहयोगी योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी को लुभाने की खूब कवायद की। आर्थिक सहायता देने से लेकर मुफ्त सुविधाएं देने तक, महिलाओं के लिए बहुत सी घोषणाएं की गईं थीं। महिला मतदाताओं को रिझाने के प्रयासों की सबसे पहली कोशिश 10 साल के दिल्ली की बागडोर सम्भाल रही आम आदमी पार्टी ने की थी।

घोषणाएं राजनीति का हिस्सा

पहले भी महिला वोटर्स को मुफ्त सुविधाएं देकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को इस बार 1000 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का निर्णय किया था। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में कांग्रेस ने भी आधी आबादी के लिए अपना पिटारा खोलने में कोताही नहीं की। ध्यातव्य है कि कभी दिल्ली की राजनीति में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कांग्रेस पार्टी

पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल सकी है। ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कांग्रेस ने भी सत्ता में आने पर प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। साथ ही महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की बात भी कही थी। निःसंदेह, दोनों ही दलों की ऐसी योजनाएं महिलाओं को प्रभावित करने की राजनीति का हिस्सा थीं। वहीं 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने में सफल रही भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि भी देने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की थी। साथ ही घोषणाओं में विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिये जाने की बात भी शामिल थी।

भाजपा पर जताया विश्वास

दिल्ली विधानसभा के परिणाम बताते हैं कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने वाली योजनाओं का सकारात्मक असर देख चुकी भारतीय जनता पार्टी के वादों पर फिर से महिला वोटर्स ने भरोसा किया है।

सजगता का प्रतीक

कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का बढ़ता मतदान प्रतिशत योजनाओं और मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं से परे उनकी सजगता का भी प्रतीक है। देश की आधी आबादी अब राष्ट्र के नव-निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के इस अधिकार के मायने समझने लगी हैं। गौरतलब है कि इस बार सत्ता गंवाने वाली आम आदमी को 2020 में मिली जीत के पीछे भी महिला मतदाताओं की अहम भूमिका थी। वर्ष 2020 के चुनाव में 31 विधानसभा क्षेत्रों और साल 2015 में 15 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था।

असल में अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने के चलते स्त्रियां अब गंभीर और सजग वोटर्स बन गई हैं। महिला वोटर्स की इस जागरुकता के चलते राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में भी दिलचस्पी दिखाती हैं। वहीं मतदान का अधिकार महिलाओं को हर भेदभाव से परे एक नागरिक के रूप में बराबरी का अहसास करवाता है। समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने हेतु सहज परिवेश पाने के लिए महिलाएं पूरे उत्साह से वोट देने निकलती हैं। नतीजतन, देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक मतदाता के रूप में स्त्रियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

वोटिंग को लेकर महिलाएं सजग

विचारणीय है कि परंपरागत सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले भारतीय समाज में स्त्रियाँ मतदान के मोर्चे स्वतंत्र राय भी रखने लगी हैं। 2014 के आम चुनावों के समय हुए 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी' के एक सर्वे के मुताबिक़ 70 फीसदी महिला मतदाता वोट डालने में अपने पतियों से राय लेने के बजाय स्वतंत्र निर्णय करती हैं। बीते एक दशक में तो यह आंकड़ा और बढ़ा ही है। स्त्रियां अपना मत देने को लेकर बेहद सजग हुई हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों में मतदान के प्रति कर्तव्य बोध का भाव भी खूब दिखता है। मतदान के अधिकार और कर्तव्य के मोर्चे पर महिला वोटर्स की बढ़ती भागीदारी व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक मोर्चे पर भी सकारात्मक बदलाव की बानगी है। चुनावी खेल बदलने वाली यह भागीदारी बहुत से पहलुओं पर आ रहे परिवर्तन को सामने रखती है।

घोटालों ने डुबाई 'आप' की नैया

विश्लेषण
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

आखिरकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन ही गई और 27 सालों का सूखा खत्म हुआ। राजधानी की जीत हर राज्य से बड़ी जीत मानी जा रही है चूंकि बीते दशकभर में बीजेपी केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हुई लेकिन यहां मोदी लहर के बावजूद भी केजरीवाल दिल्ली में सत्ता पर काबिज रहे। बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर कब्जा किया और आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा और कांग्रेस इस बार भी शून्य पर रही।

मोदी पर जताया विश्वास

माना यह भी जा रहा था कि यदि इस बार दिल्ली में बीजेपी की सरकार नहीं बनती तो बीजेपी के सम्मान को ठेस व छवि पर बड़ा डेन्ट पड़ जाता। लेकिन इस बार दिल्ली को बीजेपी के रूप में डबल इंजन की सरकार मिल गई और जनता ने मोदी के चेहरे पर विश्वास किया। जैसा कि बीजेपी अंत तक सीएम चेहरे की घोषणा नहीं करती तो दिल्ली को लेकर भी वही रणनीति अपनाई और कामयाब भी हुए। आम आदमी पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हुई कि चोटी के नेता भी अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

यदि सबसे पहले आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बात करें तो वह भी नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा से हार गए। वहीं पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा, वह जंगपुरा से लड़े थे। सतेन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज व दुर्गेश पाठक समेत कुछ अन्य बड़े चेहरे भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। हालांकि मौजूदा सीएम आतिशी ने अपनी सीट जीतकर थोड़ी सी साख बचा ली। लेकिन अब आम से लेकर खास तक के मन में एक ही प्रश्न है जिस पार्टी ने दो बार पूर्ण बहुमत से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी, आखिर उसका किला इतनी बुरी तरह क्यों ढह गया।

शराब घोटाले का लगा दाग

वैसे तो कई कारण रहे लेकिन कुछ मुख्य वजहों से आम आदमी पार्टी की स्थिति खराब होती चली गई। सबसे पहली व बड़ी वजह शराब नीति बनी जिसकी वजह से दिल्लीवासियों ने अपने आप को बहुत ठगा व कुंठित महसूस किया। शराब नीति के तरह दिल्ली के हर एक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले गए थे और वह उन जगहों में खोले गए जो कॉलोनी के बीचोंबीच थे। इस बात से जनता बहुत नाराज हुई थी। मामला यहां तक पहुंच गया था कि आप अपने दामन पर लगे शराब घोटाले के दाग को छुड़ा नहीं पाई। बीजेपी ने पिछले तीन साल में इस मुद्दे पर जमकर घेरा। हालात यह थी कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्य सभा सांसद संजय सिंह को जेल जाना पड़ा।

जल बोर्ड घोटाला भी बना मुद्दा

बीजेपी इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन करती रही और घेरती रही। बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को गर्म रखा और हर जगह इस घोटाले की चर्चा करते रहे। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड घोटाला ने भी आप को परेशान किया। इस मामले

में ठेकेदारों से पैसे वसूलने के लिए ठेकों को कम पैसे पर छोड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच अब तक ईडी कर रही है। अरविंद केजरीवाल इस मामले में भी आरोपी हैं।

इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना भी आम आदमी पार्टी को भारी पड़ा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ तो आप-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, जैसा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच ज्यादा समय नहीं था तो जनता बातों को भूल भी नहीं पाई।

आप विधायकों ने छोड़ा साथ

इससे जनता में अविश्वास बढ़ा। साथ ही बीजेपी के लिए सोने पर सुहागा इसलिए भी हो गया कि दिल्ली में जब चुनाव प्रचार चरम पर था तो आम आदमी पार्टी के सात विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

इससे पहले आप के कई कैबिनेट मंत्री भी पार्टी का साथ छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए थे। इनमें कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम मुख्य माने जा रहे थे।

बता दें कि ये दोनों नेता कभी 'आप' के मुख्य चेहरा हुआ करते थे। इस बात का भी असर आप के चुनाव परिणाम पर पड़ा।

स्वाति मालीवाल का पिटाई कांड

आम आदमी पार्टी लोगों में यह धारणा बना पाने में नाकाम रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक-ठाक है और वहां नेतृत्व का कोई संकट नहीं है लेकिन सच्चाई सबको पता चल गई। स्वाति मालीवाल के पिटाई कांड से भी पार्टी को बड़ी क्षति हुई और उस कांड के बाद स्वाति ने अपनी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और पार्टी की आंतरिक बातों को बाहर उजागर करना शुरू कर दिया। बीते लगभग 6 महीने से स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक मुहिम सी छेड़ दी जिससे पार्टी के कुछ अन्य नेताओं का भी विश्वास टूटा, साथ ही जनता में एक बड़ा नकारात्मक संदेश गया और पार्टी को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन वह अपना वोट फीसदी बढ़ा पाने में कामयाब रही है। कांग्रेस को 2020 के चुनाव में 4.26 फीसदी वोट मिले थे और इस बार लगभग 7 प्रतिशत वोट मिले।

कांग्रेस को जितना भी वोट प्रतिशत बढ़ा वो आम आदमी पार्टी का ही माना जा रहा है। इन तमाम बड़े मुद्दों को बीजेपी ने जमकर भुनाया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे ने कई 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे से कई राज्यों में बीजेपी को जीत में मदद मिली। दिल्ली में योगी के इस नारे का जादू चला और योगी ने कुल 14 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था जिसमें से 11 सीटों पर जीत मिली है।

भाजपा का आक्रामक प्रचार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बड़े चेहरों ने जमकर प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया।

इस बार भाजपा की ओर से बहुत पहले से ही माहौल बना हुआ था और जिस ऊर्जा के साथ लड़ रहे थे उससे यह तो तय हो गया था कि इस बार खेल बड़ा होगा। बीजेपी ने दिल्ली तो जीत ली लेकिन दिल्ली वालों का दिल जीतना अभी भी बाकी है। चूंकि पार्टी ने आम आदमी पार्टी के तर्ज पर जितनी बड़ी घोषणाएं की हैं उसको पूरा करना व निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि बीजेपी अब तक भी आप को फ्री की योजनाओं को लेकर घेरती रही। अब बीजेपी के लिए भी खेल गुणवत्ताओं पर चलेगा चूंकि दावों और वादों की झड़ी बहुत ज्यादा व बड़ी है।

खबर संक्षेप

दिल्ली चुनाव में जीत पर भाजपा ने मनाया जश्न

मंडीदीप। दिल्ली में विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा की जीत का जश्न मनाया जा रहा है। शनिवार को नगर में मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव के नेतृत्व में मंगल बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जमकर आतिशबाजी की एवं मिठाई बांटकर खुशी मनाई। इस मौके पर दिल्ली में भाजपा की जीत पर पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष अरविन्द जैन, जिला उपाध्यक्ष जीवनसिंह पाल, पूर्व नपा अध्यक्ष पूर्णीमा जैन, राजीव जैन, जिला मंत्री प्रेमशंकर साहू, पूजा मिश्रा, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुनील पाल, अरविन्द चौहान आदि मौजूद रहे।

आधे गांव में छाया अंधेरा ग्रामीण हो रहे परेशान

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत टिगरिया के ग्राम भियांपुर आमछा कलां आमछा खुर्द में बिजली व्यवस्था की जा रही है। कुछ गलियों में लाइट लगाई गई है तो कुछ गली में नहीं लगाई है। ठेकेदार से जनप्रतिनिधि ने कुछ स्टेट लाइट अपने घर में रख ली है। समर्थकों को लाइट घर-घर जाकर दी जा रही है, जिससे अभी भी आधा गांव रात्रि के समय अंधेरे में डूबा हुआ है। इस संबंध में जनप्रतिनिधि का कहना है कि मैं समर्थकों को घर-घर जाकर लाइट दूंगा। ग्रामीणों का कहना है कि आधे गांव में अपने स्टेट लाइट लगा दी और आधे गांव में स्टेट लाइट नहीं लगाई गई है अगर लाइट लगाना हो तो पूरे गांव में बिजली के खंभों पर लाइट लगाई जाए।

विद्यारंभ कार्यक्रम में बच्चों ने थामी लेखनी

औबेदुल्लागंज। ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यारंभ कार्यक्रम किया गया। इसमें धाकड़ समाज के अध्यक्ष रजनीश नागर, वरिष्ठ समाजसेवक माखन सिंह परमार, प्रबुद्ध व्यवसायी अंकुर कोठारी, पूर्व पार्षद एवं पूर्व अध्यक्ष महिला मोर्चा प्रीति नागर और सेवानिवृत्त फौजी राजकुमार जाट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके बाद विद्यार्थियों ने नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें विद्यालय की आधुनिक शिक्षा पद्धति का सजीव चित्रण किया गया। नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए विद्यारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उन्होंने पहली बार लेखनी थामकर शिक्षा की दुनिया में कदम रखा।

शादी का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण

भोपाल। बागसेवनिया इलाके में शादी का झांसा देकर 2 वर्ष तक युवती के शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी फरार है। पुलिस ने मुताबिक 28 वर्षीय युवती बागसेवनिया थाना क्षेत्र में रहती है। पूर्व में वह अयोध्या नगर इलाके की की कॉलोनी में रहती थी। उसके पिता किराने की दुकान चलाते थे। इसी दौरान सामान की खरीदारी के लिए सचिन सिंह सिंगरोल से उसकी पहचान हो गई और मामला प्रेम-प्रसंग में बदल गया। वर्ष 2022 में जल्द शादी करने का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। इसके बाद वह दो साल तक युवती का शारीरिक शोषण करता रहा। युवती जब भी शादी करने की बात कहती तो वह बहाना बनाकर टालमटोल कर रहा था।

शुभांक

कल्याण:	2716		
दिन:	348	51	678
रात:	---	--	---
तारा:			
दिन:	124	71	678
रात:	110	26	600

उमरिया में तेंदुए की दहशत, गाय को बनाया शिकार

पशु चराने वालों को सुबह नाले के पास पानी पीते हुए दिखाई दिया वन्य प्राणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर परिषद उमरिया वार्ड 7 में तेंदुए का मूवमेंट है। टाइगर रिजर्व भीमबेटका से लगे उमरिया गांव में तेंदुए ने एक गाय को अपना शिकार बनाया।

पशु चराने वालों ने शनिवार सुबह लगभग 6 से 7 बजे तेंदुए को उमरिया नदी में पानी पीते हुए देखने का दावा किया है। इसके कारण ग्रामीणों में तेंदुए को लेकर दहशत का माहौल बन गया है। बच्चे और महिलाएं अकेले बाहर निकलने में डर रहे हैं।

तेंदुए के मूवमेंट की वन विभाग को दी सूचना, अकेले बाहर निकलने में डर रहे बच्चे और महिलाएं

वन विभाग टीम को सर्चिंग में मिले तेंदुए के पग-चिह्न

शनिवार सुबह 11 बजे फॉरेस्ट की टीम पहुंची। अमले को सर्चिंग में तेंदुए के पग चिन्ह मिले हैं। उल्लेखनीय है कि दो महीने में इस क्षेत्र में तेंदुआ और बाघ कई बार दिख चुके हैं।

गांव के पास नाले में पानी पीने आते हैं बाघ और तेंदुआ

रातापानी टाइगर रिजर्व के रेंजर विकास सूर्या ने बताया कि उमरिया के आसपास तेंदुए का मूवमेंट है। गांव के पास नाला है। नाले में बाघ, तेंदुए पानी पीने आते हैं। शनिवार की सुबह एक गाय पर हमला किया गया है। वन विभाग इसकी जांच कर मुआवजा देने का प्रस्ताव भेजेगा।

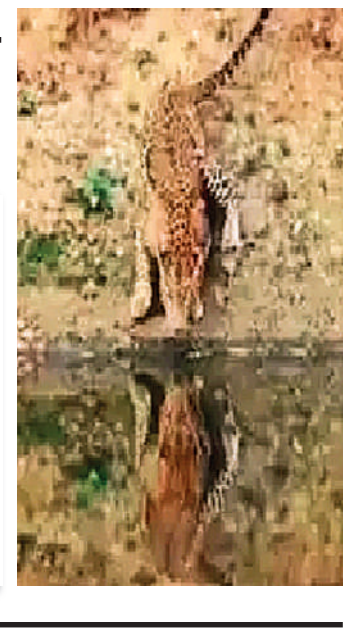

शाहजहांनाबाद में क्राइम ब्रांच ने मारा छापा

क्रिकेट पर लग रहे थे हजारों-लाखों के दांव, दबिश देकर दबोचे सटोरिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्राइम ब्रांच की टीम शहर में अवैध सट्टा-जुआ के खिलाफ जगह-जगह कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपने घर सिंधी गोलघर पुरानी अदालत के पास शाहजहांनाबाद में क्रिकेट मैच पर सट्टा खिलाया जा रहा है। सूचना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम संजय राय, उम्र 36 साल, निवासी शाहजहांनाबाद बताया। क्राइम ब्रांच की टीम को आरोपी के पास से चार मोबाइल फोन और एक रजिस्टर, पैन और 1500 रुपए मिले। आरोपी के खिलाफ सट्टा एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

चार मोबाइल फोन एवं 1500 रुपए जब्त

महिला तस्कर से 6 किलो गांजा बरामद

क्राइम ब्रांच पुलिस ने महिला तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से छह किलो से अधिक गांजा बरामद किया है। गांजे की कीमत करीब सवा लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर शांति नगर बरखेड़ा पठानी गोविन्दपुरा निवासी 31 वर्षीय किरण कुशवाह पति विमल कुशवाह को एमपी नगर इलाके में यस बैंक के समीप से गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से छह किलो 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। इसे वह पान मसाला के थैले में रखे हुए थी। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी महिला से मादक तस्करी की वारदात के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कारोबार के सिलसिले में राजस्थान से जा रहे थे छत्तीसगढ़

ट्रक-कार की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत

औबेदुल्लागंज-नर्मदापुरम मार्ग पर केरी चौका घाट पर हुआ हादसा

- बेकाबू तेज रफ्तार ट्रक ने कार को अपनी चपेट में लिया
- नागौद से आज औबेदुल्लागंज आएंगे परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज-नर्मदापुरम मार्ग पर ट्रक और कार की भीषण टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों युवक कार में सवार थे। हादसे में दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। तीसरे युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीनों युवक राजस्थान के नागौद के रहने वाले थे, जो छत्तीसगढ़ जा रहे थे। दुर्घटना शनिवार दोपहर लगभग सवा दो बजे केरी चौका घाट पर हुई।

पुलिस के अनुसार नर्मदापुरम की ओर से आ रहे शक्कर से भरे ट्रक कार की टक्कर हो गई। हादसे का कारण ट्रक की तेज और अनियंत्रित रफ्तार बताया जा रहा है। आरोपी ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। दो युवकों का शव औबेदुल्लागंज में रखवाया गया है। तीनों युवकों की उम्र 25 से 30 साल के करीब है।

औबेदुल्लागंज पुलिस ने राजस्थान पुलिस को दी सूचना

बताया जा रहा है कि तीनों कोटा मार्बल के व्यावसायिक काम से छत्तीसगढ़ जा रहे थे। युवकों के नाम देवीराम, डालचंद और मुकेश बताए जा रहे हैं। राजस्थान से परिजनों के आने के बाद ही तीनों की सटीक पहचान हो पाएगी। औबेदुल्लागंज पुलिस ने राजस्थान पुलिस को सूचना दे दी है। साथ ही भोपाल निवासी रिश्तेदार भी पहुंच चुके हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

डंपर ने कैब को मारी टक्कर, हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत, चार घायल

भोपाल में बाणगंगा चौराहे पर हुई दुर्घटना

भोपाल। टीटी नगर इलाके में शुक्रवार रात करीब दो बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने कैब को टक्कर मार दी, जिससे बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं उसकी बेटी, दो नातिन के अलावा कैब चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

पुलिस के मुताबिक श्यामला हिल्स निवासी 65 वर्षीय जन्नतुलनिसा पति इब्राहिम अपनी बेटी और दो नातिनों के साथ पारिवारिक समारोह में शामिल होने करोंद गई थीं। रात करीब दो बजे वे चारों एक कैब से घर लौट रही थी, तभी बाणगंगा चौराहे पर पीतल वाले मंदिर के समीप पलाश होटल के टर्निंग प्वाइंट पर सामने से आ रहे रेत के डंपर ने उनकी कैब को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कैब बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें सवार सभी लोग कैब में ही फंस गए। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान महिला जन्नतुलनिसा की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी आफरीन, नातिन मनतशां और कहकशां घायल हो गई।

हादसे में कैब चालक भी घायल

हादसे में कैब ड्राइवर भी घायल है, जिसका उपचार जारी है। पुलिस ने जन्नतुलनिसा के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं डंपर चालक पर मामला दर्ज कर लिया है।

जालसाजों को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फर्जी शेयर ट्रेडिंग मामला: एक खाते पर मिलता था 50 हजार रुपए का कमीशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शेयर बाजार में पैसे लगाने पर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों के साथ ठगी करने वाले गिरोह के दो अन्य सदस्यों को क्राइम ब्रांच पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अब तक इस गिरोह के 4 सदस्य क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आ चुके हैं। पकड़े गए आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। आरोपी फर्जी खाता खुलवाकर उनको साइबर जालसाजों को महंगे दामों पर बेच देते थे।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली नागपुर में है ठिकाना

पकड़े गए आरोपियों की पहचान गढ़चिरौली महाराष्ट्र निवासी 33 वर्षीय तामस गणेश शेडमाके पिता गणेश शेडमाके और उसके साथी न्यू नंदनवन नागपुर महाराष्ट्र निवासी 36 वर्षीय पिन्टू सुरेश सिंह बैस पिता सुरेश सिंह बैंस के तौर पर हुई है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

2 मोबाइल फोन, 4 सिम कार्ड और एटीएम कार्ड

आरोपियों के पास से पुलिस ने दो मोबाइल, चार सिम कार्ड और खातों से संबधित अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। इन्हें हर खाता पर बतौर पचास हजार रुपए का कमीशन मिलता है। इनके दो साथियों रानीपुरा इंदौर निवासी 28 वर्षीय नाजिम अंसारी पिता मो. नौसाद और आशीष विहार थाना खजराना निवासी 28 वर्षीय सैफ अली पिता मो. नियाज को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। दरअसल इस गिरोह के सदस्य लोगों को फर्जी शेयर ट्रेडिंग एसीवीवीएल ऑनलाइन नामक एप्लीकेशन भेजकर उसे डाउनलोड करने को कहते थे। इसे डाउनलोड करने पर वे उसकी यूजर आईडी और पासवर्ड बनवाकर उसे शेयर मार्केट में पैसा लगाकर अधिक मुनाफा का लालच देते और फिर राशि ठग लेते थे।

दिल्ली वालों ने सभी का दिल जीत लिया: मनीष

भाजपा की जीत पर संतनगर में जश्न, कार्यकर्ता हुए खुश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भाजपा संत नगर मंडल ने दिल्ली की ऐतिहासिक जीत को लेकर आतिशबाज़ी कर मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राम बंसल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास और गरीब कल्याण की नीतियों पर मुहर लगाई है।

मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी ने बताया कि दिल्ली के दिल वालो ने दिल जीत लिया दिल्ली मे अब विकास के पथ पर डबल इंजन की सरकार चलेगी।

विस चुनाव में भाजपा की जीत पर पटाखे फोड़े, बांटी मिठाई

औबेदुल्लागंज। दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भोजपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। पटाखे फोड़े एवं मिठाई बांटी। औबेदुल्लागंज भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र नागर ने दिल्ली की जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार के कार्यों की जीत बताया। भोजपुर मीडिया प्रभारी पंकज कोठारी, जीतू नंदवंशी, अशोक यादव, नरेंद्र शर्मा, माधव यादव, गजेंद्र नागर, प्रकाश पटेल, वागीश अग्रवाल, दीपू परमार, नरेश शेट्टी, हरगोविंद वर्मा रामकिशोर चौहान, कोमल सिंह चौहान, सुलेखा चौहान, देवेंद्र यादव आदि ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि यह भाजपा संगठन की जीत है।

एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज ने कलेक्टर से शिकायत की

ढाबों पर बिक रही अवैध शराब उद्योगपति और जनता परेशान

आबकारी पुलिस से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

नगर में अवैध शराब बिक्री का मुद्दा गंभीर हो गया है। ढाबों पर खुलेआम शराब के काउंटर खोल दिए गए हैं। स्थानीय पुलिस की मिलीभगत से यह धंधा फल-फूल रहा है। इससे आम जनता और उद्योगपति दोनों परेशान हैं। एसोसिएशन ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कलेक्टर से अवैध शराब बिक्री पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

उद्योगपति मनोज मोदी ने आबकारी विभाग और पुलिस की अनदेखी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अवैध धंधों पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है। एसपी पंकज कुमार पांडे ने कहा कि अवैध शराब के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर रही है और संलिप्त पुलिसकर्मियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

चार धुरंधरों की एकता से व्यापार महासंघ होगा मजबूत, नगर विकसित

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज व्यापार महासंघ में चार धुअंधर अगर संगठन को समय दें और नगर की समस्याओं पर आवाज तेज करें तो व्यापार संघ भी मजबूत होगा और नगर का विकास भी होगा। व्यापार संघ उपाध्यक्ष विवेक मित्तल और रवि कमल, सुदामा तिवारी, श्याम मालवीय, अशोक जैसवाल कहते हैं कि व्यापार संघ की चौकड़ी में कैलाश डब्बू नागर, नीरज चावला, आशीष दीक्षित और प्रभारी विक्रम दांडी का मन और इरादे एक हो जाए तो औबेदुल्लागंज व्यापार संघ चमक उठेगा। वर्तमान में चौकड़ी दो-दो हिस्सों में है, जबकि व्यापार महासंघ के अध्यक्ष जगदीश चंदानी और सचिव प्रदीप अरोरा दोनों गंभीर और नगर के लिए समर्पित है।

पत्नी के निधन की खबर सुनकर बेहोश हुए तो फिर नहीं उठे

हमेशा अमर रहेगा एक-दूजे का प्यार

पत्नी की मौत से सदमे में आए पति ने 14 घंटे बाद तोड़ दिया दम, दोनों की एक साथ निकली अर्थियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

उपनगर संतनगर में एक महिला की आकस्मिक मृत्यु के करीब 14 घंटे बाद पति ने भी दम तोड़ दिया। शनिवार को दोनों की एक साथ अर्थी निकली। उनका यथाशक्ति शमशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

बीमार थी पत्नी

पति-पत्नी में अटूट प्रेम था। जिसमें कहा जा रहा है कि पत्नी की मौत के बाद पति भी उसकी आगोश में चला गया। बैरागढ़ शहर के गिदवानी पार्क के पास निवासी हीरालाल कल्याणी रहते थे। 2 दिन पहले अचानक उनकी पत्नी नीलम कल्याणी की तबियत खराब हुई तो उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पत्नी की तबियत ख़राब देख कर पति हीरालाल कल्याणी की तबीयत भी ख़राब हो गई और वह ज़मीन पर नीचे गिर गए। उसके बाद उनको भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

हॉस्पिटल में कंपाउंडर पद से सेवानिवृत्त थे 84 वर्षीय हीरालाल कल्याणी नीलम कल्याणी की सेहत खराब पर निजी अस्पताल में कराया था भर्ती

शुक्रवार रात 8 बजे पत्नी नीलम की मृत्यु हुई, हीरालाल का शनिवार सुबह दस बजे हुआ निधन

लोगों के छलक पड़े आंसू

इलाज के दौरान शुक्रवार रात 8 बज पत्नी नीलम कल्याणी की मृत्यु हो गई। ये सदमा शायद हीरालाल कल्याणी बर्दाश्त नहीं कर पाए और उनकी शनिवार सुबह दस बजे मृत्यु हो गई। दोनों पति-पत्नी का अंतिम संस्कार शनिवार को यथाशक्ति श्मशान घाट में एक साथ किया गया। इस दुखद घटना से शहर में शोक की लहर व्याप्त है। बताया जाता है कि पत्नी-पत्नी में अटूट प्रेम था और 84 वर्षीय हीरालाल कल्याणी लेडीज हॉस्पिटल में कंपाउंडर पद से रिटायर्ड हुए थे। जबकि पत्नी 81 वर्षीय नीलम कल्याणी गृहिणी। इस दुखद घटना से शहर में शोक की लहर व्याप्त है। दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान दोनों का एक दूसरे के प्रति अटूट प्रेम देखकर लोगों की आंखों से आंसू छलक पड़े।

स्व. नारायण प्रसाद गुप्ता की पुण्यतिथि पर आयोजन

रेडक्रॉस में शिविर लगाकर युवाओं ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

महासम्मेलन युवा इकाई ने रेडक्रॉस हॉस्पिटल भोपाल में पूर्व सांसद एवं वैश्य महासम्मेलन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. नारायण प्रसाद गुप्ता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर लगाया।

युवा इकाई जिलाध्यक्ष तरुण गुप्ता के नेतृत्व में लगाए गए शिविर में रक्तदान की जानकारी डॉक्टरों ने दी। वैश्य महासम्मेलन के मीडिया प्रभारी अंकित जैन ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं संगठन के मुख्य संरक्षक उमाशंकर गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश गुप्ता, जिला प्रभारी वरुण गुप्ता, मीडिया प्रभारी योगेश गुप्ता, कार्यक्रम प्रभारी मोहित गुप्ता, संभाग प्रभारी डॉ. अमित गुप्ता, महामंत्री रोहित गुप्ता, अमन अग्रवाल, जतिन जैन, मोहित गुप्ता सहित पदाधिकारी और लोगों ने रक्तदान किया।

भारत भवन में भारत रंग महोत्सव में जर्मन नाटक ब्रेचलैंड-फेलो लैंड का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत भवन में आयोजित 25वें भारत रंग महोत्सव के तहत शनिवार को जर्मन नाटक ब्रेचलैंड-फेलो लैंड का मंचन हुआ। जूलिया स्ट्रेलर द्वारा लिखित और परिकल्पित नाटक की प्रस्तुति वेन आर्टे स्प्रेचेन जर्मनी के कलाकारों ने दी। मूलतः जर्मन भाषा में खेला गया नाटक एक गौशाला और उसके निवासियों की कहानी को अभिनय के माध्यम से मंच पर प्रस्तुत करता है।

मंच पर अभिनय करते जर्मन कलाकार। इनसेटः नाट्य गृह के मुख्य द्वार पर लगा हाउसफुल का बोर्ड।

नाटक की कहानी

पूंजीवादी सामाजिक व्यवस्था में उत्पन्न हुआ संक्रमण

नाटक में दिखाया गया कि ब्रैचलैंड एक युवा महिला और उसके पिता की जीवनी, उनकी व्यक्तिगत कहानी है। उसे एक बच्चे के रूप में हृदय के एक जटिल ऑपरेशन से गुजरना पड़ता है और उसे खुद को 700 गायों वाली गौशाला के प्रबंधक के रूप में साबित करना होता है। इसी बीच समाज में राजनीतिक परिवर्तन आता है, जहां पिता के करियर और आजीविका सहित कई चीजें ढह जाती हैं। मरीना, युवा महिला, रंगमंच में अभिनय के अपने सपने को साकार करती है और शहरी संस्कृति की अतिशय, अपरिमित दुनिया का अनुभव करती है।

इस तरह प्रभावी बनी प्रस्तुति

नाटक में कलाकारों ने कई विशेष प्रयोग किए। नाटक को विशेष प्रभावी बनाने के लिए निर्देशक ने आधुनिक तकनीक का जबरदस्त प्रयोग किया। वहीं मंच पर निर्देशक ने एक गौशाला को निर्मित कर सजीवता प्रदान करने की कोशिश की। वहीं कलाकारों के लिए विशेष माइक का उपयोग किया गया। प्रभावी अभिनय, प्रयोगात्मक संगीत और प्रकाश परिकल्पना ने अंतरंग सभागार में बैठे दर्शकों को खास प्रभावित किया। प्रस्तुति में कहीं से कहीं तक भाषा का बैरियर देखने को नहीं मिला। नाटक शुरू होने के 15 मिनट बाद ही पूरा सभागार भर गया और सभागार के बाहर हाउसफुल बोर्ड लगाया गया।

नाटक 'सर्दियों का फिर वही मौसम' हुआ मंचित

मिलने और मिलाने की दास्तान कहता नाटक

भोपाल। कॉलेज के समय के बिछड़े साथी जब बहुत समय बाद एक प्लेटफार्म पर मिलते हैं तो उनके कॉलेज के दिनों की यादें ताजा हो जाती हैं लेकिन तब और अब के समय में काफी अंतर आ चुका है। दोनों जीवन की डगर पर अकेले चले जा रहे हैं। ऐसे ही कुछ रोचक लम्हे समेटे वरिष्ठ रंगकर्मी आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में तैयार नाटक 'सर्दियों के फिर वही मौसम' का मंचन शनिवार को चेतना रंगसमूह द्वारा ओरिएण्टल कॉलेज ऑडिटोरियम में किया गया।

नाटक की कहानी

एक सर्द शाम में दिल्ली रेलवे स्टेशन के आउटर प्लेटफॉर्म पर 55 वर्षीय अभिनव की मुलाकात उसके साथ कॉलेज में पढ़ने वाली लड़की पूजा कपूर से हो जाती है। अभिनव पूजा को देखते ही पहचान जाता है लेकिन पूजा उसे नहीं पहचान पाती, अभिनव लगातार पूजा से बात करने की कोशिश करता है लेकिन पूजा उससे बात नहीं करती। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू होती है। बातचीत में पता चलता है कि दोनों के जीवन साथी अब इस दुनिया में नहीं हैं।

अपने प्रिय को चॉकलेट देकर घोलें रिश्तों में मिठास

भोपाल। जब प्यार की बात की जाती है तो उसमें मिठास घोलने के लिए चॉकलेट का होना भी जरूरी है। वैलेंटाइन वीक के तीसरे दिन चॉकलेट डे मनाया जाता है। हर साल 9 फरवरी को मनाए जाने वाले चॉकलेट डे पर प्रियजनों, दोस्तों या क्रश को चॉकलेट देकर अपने प्यार और स्नेह का इजहार करते हैं। हालांकि ये दिन सिर्फ तोहफा देने के लिए नहीं है, बल्कि रिश्तों में मिठास घोलने और प्यार जताने का भी मौका है। क्योंकि चॉकलेट को प्यार और खुशी का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसे वैलेंटाइन वीक में खास जगह दी गई है। इस दिन को खास बनाने शहर की महिलाओं ने गेट टूगेदर किया और एक दूसरे को चॉकलेट डे की बधाई दी।

भारतीय विविधता को एकता में पिरोता नजर आया बीएसएसएस का ट्रेडीशनल डे सेलिब्रेशन

'मालवा के ठुमके' नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को आनंद विभोर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पूर्वी क्षेत्र को प्रदर्शित करता 'पूर्वांचल तरंग' तो वहीं साउथ की शास्त्रीय परंपरा पर आधारित नृत्य 'द्रविड़ ताल', इसकी के साथ रंगीला झंकार ने भारत के पश्चिमी क्षेत्र को उजागर किया तो 'उत्तरांचल रंगृति' में भावपूर्ण लोक लय भारत के उत्तरी क्षेत्र नजर आया, वहीं देश के मध्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व 'मालवा के ठुमके' नृत्य प्रस्तुति में दर्शाकर दर्शकों को आनंद से सराबोर कर दिया। देश की अनेकता को एकता में पिरोकर 'परंपराओं को पुनर्जीवित करना और दिलों को जोड़ना' थीम पर आधारित ट्रेडीशनल डे सेलिब्रेट किया गया बीएसएसएस कॉलेज में।

पूर्वी क्षेत्र को प्रदर्शित करता 'पूर्वांचल तरंग' वहीं साउथ की परंपरा पर आधारित नृत्य 'द्रविड़ ताल'

पश्चिमी क्षेत्र को उजागर किया तो 'उत्तरांचल रंगृति' में भावपूर्ण लोक लय भारत के उत्तरी क्षेत्र नजर आया

कंतारा अटायर, मणिपुरी इन्नाफी की ड्रेसेस रही खास

ट्रेडिशनल डे में सांस्कृतिक खंड में भारत के पांच क्षेत्रों पर आधारित शास्त्रीय और लोक नृत्यों के विभिन्न रूपों की प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं तो वहीं 100 से भी अधिक छात्रों ने रैंप वॉक में अलग अलग राज्यों की संस्कृति को दर्शाया। इस फैशन शो में किसी ने पंजाबी ड्रेसअप में रैंप वॉक की तो किसी ने मणिपुरी इन्नाफी, फानेक में, तो वहीं बाजीराव-मस्तानी, छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे कैरेक्टर भी मंच पर प्रस्तुत किए। इसी क्रम में छात्रों ने होलिया में उड़े रे गुलाल..., रंगीला रे...सहित महाराष्ट्र के पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दी।

इनकी रही उपस्थिति

शनिवार को आयोजित इस ट्रेडीशनल डे सेलिब्रेशन में सेलिब्रिटी अतिथि के रुप में शामिल हुईं डिंपल पटेल-मिस इंडिया, मिस ग्लोब 2016 साथ ही विराज बब्बर-मिस्टर इंडिया 2024 प्रथम रनर अप इस अवसर पर मौजूद थे। खासतौर से मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए हरिओम जटिया, प्रबंध निदेशक एक्सीलेंस टाइम एंटरटेनमेंट।

चार राउंड में आयोजित इस फैशन शो में यह रहे विजेता

मिस्टर ट्रेडिशनल	सूजल बाल
मिस ट्रेडिशनल	जजा अली
मिस्टर ट्रेडिशनल रनर अप	मरियम गुलरेज
मिस ट्रेडिशनल रनर अप	शोएब कुजूर

बाग प्रिंट की कतरनों से तैयार ड्रेस में किया मिस ग्लोब डिंपल ने रैंप वॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरिभूमि चर्चा

मिस ग्लोब 2016 डिंपल पटेल की ड्रेस डिजाइन की मशहूर फैशन डिजाइनर मुमताज खान ने हरिभूमि चर्चा

बीएसएस में आयोजित ट्रेडिशनल डे में सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में आईं मिस ग्लोब 2016 डिंपल पटेल ने हरिभूमि से बातचीत में कहा कि आज मैं हमेशा से ही देश के आर्टिजंस को प्रमोट करना चाहती हूं, क्योंकि आज जो मैंने जो ड्रेस पहनी है वह फैशन डिजाइनर मुमताज खान ने डिजाइन की है, जो बाघ प्रिंट की कतरनों से तैयार है।

मैं देश की पहली मिस ग्लोब बनने वाली लड़की हूं

डिंपल कहती है कि लगातार दो बार असफल होने के बाद मैंने हार नहीं मानी और फिर बड़ी मुश्किल से यह खिताब जीत पाई और मेरे और देश के लिए गर्व की बात है कि मैं देश की पहली मिस ग्लोब बनने वाली लड़की हूं।

देश के हेरिटेज, देश के आर्टिजंस को करना चाहती हूं प्रमोट

उनका कहना है कि लोगों की सोच रहती है कि ब्यूटी पीजेंट जीतने के बाद आप फिल्मों में जाएंगी या वेब सीरीज में नजर आएंगी। लेकिन मेरी सोच इससे अलग है क्योंकि मैं इस ब्यूटी के माध्यम से अपने देश के हेरिटेज को और देश के आर्टिजंस को प्रमोट करना चाहती हूं और ज्यादातर मेरे फैशन शो इन्हीं आर्टिकल के बनाई हुई ड्रेस को रिप्रेजेंट करते हुए होते हैं।

सायबर सुरक्षा पर जागरुकता सत्र संपन्न

आरएनटीयू के छात्रों ने नाटक के माध्यम से किया जागरुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रायसेन पुलिस और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय सायबर सुरक्षा पर जागरूकता सत्र के अंतिम दिन रायसेन पुलिस के सहयोग से 'सुरक्षित क्लिक हैकाथन' का आयोजन किया गया। इस हैकाथन में 250 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें भोपाल सहित अन्य शहरों के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्र शामिल थे। जिनमें 45 टीमों का चयन आइडियाथन और 17 टीमों का चयन हैकाथन के लिए हुआ। इस अवसर पर आरएनटीयू के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को जागरूक भी किया।

ऐसी कविताएं लिखें, जिन्हें श्रोता रचनाओं को हाथों हाथ उठा लें

भोपाल। प्रसिद्ध गीतकार ऋषि श्रृंगारी की अध्यक्षता, डॉ. मोहन तिवारी आनंद के मुख्य आतिथ्य, गोकुल सोनी के सारस्वत आतिथ्य और सुरेश पटवा के विशिष्ट आतिथ्य में कैलाश मेश्राम की काव्य कृति मन की कूक का लोकार्पण दुष्यंत संग्रहालय में हुआ।

■ कैलाश मेश्राम की काव्य कृति लोकार्पित

कृति का भाव और भावना काव्यमय है

ऋषि श्रृंगारी ने कहा कि कैलाश मेश्राम की रचनाओं में संवेदना प्रस्फुटित होती है। कृति का भाव और भावना काव्यमय है। उनका कंठ भी गीत के अनुकूल है। उन्हें छंद का ध्यान रखना चाहिए। वहीं मोहन तिवारी आनंद ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि कविताएं सुनी नहीं जातीं, लेकिन कवि ऐसी कविताएं लिखें जिन्हें श्रोता रचनाओं को हाथों हाथ उठा लें।

नई दिल्ली पुस्तक मेले में मप्र की पुस्तकें आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 9 फरवरी तक चल रहे नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले-2025 में मप्र की पुस्तकें खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। मेले में हॉल नंबर 2 के आर-59 में शासन के पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग का संयुक्त स्टॉल तथा पी-06 में मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी का स्टॉल लगाया गया है।

पर्यटन और संस्कृति विभाग के स्टाल में भोपाल और उज्जैन के प्रतिष्ठित प्रकाशकों जैसे स्वराज संस्थान, धर्मपाल शोधपीठ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, वीर भारत न्यास, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास तथा हिन्दी साहित्य अकादमी की पुस्तकें विक्रय के लिए उपलब्ध हैं। इन पुस्तकों के माध्यम से राज्य के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, कला-संस्कृति, पर्यटन, ऐतिहासिक धरोहर और पुरातत्व जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया है। राज्य के प्रसिद्ध साहित्यकारों की रचनाएं भी यहां उपलब्ध हैं। गांधी दर्शन, अद्वैत वेदांत दर्शन, लोकगीत तथा देवी-स्तुति गीत, भित्ति चित्र, लोक तथा जनजातीय कला जैसे विषयों पर आधारित दुर्लभ पुस्तकों को पाठक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्यटक और प्रकृति प्रेमी पर्यटन विभाग के प्रकाशन - मध्यप्रदेश गाइड मैप, 'वाइल्ड एमपी', 'उज्जैनः द लिविंग लेजेंड', 'बुंदेलखंडः द हार्ट बीट ऑफ एमपी', 'सतपुड़ा' और 'बड्र्स ऑफ भोपाल' किताबों में विशेष रूचि ले रहे हैं। मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के स्टॉल में राज्य के नाट्य संग्रह, काव्य शास्त्र, विज्ञान, समाजशास्त्र, व्याकरण, बुन्देली साहित्य, भारतीय कला और दर्शन, इत्यादि की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

रंग अविराम के अंतर्गत नाटक 'बाबूजी' का मंचन

किरदार लल्लन के बचपन के सपने को पूरा करने में रोड़ा बनता समाज....

भोपाल। नौटंकी को सदियों से ही शर्मनाक एवं तुच्छ काम समझा जाता रहा है, समाज की ऐसी मानसिकता उन लोगों के लिए ओर भी कठोर बन जाती है जो स्वयं की नौटंकी कम्पनी खोलना चाहते हैं। नौटंकी के प्रति ऐसी सोच पर कुठाराघात करता नाटक 'बाबूजी' का मंचन शनिवार को शहीद भवन में किया गया। रंग अविराम नाट्य महोत्सव के 5वें संस्करण में मंचित इस नाटक में निर्देशन वसीम अली का रहा और लेखन विभांशु वैभव का।

नाटक की कहानी

बाबू जी, नाट्य कला, नृत्य, गायन एवं नौटंकी में रुचि रखने वाले लल्लन सिंह की कहानी है, जो एक सीधा साधा एवं उसूलों का पक्का आदमी है। लल्लन सिंह शादी भी एक ऐसी औरत से करते है जिस पर लांछन लगा है। स्वयं की नौटंकी कंपनी खोलने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने के क्रम में लल्लन सिंह के जीवन में परेशानियां आती है। क्योंकि नौटंकी को सदियों से ही शर्मनाक एवं तुच्छ काम समझा जाता रहा है, लल्लन सिंह उस मानसिकता को तोड़ने का भरपूर प्रयास करते है एवं नौटंकी की कला को अपना पूरा जीवन दे देते है।

कला और शिल्प का अद्भुत संगम - आर्टिसन अवेयरनेस वीक का रंगारंग समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निफ्ट कॉलेज में बीते चार दिनों से चल रहे आर्टिसन अवेयरनेस वीक के समापन समारोह में एक भव्य कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के 70 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिसमें कक्षा 5-8 आयु वर्ग में, यश मालवीय ने प्रथम पुरस्कार, वैष्णवी राय ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। क्राफ्ट बाज़ार में उत्कृष्ट हस्तशिल्प और

कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। जिसमें कारीगरों और छात्रों की रचनात्मकता को प्रदर्शित किया, जिसने विभिन्न पृष्ठभूमि के आगंतुकों और कला प्रेमियों को आकर्षित किया।

यंग थिंकर्स फोरम का कुंभ केंद्रित व्याख्यान का आयोजन

मुगलकाल में कुंभ पर लगाया था टैक्स और अंग्रेजों ने प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय काल-गणना के अनुसार विभिन्न अवधियों पर चार प्रकार के कुंभ होते हैं - कुंभ, अर्ध कुंभ, पूर्ण कुंभ और महाकुंभ। मुगलकाल में कुंभ पर टैक्स लिया जाता था और अंग्रेजों ने 1958 में कुंभ पर प्रतिबंध लगा दिया था। कुंभ के इतिहास को लेकर ऋग्वेद, अथर्ववेद, मनीषियों, विदेशी यात्रियों और अंग्रेज ईसाई मिशनरियों के अनेक उद्धरण दिए है यह कहना है केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो रमाकांत पाण्डेय का। जो शनिवार को यंग थिंकर्स फोरम द्वारा स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी में कुंभ केंद्रित व्याख्यान और बोल रहे थे।

प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन में मनता है कुंभ

सभी प्राणी जिस अमरत्व को खोजते हैं वह कुंभ में प्राप्त होता है। जब समुद्र मंथन से अमृत कलश निकला और उसको लेकर देवासुर विवाद हुआ तो इंद्र के पुत्र उस अमृत कुंभ को लेकर गए जो चार स्थानों पर गिरा - प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन। यहीं कुंभ पर्व का आयोजन होता है।

संपूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता का केंद्र है कुंभ

कुंभ के महत्त्व पर आपने बताया कि उस समय देश भर के ऋषि -मुनि और कालांतर में अखाड़े, महामंडलेश्वर और शंकराचार्य सभी मिलकर समाज और राष्ट्र की दिशा तय करते और दीर्घकालीन रणनीति बनाते थे। ये दशनामी अखाड़े समाज की रक्षा भी करते थे। कुंभ संपूर्ण राष्ट्र की एकता और अखंडता का केंद्र है। यह सामाजिक समरसता का प्रतीक है जिसमें सभी जाति के लोग एक साथ मिलकर उपासना करते हैं।

दिग्गजों के बोल

कांग्रेस साथ देती तो नहीं हारती आप

भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के गढ़ दिल्ली में उसे हराकर अरविंद केजरीवाल को तगड़ा झटका दिया है। दिल्ली चुनाव के नतीजों पर तमाम नेताओं ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। आप की हार पर शिवसेना यूबीटी ने भी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भी कांग्रेस और आप की लड़ाई को हार के लिए जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी साथ देती आप पार्टी नहीं हारती।

और लड़ो आपस में! समाप्त कर दो एक-दूसरे को!

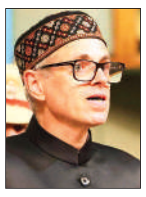

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर आप पार्टी की करारी हार पर जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बड़ी ही दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है। उमर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'और लड़ो आपस में!' अब्दुल्ला ने एक जीआईएफ भी साझा किया है, जिसमें लिखा है कि 'जी भर कर लड़ो, समाप्त कर दो एक दूसरे को!'

भाजपा को जिताने के लिए राहुल को बधाई

कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन पर तंज कसते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भाजपा को कथित तौर पर जीत दिलाने के लिए राहुल गांधी को बधाई दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में रामा राव ने कहा, भाजपा को एक बार फिर चुनाव जिताने के लिए राहुल गांधी को बधाई। बहुत अच्छा।

अहंकार रावण का भी नहीं बचा था...

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का एक सोशल मीडिया पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें हिंदू महाकाव्य महाभारत से द्रौपदी के 'चीरहरण' को दिखाया गया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि रावण का अहंकार भी नहीं बचा था।

हम प्राथमिकता से वादों को पूरा करेंगे

भाजपा विधायक प्रवेश वर्मा ने कहा कि मैं नई दिल्ली के मतदाताओं, लाखों मेहनती कार्यकर्ताओं और पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करता हूं। यह वाकई उनकी जीत है। लोगों ने उन पर भरोसा जताया है। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना और ट्रैफिक जाम कम करना होगी। हम वादों को पूरा करेंगे।

केजरीवाल का चैलेंज-इस जन्म में तो नहीं...

भाजपा की रिकॉर्ड जीत के बाद आप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आप की हार के बाद आप प्रमुख केजरीवाल का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे थे। इस वीडियो में वे मंच से पीएम मोदी को चैलेंज कर रहे थे कि इस जन्म में पीएम मोदी उन्होंने नहीं हरा सकते।

पहली कैबिनेट में एसआईटी गठित होगी

दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही एसआईटी का गठन होगा। सभी घोटालों की जांच होगी। माना जा रहा है एक बार फिर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वे जेल भी जा सकते हैं।

निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति पर क्या संवेदना

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की करारी हार के बाद मशहूर कवि और कभी आप नेता रहे कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल को खरी-खोटी सुनाई है। विश्वास ने कहा कि आप के लाखों और करोड़ों कार्यकर्ता, जिनके बहुत ही निश्छल, निष्पाप और भारत की राजनीति को बदलने के बड़े सपने की हत्या एक निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति ने की उसके प्रति क्या ही संवेदना रखना।

100वीं सफल विफलता, न बहू न ही बहुमत मिला

परेश रावल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया पोस्ट में राहुल गांधी की फोटो शेयर की गई, जिसमें लिखा, राहुल गांधी मानव इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने से कुछ घंटे दूर हैं- 100वीं सफल असफलता। रावल ने लिखा, एक मां का दर्द समझो। न बहू मिलती हैं और न ही बहुमत मिलता है।

सबको सदैव बेवकूफ नहीं बना सकते

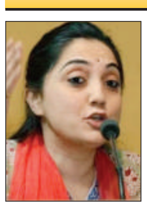

भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ दिल्ली में सरकार बनाएगी। इस पर पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा की भी प्रतिक्रिया आई है। शर्मा ने वोट डालने के बाद स्याही लगी उंगली की तस्वीर शेयर की है। साथ ही एक्स पर शनिवार को की गई पोस्ट में लिखा है कि आप कुछ समय के लिए सभी लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं और कुछ लोगों को हर समय बना सकते हैं, लेकिन आप सभी लोगों को हर समय बेवकूफ नहीं बना सकते। शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोस्ट को भी री-पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है।

एलजी सक्सेना के आदेश पर तुरंत की गई कार्रवाई, आप की हार के बाद दिल्ली सचिवालय सील

सचिवालय में की गई तालाबंदी, किसी सूरत में रिकॉर्ड ,फाइल व डेटा नहीं जाने चाहिए बाहर

दिल्ली में भाजपा ने बड़ा बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा ने आप को जीत का चौका लगाने से रोक दिया। भाजपा ने 27 साल बाद सत्ता में वापसी की, वह भी प्रचंड बहुमत से।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ा बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। अब भाजपा यहां 27 साल बाद सत्ता में वापसी की है, वह भी प्रचंड बहुमत से। अब उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सचिवालय के दस्तावेजों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का जिक्र करते हुए कहा गया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता है। साथ ही सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे विभाग की अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल न हटाएं।

तजिंदर पर पथराव

जंगपुरा सीट पर आप नेता मनीष सिसोदिया को हराने वाले भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह टीम का आरोप है कि जश्न के दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पथराव किया गया। मारवाह ने आश्रम पुल के पास मेरे समर्थकों द्वारा आयोजित कार रैली पर पथराव करने के लिए संदीप सिंह गोगा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

जीएडी की अनुमति लेना जरूरी होगी

दिल्ली सचिवालय में इस वक्त 'भगदड़' की स्थिति है। आपके कुछ नेता सचिवालय में नजर आए। इस बात का डर सताने लगा है कि कहीं गुपचुप तरीके से किसी अहम फाइल को अंदर से गायब न कर दिया जाए। जिसे देखते हुए दिल्ली सचिवालय के जनरल एडमिनिस्ट्रेटिव ब्रांच के ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रदीप तायल की तरफ से एक आदेश जारी किया गया। सचिवालय से कोई भी फाइल बिना अनुमति के बाहर नहीं जानी चाहिए। दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दिल्ली चुनाव में आप की हार के बाद सरकारी दस्तावेजों और डेटा की सुरक्षा के लिए दिल्ली सचिवालय के अधिकारियों को पत्र लिखा है। प्रदीप तायल ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अभिलेखों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया जाता है कि जीएडी की अनुमति के बिना दिल्ली सचिवालय परिसर से कोई भी फाइल या दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि बाहर न ले जाया जाए।

दिल्ली में इन चर्चाओं ने **पकड़ा जोर**

जहां पीएम मोदी ने किया था प्रचार वहां भाजपा को जबरदस्त 'फायदा'

इस चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी का प्रभाव भी देखने को मिला है। दरअसल, पीएम ने जहां-जहां प्रचार किया है, वहां भाजपा ने अधिकतर सीटों पर बाजी मार ली है। फिर चाहे वह पूरे जिले की बात हो या विधानसभा सीटों की। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रचार का सबसे बड़ा चेहरा खुद पीएम नरेंद्र मोदी रहे। पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल तो काफी पहले फूंक दिया था, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने दिल्ली के कुछ और जिलों को कवर करने की कोशिश की। दिल्ली के कुल 11 जिलों में से पीएम मोदी ने चार जिले उत्तर-पश्चिम दिल्ली, पूर्वोत्तर दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली और नई दिल्ली जिले में प्रचार किया।

उत्तर दिल्ली

पीएम मोदी ने सबसे पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल इसी क्षेत्र से फूंका था। पीएम ने यहां 3 जनवरी को पहली रैली उत्तर दिल्ली के रोहिणी में की थी। जिले में 8 विधानसभा सीटें हैं। इनमें रोहिणी के अलावा आदर्श नगर, बादली, बवाना, मॉडल टाउन, नरेला, शकूर बस्ती और वजीरपुर की सीटें शामिल हैं।

उत्तर-पूर्व दिल्ली

भाजपा के लिए पीएम मोदी की अगली रैली 29 जनवरी को पूर्वोत्तर दिल्ली के घोंडा में हुई। पीएम मोदी ने इसके जरिए 5 सीटों को कवर करने का प्रयास किया। इन सीटों में घोंडा के अलावा गोकलपुर, करावल नगर, मुस्तफाबाद और सीलमपुर की सीट शामिल रहीं। यहां अधिकतर सीटों पर भाजपा ने विजय दर्ज की।

दक्षिण पश्चिम

पीएम मोदी की अगली रैली 31 जनवरी को दक्षिण पश्चिम दिल्ली क्षेत्र में आयोजित की गई। पीएम मोदी ने यहां द्वारका सीट पर चुनाव प्रचार के जरिए सात सीटों पर भाजपा को जीत दिलाने की कोशिश की। इनमें द्वारका के अलावा बिजवासन, मटियाला, नजफगढ़, पालम, उत्तम नगर और विकासपुरी की सीटें शामिल थीं।

नई दिल्ली

पीएम मोदी के चुनाव प्रचार के दौरान आखिरी रैली नई दिल्ली जिले में हुई। पीएम ने यहां के आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में जनता को संबोधित कर जिले की छह अन्य सीटों को साधने की तैयारी की। इनमें दिल्ली कैंट, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, पटेल नगर, आरके पुरम और राजेंद्र नगर सीट पर प्रभाव छोड़ने की कोशिश की।

राहुल-प्रियंका ने भी किया प्रचार, लेकिन...

कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का हाल बीते दो चुनावों की कहानी दोहरा रहा है। फिलहाल पार्टी का राजधानी में खाता भी खुलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव प्रचार की तैयारियों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। कई लोगों ने स्टार चेहरों के प्रभाव के बेअसर होने की बात कही है। कांग्रेस के दो प्रमुख नेताओं- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कई रैलियां की हैं।

दोनों ने 11 रैलियां की थी

राहुल ने प्रचार की शुरुआत 13 जनवरी को ही कर दी थी। उन्होंने सबसे पहले पूर्वोत्तर दिल्ली (5 सीट) के सीलमपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत की। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने 31 जनवरी को चुनाव के लिए पहली रैली की। दोनों ने दिल्ली के 6 जिलों में 11 रैलियां कीं। इनमें सबसे ज्यादा तीन रैलियां उत्तर दिल्ली में कीं। वहीं, पश्चिम दिल्ली में दो, मध्य दिल्ली में दो, पूर्वोत्तर दिल्ली में दो, शहादरा और पश्चिम दिल्ली में एक-एक रैली शामिल रही।

पीएम ने जिसके 3 बार छुए पैर, मार लिया मैदान

पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अंतिम दौर के प्रचार के दौरान एक भाजपा प्रत्याशी के पैर छुए थे। 29 जनवरी को करतार नगर में हुई इस 'संकल्प रैली' में पीएम मोदी के इस अंदाज ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। उस शख्स की भी खूब चर्चा हुई थी, जिसके पैर पीएम मोदी ने छुए थे। पीएम मोदी ने जिस शख्स के पैर छुए थे, वह पटपड़गंज से भाजपा के प्रत्याशी रवींद्र सिंह नेगी थे। नेगी को जब मंच पर बुलाया गया तो उन्होंने सबसे पहले पीएम मोदी के पैर छुए। इसी के जवाब में पीएम मोदी ने तीन बार नेगी के पैर छुए थे। रवींद्र नेगी के सामने पटपड़गंज में बड़ी चुनौती थी। उनके सामने सोशल मीडिया पर फेमस और यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करने वाले अवध ओझा थे।

28 हजार मतों से जीते : पटपड़गंज की सीट जीतना नेगी के लिए आसान तो नहीं था, लेकिन आप के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में वे ओझा से पार पा गए। उन्होंने अवध ओझा को 28,072 मतों के विशाल अंतर से मात दी। उल्लेखनीय है कि पिछली बार रवींद्र सिंह नेगी ने इसी सीट पर मनीष सिसोदिया को कड़ी टक्कर दी थी।

मोदी की गारंटी की तोप चली, तिनका क्या पूरी झाड़ू ही बिखरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा के प्रमुख चेहरा पीएम मोदी का जादू सिर पर चढ़कर बोला। भाजपा को पटखनी देने का दम भरने वाली आम आदमी का सूपड़ा साफ हो गया। कांग्रेस को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है और उसका खाता अब तक नहीं खुला है इस तरह कांग्रेस का यह तीसरी बार शून्य पर आउट होने का बड़ा रिकॉर्ड ही बन गया। यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर पर्दे के पीछे वो कौन लोग या कारण थे, जिन्होंने इस चुनाव में बड़ा खेला किया।

भाजपा ने मध्यम वर्ग को लुभाया

दिल्ली का मध्यम वर्ग आप से नाराज है। उसने इस बात का फायदा उठाते हुए मिडिल क्लास को सांत्वना देते हुए उनके साथ खड़े होने का मजबूती से वादा किया।

सुविधाओं की कमी

आप ने जनता की जरूरतों की उपेक्षा की। अपना हित साधने में जुटी रही। जनता काफी परेशान हो गई।

रेवड़ियों से नाराज हुआ मिडिल क्लास

आप का जब 2012 में गठन हुआ तो उसने अपनी छवि इस तरह की बनाई थी जैसे वह आम आदमी यानी मिडिल क्लास की पार्टी है। आप ने भ्रष्टाचार की बात की, महिला सुरक्षा की बात की और महंगाई की बात करके मिडिल क्लास के बीच अपनी पैठ बनाई। आम आदमी का चेहरा जल्दी ही धूमिल हो गया, जब उसने खुद को सिर्फ गरीबों की पार्टी के रूप में पेश कर दिया और रेवड़ियां बांटना शुरू कर दिया।

मीम्स की नजर में दिल्ली चुनाव

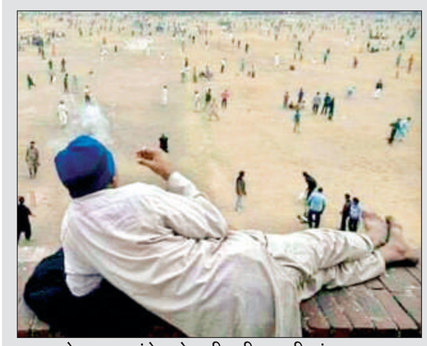

सुकून के साथ कांग्रेस देखती रही चुनावी संग्राम

अरे, देखो कहां तक पहुंचे नतीजे?

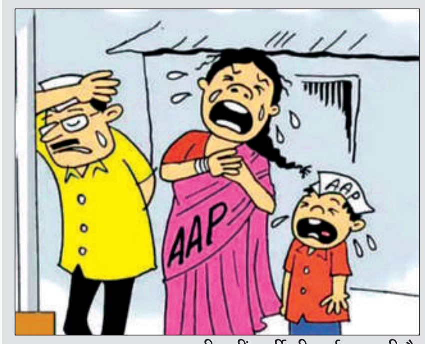

कहा था न... शराब घर ही नहीं पार्टी भी बर्बाद करती है

बहुत बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

अब जाके आया मेरे बेचैन दिल को करार...

जीरो चेक कर लो सर...

बंगाल की भी बारी आएगी

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर भाजपा की बड़ी जीत, 'बड़बोले' अवधेश के बेटे अजीत हारे

एजेंसी ▶▶ मिल्कीपुर (अयोध्या)

आम तौर पर उपचुनावों में वोटरों का उत्साह ठंडा रहता है, लेकिन मिल्कीपुर ने मतदान का इतिहास रच दिया है। 1967 में यह सीट अस्तित्व में आई थी। अब यहां हुए 15 चुनावों में इस बार सर्वाधिक मतदान हुआ है। 2022 के आम चुनाव के मुकाबले भी यह आंकड़ा 5 फीसदी अधिक है। 31वें राउंड की समाप्ति तक चंद्रभानु पासवान को 1 लाख 46 हजार 397 वोट मिले, जबकि अजीत प्रसाद को 84 हजार 687 वोट मिले। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक अंतिम 31वें राउंड की समाप्ति में चंद्रभानु ने 61 हजार 710 वोट से जीत दर्ज की है। पासवान ने जीत का प्रमाण पत्र लिया। उन्होंने सपा के अजीत प्रसाद को हराया है। इस पर भाजपा कार्यालय में जश्न का माहौल है। पासवान की संभावित जीत पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। भाजपा कार्यालय पर ढोल-नगाड़े के बीच रंग और गुलाल उड़े।

लोकसभा में पटखनी खाने पर भाजपा ने लिया सबक

जून में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को फैजाबाद सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। यह वही सीट थी जहां अयोध्या में राम मंदिर बनाया गया है। वहां से भाजपा का हारना एक बड़ी राजनीतिक घटना साबित हुई। इस जीत के बाद भाजपा ने सबक लिया। राम मंदिर दर्शन करने की लगाई गई कई पाबंदियों को हटाने के साथ-साथ लोकल स्तर पर नाराजगी दूर करने की कोशिश की गई।

भाजपा के पासवान ने मिल्कीपुर विधान सभा उप चुनाव 61.710 वोटों से जीता।

भाजपा की जीत की 5 बड़ी वजहें

उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने समाजवादी पार्टी को बड़े अंतर से हरा दिया। यह जीत भाजपा के लिए खास मायने रखती है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में जीत सपा और भाजपा दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। इस उपचुनाव में भाजपा की जीत और सपा की हार के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण सामने आए।

बूथ स्तर पर पकड़ मजबूत की

- इस उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रियता भाजपा के लिए गेमचेंजर साबित हुई। चुनाव की घोषणा से पहले ही योगी ने अयोध्या और मिल्कीपुर में कई दौरे किए और सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचाने का काम किया। उन्होंने चुनाव प्रचार में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मतदाताओं को सीधे साधने में सफल रहे।
- **बेहतर चुनावी रणनीति और बूथ मैनेजमेंट** भाजपा ने इस उपचुनाव में बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी। पार्टी ने हर बूथ पर कार्यकर्ताओं की विशेष टीम तैनात की, जो मतदाताओं तक सीधे पहुंचने में सफल रही। पिछली बार जिन बूथों पर भाजपा को अपेक्षाकृत कम वोट मिले थे, उन पर विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रभावी चुनावी रणनीति ने पार्टी को बढ़त दिलाई।
- सपा की कमजोर रणनीति और नेतृत्व की कमी जहां भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी, वहीं सपा चुनाव प्रचार में पिछड़ती नजर आई। पार्टी का नेतृत्व इस सीट को लेकर उतना सक्रिय नहीं दिखा, जितना भाजपा दिखी। अखिलेश यादव ने इस चुनाव में व्यक्तिगत रूप से ज्यादा ध्यान नहीं दिया, जिससे सपा कार्यकर्ताओं में भी जोश की कमी देखी गई।
- जातीय समीकरणों को भाजपा ने बेहतर साधा लोकसभा चुनाव के दौरान पासी और दलित वोटों का बड़ा हिस्सा सपा के पक्ष में चला गया था। लेकिन इस बार भाजपा ने खुद पासी समुदाय से उम्मीदवार उतारा, जिससे यह समीकरण भाजपा के पक्ष में आ गया। वहीं, ओबीसी और सवर्ण मतदाता पहले से ही भाजपा के साथ बने हुए थे, जिससे सपा की हार सुनिश्चित हो गई।
- मोदी-योगी ब्रांड और विकास कार्य प्रमुख रहे भाजपा ने इस चुनाव में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकास योजनाओं को केंद्र में रखा। राम मंदिर, सड़क निर्माण, बिजली, पानी और रोजगार जैसी योजनाओं का उल्लेख कर मतदाताओं को अपने पक्ष में किया।

महाकुंभ में लगा महाजाम

श्रद्धालुओं का आना जारी, संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले अटके वाहन, महामंडलेश्वर से लेकर न्यायाधीश के वाहन फंसे

एजेंसी ▶▶ महाकुंभनगर (प्रयागराज)

तीर्थनगरी प्रयागराज में महाकुंभ का शनिवार को 27वां दिन था। एक बार फिर से महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। महाकुंभ आयोजन से पहले ही 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद की गई थी, जो शुक्रवार को ही पूरी हो गई। शनिवार और जया एकादशी होने के कारण भारी तादाद में लोगों ने संगम पर डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

अभी मेला 18 दिन और चलेगा। शनिवार को संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले से ही वाहन रेंगते रहे। पास धारक वाहनों को भी प्रवेश नहीं मिल रहा है। एंबुलेंस, महामंडलेश्वार और मजिस्ट्रेट से लेकर जजों के वाहन भी जाम में फंसे रहे। बड़े वाहनों की बात तो दूर साइकिल और बाइक सवार भी जाम में फंसकर बेहाल हैं। इसको लेकर फाफामऊ, नैनी और इंडियन प्रेस चौराहा सहित कई जगहों पर यात्रियों की पुलिसकर्मियों से तीखी नोकझोंक हुई। भीड़ ने पुलिस की बैरिकेडिंग को गिरा दिया और वाहन लेकर गुजर गए। घंटों से वाहन के आगे न बढ़ने पर उनके साथ चल रहे संतों की पुलिस से कहासुनी हो गई। संतों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को जबरन हटा दिया।

सर्वसिद्धिप्रदः कुंभः
महाकुंभ 2025

1 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके

2 8 से 10 घंटे का जाम झेलने के बाद भी श्रद्धालु संगम पहुंच रहे

महाकुंभ आयोजन से पहले ही 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद की गई थी, जो शुक्रवार को ही पूरी हो गई। शनिवार और जया एकादशी होने के कारण भारी तादाद में लोगों ने संगम पर डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

बछरावां से टोल प्लाजा तक जाम ही जाम

यूपी के रायबरेली में आजकल लखनऊ-प्रयागराज एनएच हाईवे पर बछरावां से टोल प्लाजा तक दिन भर जाम लग रहा है। इस कारण बछरावां से टोल प्लाजा तक शनिवार सुबह 5 बजे से ही करीब 10 किलोमीटर की दूरी में जाम की स्थिति रही। कोतवाल पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि महाकुंभ में शाही स्नान के लिए लोग निजी वाहनों से प्रयागराज जा रहे हैं। जिस लिए टोल टैक्स से बछरावां तक का जाम की स्थिति है।

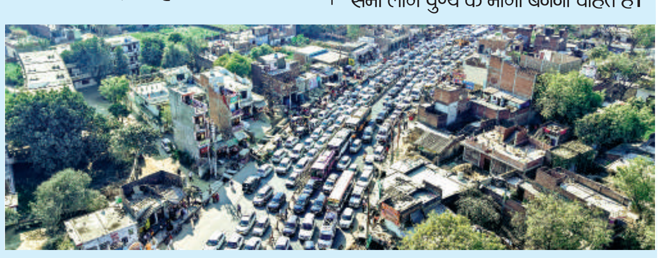

धामी आज करेंगे स्नान

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी आज संगम में स्नान करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के सीएम विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों समेत भाजपा के सांसद व विधायक 13 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान करेंगे। साय ने कहा कि 13 तारीख को मंत्रिमंडल के सभी सदस्य और पार्टी के विधायक महाकुंभ जा रहे हैं क्योंकि 144 वर्ष बाद ऐसा शुभ मुहूर्त आया है। हम सभी लोग पुण्य के भागी बनना चाहते हैं।

पुलिस कर रही अलर्ट

नाग वासुकी मंदिर की ओर चौराहे पर चारों ओर से श्रद्धालुओं की कतारें सेक्टर 18, 19 की तरफ बढ़ीं। पीपा पुल संख्या 13 पर पुलिस चौकी ने लगातार चेतावनी दी कि घाट पर भीड़ बढ़ रही है। इसलिए स्नान कर तुरंत लौट जाएं। झूसी में शास्त्री ब्रिज की तरफ से बैरिकेडिंग की गई है। जिन श्रद्धालुओं को सेक्टर 18-19 में जाना है। उन्हें भी पूरा शास्त्री ब्रिज पार करके जाना पड़ रहा है। श्रद्धालु पैदल ही शास्त्री ब्रिज को पार कर मेला परिसर में पहुंच रहे हैं। यहां दो किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में तय हो रहा है। जिसके चलते व्हीकल कई घंटे फंसे रहते हैं।

आज शहर में वाहनों का प्रवेश नहीं

महाकुंभ मेले से वापसी के लिए कल्पवासी और अखाड़ों के साधु-संतों का मार्ग निर्धारित कर दिया गया है। इसके तहत अलग-अलग दिशाओं की ओर जाने के लिए अलग-अलग मार्गों का प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा लगातार उमड़ रही भीड़ को देखते हुए नौ फरवरी को शहर में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंध कर दिया गया है।

राजस्थान के सीएम भजनलाल ने किया स्नान

राजस्थान के सीएम भजनलाल ने शनिवार को संगम में स्नान किया। उनके साथ उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, सांसदों एवं विधायकों का 180 सदस्यीय दल मौजूद रहा। वह सेक्टर-6 स्थित राजस्थान सरकार पवेलियन में कैबिनेट मीटिंग करेंगे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हमारी विरासत और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारे पूर्वजों और संतों की विरासत है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए इंतजामों के लिए सीएम योगी को धन्यवाद देता हू। वहीं, सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'एक्स' पर स्नान की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती के शुभाशीष से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो।

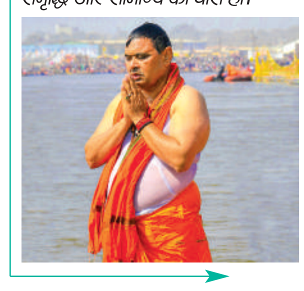

खबर संक्षेप

नौसेना के 14 जहाजों के लिए 28 ईओएन-51 सिस्टम की खरीद की जाएगी

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। तेजी से बदलते घरेलू और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ कुल 642.17 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिससे भारतीय नौसेना के 14 जहाजों के लिए 28 ईओएन-51 सिस्टम की खरीद की जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह समझौता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होगा। इस सिस्टम की खरीद नौसेना के 11 अगली नई पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाज (ओपीवी) और 3 कैडेट प्रशिक्षण जहाजों के लिए की गई है।

बॉय-आईडीडीएम श्रेणी से होगी खरीदः मंत्रालय ने बताया कि बीईएल के साथ यह समझौता बॉय (इंडियन-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत क्रियान्वित किया जाएगा। ईओएन-51 एक इलेक्ट्रो ऑप्टिकल फायर कंट्रोल सिस्टम है। जो इलेक्ट्रो ऑप्टिकल और थर्मल इमेजर उपकरणों की मदद से लक्ष्य को ढूंढने, पहचान करने के साथ उसका वर्गीकरण करेगा। योजना के जरिए तीन साल के लिए रोजगार सृजित किया जाएंगे। जिसमें भारत के सूक्ष्म एवं लघु उद्योग (एमएसएमई) की भी भागीदारी देखने को मिलेगी। अंततः इस पूरी कवायद से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को काफी बढ़ावा मिलेगा।

एयरो इंडिया-2025 की तैयारियां पूरी

वायुसेना के विमानों ने फ्लाई पास्ट कर प्रदर्शित की अपनी मारक क्षमता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अगले सप्ताह की शुरुआत से बेंगलुरु में आयोजित किए जा रहे 'एयरो इंडिया शो-2025' को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। शनिवार को भारतीय वायुसेना के विभिन्न प्रकार के विमानों ने अनोखे फ्लाईपास्ट के साथ फुल ड्रेस रिर्हसल संपन्न हुई। जिसमें बल के जंगी लड़ाकू और परिवहन विमानों की गर्जना से कर्नाटक का आसमान गुंजायमान रहा। जबकि वायुसेना के हेलिकॉप्टरों ने अपनी उड़ान के साथ देश का राष्ट्रीय ध्वज फहराया। रिर्हसल में बड़ी तादाद में आम लोगों की भागीदारी देखने को मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने 8 फरवरी को बताया कि पांच दिवसीय एयरो इंडिया 10 से 14 फरवरी तक होगा। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

वायुसेना प्रमुख, सेनाप्रमुख तेजस में उड़ान भरेंगे

एयरो इंडिया की खास बात यह होगी कि इसमें वायुसेना प्रमुख एयरचीफ मार्शल एपी सिंह और सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी एक साथ स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरेंगे। देश की सशस्त्र सेनाओं से लेकर हर खासो आम के लिए यह एक ऐतिहासिक पल होगा। जिसमें दो सेनाओं के प्रमुख एक साथ तेजस में उड़ान भरते हुए नजर आएंगे। यह उड़ान कुल करीब पौने घंटे यानी 45 मिनट की होगी।

मेक इन इंडिया को प्रदर्शित करेगा इंडिया पवेलियन

इंडिया पवेलियन स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं और अंतरराष्ट्रीय मंच के लिए तैयार अत्याधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन करके मेक इन इंडिया पहल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा। भारतीय स्टार्टअप को बढ़ावा देना एयरो इंडिया का प्रमुख क्षेत्र है। इनके द्वारा विकसित उत्पादों, आधुनिक तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला को विशेष आईडीईएक्स पैवेलियन में प्रदर्शित किया जाएगा।

आयोजित होंगी कई द्विपक्षीय बैठकें

एयरो शो में एक पूर्वावलोकन कार्यक्रम, उद्घाटन समारोह, रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन, सीईओ गोलमेज सम्मेलन और आईडेक्स स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रम होंगे। रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन का विषय भारत ब्रिज-अंतरराष्ट्रीय रक्षा और वैश्विक जुड़ाव से आत्मनिर्भर बनाना होगी। यह गतिशील भू-राजनीतिक स्थितियों और आपसी समृद्धि के मार्ग को समाहित करता है। जिसे सुरक्षा और विकास की समझ वाले देशों के बीच सहयोग के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। आयोजन में रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष और सचिव स्तर पर कई द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिनमें सहयोगी देशों के साथ रक्षा और एयरोस्पेस संबंधों को मजबूत करने पर मुख्यतः ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ताकि साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए नए रास्ते तलाशे जा सकें।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेशी डिप्लोमेट को तलब किया

कहा- हसीना के बयान निजी, हमारा वास्ता नहीं, हम पर झूठे आरोप लगाना बंद करें

बांग्लादेश के कार्यवाहक हाई कमिश्नर मोहम्मद नूरल इस्लाम को शुक्रवार शाम को साउथ ब्लॉक में तलब किया गया था। साथ ही उन्होंने शेख हसीना के बयान को निजी बताया और कहा कि उसे भारत से जोड़ना ठीक नहीं है।

भारत ने स्पष्ट किया हम बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं

बांग्लादेश की मांग पूर्व पीएम हसीना को बयान देने से रोकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश के कार्यवाहक हाई कमिश्नर मोहम्मद नूरल इस्लाम को शुक्रवार शाम को साउथ ब्लॉक में तलब किया गया था। साथ ही उन्होंने शेख हसीना के बयान को निजी बताया और कहा कि उसे भारत से जोड़ना ठीक नहीं है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि मोहम्मद नूरल को बताया गया कि भारत बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध चाहता है, जिसे हाल की उच्च स्तरीय बैठकों में कई बार दोहराया गया है।

लेकिन दुखद है कि बांग्लादेशी अधिकारी भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं और आंतरिक मामलों के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बांग्लादेश हम पर झूठे आरोप लगाना बंद करे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने 6 फरवरी को बयान जारी कर भारत के समक्ष अपना विरोध जताया था। बांग्लादेश ने मांग की थी कि भारत को अपदस्थ पूर्व पीएम शेख हसीना को बयान देने से रोका जाए। यूनुस सरकार ने शीर्ष राजनयिक को बुलाकर कहा था कि शेख हसीना भारत में रहकर झूठे और मनगढ़ंत बयान दे रही हैं।

इतिहास अपना बदला लेता हैः हसीना

दरअसल, 5 फरवरी को प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान 'बंगबंधु' के ढाका स्थित धनमंडी-32 आवास पर तोड़फोड़ की थी। इसके बाद हसीना ने फेसबुक पर अपने समर्थकों को संबोधित किया था। हसीना ने हमलावरों को चेतावनी देते हुए कहा था कि इतिहास अपना बदला लेता है। हसीना ने कहा था कि किसी ढांचे को मिटाया जा सकता है, लेकिन इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता।

'बुलडोजर जुलूस' के बाद शुरू हुई हिंसा

5 फरवरी को हुई हिंसा की शुरुआत सोशल मीडिया पर 'बुलडोजर जुलूस' के ऐलान के बाद हुई। जब हमला हुआ, तब वहां सुरक्षाबल भी मौजूद थे। भीड़ को वहां से जाने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। कुछ उपद्रवी शेख मुजीब के आवास और संग्रहालय में भी घुस गए। बालकनी पर चढ़ गए और तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि आवास में आगजनी भी की गई है।

तोड़फोड़ लोकतंत्र के लिए खतराः बीएनपी

बांग्लादेश में शेख हसीना की विरोधी पार्टी बीएनपी ने इस घटना को लोकतंत्र खत्म करने की साजिश करार दिया था। बीएनपी नेता हाफिजुद्दीन अहमद ने कहा कि ढाका में शेख मुजीब के घर पर जिस तरह हमला हुआ, उससे अराजकता फैल सकती है। इस तरह की घटनाएं देश में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यह घटना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

घटना की कड़ी निंदा की जाए

भारत ने एक बयान में रहमान के आवास को ध्वस्त करने की निंदा करते हुए स्थल को 'वीर प्रतिरोध' का प्रतीक बताया। कहा वे सभी लोग जो बांग्ला पहचान और गौरव को पोषित करने वाले स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस निवास के महत्व से अवगत हैं। इस घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

देशभर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी रोकेंगेः यूनुस

ढाका। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह देश भर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी पर रोक लगाएगी। देश के विभिन्न हिस्सों में बुधवार रात से भीड़ हसीना के समर्थकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर तोड़फोड़ कर रही है। शुक्रवार की सुबह यूनुस के प्रेस कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान में चेतावनी दी कि हिंसा के ऐसे कृत्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार देर रात, यूनुस के हवाले से जारी एक अन्य बयान में कहा गया कि अंतरिम नेता ने सभी नागरिकों से श्तुरंत पूर्ण कानून-व्यवस्था बहाल करने तथा यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि हसीना के परिवार और उनके समर्थकों से जुड़ी संपत्तियों पर अब कोई हमला नहीं होगा।

एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी चरण को पावर देने में इसरो को मिली कामयाबी

क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन का परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर एक बार नई उपलब्धि को हासिल किया है। इसरो ने शनिवार (8 फरवरी 2025) को बताया कि उसने क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन ट्रायल सफलतापूर्वक कर लिया है। इसरो ने कहा कि उसने वैक्यूम परिस्थितियों में 'मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर' के साथ एलवीएम3 के ऊपरी चरण को पावर देने वाले स्वदेशी सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक प्रज्वलन परीक्षण किया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह परीक्षण यह परीक्षण शुक्रवार को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन परिसर में उच्च स्थल परीक्षण प्रतिष्ठान में किया गया।

तमिनाडु के महेंद्रगिरि में प्रोपल्शन परिसर में किया गया है ट्रायल

19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद

कई परीक्षण कर रहा है इसरो

इसरो क्रायोजेनिक इंजन को फिर से शुरू करने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में बूटस्ट्रैप मोड में इंजन शुरू करने के मकसद से एक के बाद एक परीक्षण कर रहा है। इससे पहले, मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का इस्तेमाल करके इंजन इग्निशन परीक्षण वैक्यूम चैम्बर के बाहर जमीनी परिस्थितियों में किया गया था। इंजन पहले से ही एकल शुरुआत के साथ उड़ान में 19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद है। इसे तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित किया गया था।

यह इंजन गगनयान मिशन के लिए

यह इंजन गगनयान मिशन के लिए काफी अहम है। इस मिशन के तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में इंसानों को भेजेगा। अंतरिक्ष में उड़ान के बीच में वैक्यूम परिस्थितियों में क्रायोजेनिक इंजन को दोबारा से शुरू करना पेचिदा है, इसलिए ऐसे हालात में इंजन को दोबारा शुरू करने के लिए इसरो केंद्रीय गैस प्रणाली के बजाय बूटस्ट्रैप मोड में टर्बोपंप के इस्तेमाल करने को लेकर खोज कर रहा है।

सशस्त्र सेनाओं को मजबूती देगा 3 महीने तक चलने वाला 'ट्रोपेक्स' युद्धाभ्यास

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में लगातार बढ़ती जा रही चीन की आक्रामकता के बीच जारी सेना, वायुसेना और तटरक्षकबल के व्यापक संयुक्त युद्धाभ्यास 'कैपस्टोन थिएटर लेवल ऑपरेशनल एक्सरसाइज (ट्रोपेक्स-25)' से भविष्य में सशस्त्र सेनाओं की रणनीतिक क्षमता में कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मूलरूप से यह थिएटर स्तर का सेनाओं का अब तक का एक बहुत बड़ा युद्धाभ्यास है। जिसकी कुल अवधि तीन महीने की है। टोपेक्स युद्धाभ्यास की शुरुआत पिछले महीने 25 जनवरी को आईओआर में हो गई थी

और समापन 25 मार्च 2025 को होगा। नौसेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। उधर, रक्षा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर युद्धाभ्यास के आयोजन से भारत दुश्मनों को अपनी विस्तृत युद्धक क्षमता की सीधी झलक दिखा रहा है। जिससे वो हमारे खिलाफ किसी भी तरह की कोई गुस्ताखी करने की कोशिश नहीं करेंगे।

विक्रांत युद्धपोत, सुखोई, पनडुब्बियां शामिल

नौसेना ने बताया कि यह एक द्विवार्षिक युद्धाभ्यास है। जिसमें भारत का स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत, 9 पनडुब्बियां (कलवरी श्रेणी की अत्याधुनिक पनडुब्बियां शामिल), हेल सी गार्डियन, एमएच-60आर हेलिकॉप्टर, मिग-29-के लड़ाकू विमान, पी8आई समुद्री गश्ती विमान और 65 जहाज व युद्धपोत अपनी प्रचंड मारक क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। वायुसेना का सुखोई-30 एमकेआई, जगुआर लड़ाकू विमान, सी-130जे परिवहन विमान, जरूरत पड़ने पर विमानों में ईंधन भरने वाला फ्लाइट रिफ्यूलर, एडब्ल्यूएसीएस विमान शामिल है।

रोहित की फॉर्म और कोहली की फिटनेस पर निगाह, इंग्लैंड से दूसरा वनडे आज

एजेंसी ▶▶ कटक

भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की है और उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखकर श्रृंखला जीतना होगा।

■ तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारतीय टीम

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 1.30 बजे

कोहली फिट : कोटक

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने दाहिने घुटने के दर्द से उबर चुके हैं। कोटक ने दूसरे मैच की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट कोहली खेलने के लिए फिट हैं। वह अभ्यास के लिए आए हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और पिछले मैच के अर्धशतक लगाने वाले श्रेयस अय्यर में से किसे अंतिम एकादश से बाहर किया जाएगा। कोटक ने कहा, 'यह कप्तान (रोहित शर्मा) और कोच (गौतम गंभीर) का फैसला है। मैं इसका जवाब नहीं दे सकता।'

रन बनाने के लिए जूझ रह कप्तान

कोहली की तरह कप्तान रोहित भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले वनडे में केवल दो रन बना पाए थे। मुंबई के इस बल्लेबाज ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 64 रन बनाने के बाद किसी भी प्रारूप में अर्धशतक नहीं लगाया है। अगर रोहित दूसरे वनडे में भी रन नहीं बना पाते हैं तो उनकी फॉर्म और भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाएंगी।

अय्यर का दावा मजबूत

पिछले मैच में कोहली की जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने 36 गेंद पर 59 रन बनाकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। अगर पहले की बात होती तो कोहली को अय्यर की जगह टीम में शामिल किया जाता लेकिन अब पूरी संभावना है कि उन्हें पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में लिया जाएगा। ऐसे में रोहित के साथ गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण अच्छा

भारत का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए यह भारत के लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले हर्षित राणा को इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कड़ा सबक सिखाया था और वह काफी महंगे साबित हुए थे लेकिन उन्होंने बेन डकेट और हैरी ब्रुक के कीमती विकेट लेकर अच्छी वापसी की थी। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर राणा के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा।

सुंदर, वरुण, अक्षर पहुंचे जगन्नाथ मंदिर

इंग्लैंड के खिलाफ कटक के बाराबती स्टेडियम में रविवार को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों ने शनिवार को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इन तीनों खिलाड़ियों वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह-सुबह जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। पुलिस ने कहा कि खिलाड़ियों ने सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में दर्शन किए।

खबर संक्षेप

शुभंकर और अहलावत कतर में कट से चूके

दोहा। भारतीय खिलाड़ी शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में अच्छा खेल दिखाकर तीन अंडर 69 का कार्ड खेला लेकिन पहले दौर के लचर प्रदर्शन के कारण वह यहां कतर मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में एक शॉट से कट से चूक गए। यह 2025 में डीपी वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरा अवसर है जबकि शुभंकर कट में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने पहले दौर में 75 का कार्ड खेला था और इस तरह से उनका कुल स्कोर इवन पार रहा जबकि कट एक अंडर पर गया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी वीर अहलावत भी कट से चूक गए। उन्होंने पहले दौर में 80 और दूसरे दौर में 76 का कार्ड खेला।

अदिति ने फाउंडर्स कप में कट हासिल किया

ब्राडेंटन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एलपीजीए टूर पर सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट फाउंडर्स कप के दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर स्टार खिलाड़ियों के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहीं। उन्होंने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला था जिससे वह लिडिया को, मिंजी ली और सोफिया पोपोव जैसी गोल्फरों के साथ संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर हैं। अदिति ने दूसरे, 10वें और 13वें होल में बर्डी लगाई जबकि 12वें और 15वें होल में शॉट ड्रॉप कर बैठीं।

अब हमारे पास मॉडल और नुस्खा: डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग। एसए 20 की सफलता से अभिभूत इसके ब्रांड दूत एबी डिविलियर्स ने यहां महिला टी20 लीग शुरू करने की पैरवी करते हुए कहा कि अब दक्षिण अफ्रीका के पास मॉडल और नुस्खा दोनों हैं। एमआई केपटाउन और दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच एसए 20 के तीसरे सत्र के फाइनल से पहले डिविलियर्स ने कहा, 'मैने दुनिया भर में काफी सफल महिला क्रिकेट लीग देखी हैं और पिछले साल ही बेहद सफल महिला टी20 विश्व कप भी हुआ है। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और दक्षिण अफ्रीका में भी महिला टी20 लीग का आयोजन हो सकता है।'

भारत को हराना वास्तविक चुनौती

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नए सिरे से तैयार किए गए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार की रात को कहा कि भारत के खिलाफ उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने कहा, 'हमारी टीम बहुत अच्छी है और उसने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी जीतना ही नहीं बल्कि दुबई में होने वाले मैच में हमारे चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराना होगा।'

रणजी ट्रॉफी : टीम इंडिया के दरवाजे पर फिर दी दस्तक

नायर ने ठोका 22वां प्रथम श्रेणी शतक चीफ सेलेक्टर को दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे करुण नायर रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका ड्रीम रन अभी भी जारी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में विदर्भ के लिए शतक ठोका है। उन्होंने ये काम तमिलनाडु के खिलाफ किया है। विदर्भ स्टंप तक छह विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रहा। नायर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में हैदराबाद के खिलाफ शतक जड़ा था।

सत्र में नायर का ये रणजी ट्रॉफी में कुल तीसरा शतक है। रणजी ट्रॉफी में उनका ये लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था और 105 रन बनाए थे। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर चला था। इस वनडे फॉर्मेट के टूर्नामेंट में नायर ने कुल पांच शतक जमाए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाने के बाद नायर के टीम इंडिया में वापसी की अटकलें थीं। माना जा रहा था कि सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह दे सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हर किसी को टीम में फिट नहीं कर सकते क्योंकि 15 खिलाड़ी ही चुनने होते हैं।

शतक बनाकर नाबाद लौटे

नायर का साथ दानिश मालेवर ने दिया और 98 रनों की साझेदारी की। दानिश 119 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हो गए। नायर दिन का खेल खत्म होने तक टिके रहे। वह 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 180 गेंदों का सामना कर 14 चौके और एक छक्का मारा।

मुंबई ने की वापसी

कोलकाता। शम्स मुलानी और तनुश कोटियान की आठवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के बूते गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के शुरुआती दिन शनिवार को यहां हरियाणा के खिलाफ आठ विकेट पर 278 रन बनाकर अच्छी वापसी की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 25 रन तक चार जबकि 113 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन मुलानी ने 178 गेंद में 91 जबकि कोटियान ने 154 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी खेलकर मौजूदा सत्र में एक बार फिर से टीम को संकट से बाहर निकाला। स्टंप्स के समय कोटियान के साथ मोहित अवस्थी क्रीज पर मौजूद थे।

तेज गेंदबाज निधीश के पांच विकेट

पुणे। मध्यम गति के गेंदबाज एमडी निधीश के पांच विकेट झटकने से केरल की टीम ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन शनिवार को यहां स्टंप तक जम्मू-कश्मीर का स्कोर आठ विकेट पर 228 रन कर दिया। निधीश ने शुरू से ही जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर दी और केरल का टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया, यावर हसन, विवरांत शर्मा, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान और लोन नासिर मुजफ्फर के विकेट लिए। उन्हें बासिल थम्पी, बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे और नेदुमनकुझी बासिल का अच्छा साथ मिला जिन्होंने एक-एक विकेट लिया।

शास. महारानी लक्ष्मी बाई कन्या महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद स्पर्धा

प्रोफेसर्स की टीम ने छात्राओं को हराया, छात्राएं बोलीं-हमें हारने में भी खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शासकीय शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या ऑटोनॉमस कॉलेज में स्टाफ की दो टीमों में पहले मैच हुआ। प्राचार्य डॉ. अजय अग्रवाल ने सर्वप्रथम दोनों टीमों का परिचय प्राप्त किया। स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. ग्रेस एस. सिंह ने महिला प्राध्यापकों को टीम में शामिल होने के लिए हौसला बढ़ाया।

प्राध्यापक डॉ. बीएमएस भदौरिया की टीम ने डॉ. एसके विजय की टीम को 17 रनों से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विनर टीम ने 10 ओवर में सात विकेट पर 88 रन का स्कोर बनाया, जिसमें डॉ. बृजेश जाटव, डॉ.पीयूष भटनागर, विवेक भारद्वाज, डॉ. भारती जैन, डॉ. सविता भार्गव, डॉ. मधुबाला वर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बल्लेबाजी की। दूसरी टीम 89 रनों का पीछा करते हुए टीम 10 ओवर में आठ विकेट खोकर 71 रन बना पाई। डॉ. एसके विजय, डॉ. सहदेव मरकाम, डॉ. रंजना श्रीवास्तव, डॉ. ग्रेस एस सिंह, डॉ. स्वाति खरे ने 71 रनों का योगदान दिया। इसके पश्चात महाविद्यालय की टीम छात्रा 11 एवं स्टाफ 11 की टीम में मैच हुआ, जिसमें दिनेश मौर्य, विवेक भारद्वाज, डॉ. भूपेंद्र झा की उत्कृष्ट बल्लेबाजी से स्टाफ की टीम ने 106 रन का स्कोर बनाया। 107 रनों का पीछा करते हुए छात्राओं की टीम 10 ओवर में 80 रन पर सिमट गई, इनमें निकिता, पलक, पिंकी, शिरीन, नेहा, गायत्री, अनामिका, संजना, तनीषा, पायल, अंशिता ने कहा हमें प्राध्यापकों से हारने में भी खुशी है।

दीप्ति सिंह फैन्स, डीसीसी और शारिक सेमी फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एमसीसी मैदान 1100 क्वाटर्स पर चल रहे भोपाल ट्राफी टेनिस बाल नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट में 7 फरवरी को 3 मैच खेले गए। पहला मैच दीप्ति फैन्स क्लब और डीसीसी-2 के बीच हुआ। डीसीसी-2 ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। दीप्ति फैन्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलाह के 36 रन की मदद से 117 रन बनाए।

डीसीसी-2 निर्धारित ओवर में 85 रन ही बना पाई और मैच हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। मैन ऑफ द मैच दीप्ति फैन्स क्लब के सलाह को दिया गया। दूसरा मैच एसजी इलेवन और डीसीसी-1 के बीच हुआ। डीसीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सोनू के 65 रनों की मदद से निर्धारित ओवर में 89 रन बनाये। एसजी निर्धारित ओवर में 36 रन ही बना पाई। मैन ऑफ द मैच डीसीसी के सोनू को दिया गया। तीसरा मैच में नदीम इलेवन और शारिक-ताकिरक इलेवन के बीच हुआ। नदीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए घनश्याम के 65 रन की मदद से 107 रन बनाये। शारिक-तारिक ने लक्ष्य का पीछा करते हुए केडी के 51 रन की मदद से लक्ष्य हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रेलिया 2-0 से श्रृंखला जीतने के करीब

एजेंसी ▶▶ गॉल

ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन से स्टंप तक श्रीलंका के दूसरी पारी में 211 रन तक आठ विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम ने महज 54 रन की मामूली बढ़त हासिल की। मेहमान चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे।

■ ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए थे 414 रन

■ चांदीमल को आउट कर लियोन ने पूरे किए 550 विकेट

श्रीलंका ने एक समय 81 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे तीन दिन में एक और पारी की करारी हार का सामना करना होगा। पर एंजेलो मैथ्यूज 76 रन बनाकर श्रृंखला में अपना पहला अर्धशतक जड़ा जिससे उम्मीद जगी। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने सबसे ज्यादा परेशान किया, उन्होंने चार विकेट लिए, जिससे मैच में उनके कुल सात विकेट हो गए। उन्हें लियोन का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन विकेट लिए। 37 वर्षीय लियोन ने लंच के बाद दिनेश चांदीमल को आउट करते हुए 550 टेस्ट विकेट तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की। वह शेन वार्न (708) और ग्लेन मैकग्रा (563) के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने।

लॉकी फर्ग्यूसन का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना मुश्किल

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध है। इसमें टीम को इस वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। संयुक्त अरब अमीरात में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि इस प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन करवाया है।

उत्तराखंड नेशनल गेम्स: 19 स्वर्ण, 13 रजत, 18 कांस्य समेत अर्जित किए 50 पदक

पदक तालिका में मध्य प्रदेश टॉप 4 में बरकरार

तीन रजत और दो कांस्य के साथ आज मप्र ने किया पदकों का अर्ध शतक पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उत्तराखंड नेशनल गेम्स 2025 में आज मप्र के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मप्र के नाम कुल 50 पदक अर्जित करके अर्धशतक पूरा कर लिया। मॉडर्न पेंटाथलान, लेजर रन, व्यक्तिगत महिला वर्ग में मप्र की खिलाड़ी नेहा यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। वहीं एथलेटिक्स,1,500 मी. दौड़ में व्यक्तिगत महिला वर्ग में मध्य प्रदेश की दीक्षा ने और व्यक्तिगत पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के रितेश ओहरे ने कड़ी टक्कर से रजत पदक अपने नाम किया।

रितेश मात्र 16 मिलिसेकंड से स्वर्ण पदक से चूक गए। एथलेटिक्स, 10,000 मी. दौड़ में व्यक्तिगत पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश के विनोद सिंह को कांस्य पदक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा, वह मात्र 38.84 सेकंड से रजत पदक प्राप्त नहीं कर पाए।तायक्वोंडो, क्योरुगी अंडर 63 किलो, व्यक्तिगत पुरुष वर्ग मध्य प्रदेश के आदित्य प्रजापति ने कांस्य पदक अर्जित किया।

अन्य परिणाम

हॉकी, महिला वर्ग: मध्यप्रदेश की टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लीग मुकाबले में पश्चिम बंगाल की टीम को 2-1 से परास्त किया।
शूटिंग, ट्रैप : शूटिंग, ट्रैप के प्रारंभिक मुकाबलों हुए।

प्रमुख परिणाम

रजत पदक

मॉडर्न पेंटाथलान
लेज़र रन, व्यक्तिगत महिला वर्ग: मध्य प्रदेश की नेहा यादव, समय –13:47.90 स्वर्ण

एथलेटिक्स
1,500 मी., महिला वर्ग: मध्य प्रदेश की दीक्षा, समय –4:21.92 स्वर्ण
1,500 मी., पुरुष वर्ग: मध्य प्रदेश की रितेश ओहरे, समय –3:46.64 स्वर्ण

एथलेटिक्स
10,000 मी., पुरुष वर्ग: मध्य प्रदेश के विनोद सिंह, समय - 29:43.60 स्वर्ण

तायक्वोंडो
क्योरुगी, 63 किलोग्राम, पुरुष वर्ग: मध्य प्रदेश के आदित्य प्रजापति

किक्रेटर सौम्या तिवारी समेत अनेक प्रतिभाएं लेंगी हिस्सा

महिला लीग वूमेनस टी- 20 क्रिकेट प्रीमियर लीग आज से

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी महिला लीग वूमेनस टी 20 क्रिकेट प्रीमियर लीग 2025 का रविवार से क्रिकेट अकादमी पठान कोलार मैदान पर होने जा रहा है। इस तरह का इतना बड़ा टूर्नामेंट महिलाओं के लिए मध्य प्रदेश में पहली बार होने जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों से किसी भी प्रकार की राशि नहीं ली गई है।

खिलाड़ियों को रहने-खाने, किट की व्यवस्था टूर्नामेंट कमेटी की ओर से किया गया है। इस लीग में प्रदेश की ओर से अंडर-19 भारत सौम्या तिवारी और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाली रहिला फिरदोश, अनुष्का शर्मा, प्रीति यादव, तम्मना निगम, निकिता सिंह, और कल्याणी जाधव के अलावा ओर भी मध्य प्रदेश की खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। यह टूर्नामेंट टी 20 फॉर्मेट में लीग पद्धति में खेला जाएगा। जिसमें टेबल की टॉप टीम फाइनल व टेबल की नंबर दो एवं तीन टीम के मध्य सेमीफाइनल खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में पूरे मध्य प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। इस टूर्नामेंट में पांच टीम बेतवा टाइटंस, सिंध मैब्रिक्स, नर्मदा फाल्कन, शिप्रा वाइकिंग और चंबल स्पार्टन खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 15 फरवरी को होगा।

जीएमसी में आयोजित एमपीएसीकॉन में जुटे देश-विदेश के सर्जन

फास्ट फूड और वसायुक्त आहार ने बढ़ाई आंत के कैंसर की संख्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रसव के बाद महिलाओं की बड़ी आंत (लार्ज इंटेस्टाइन) कमजोर हो जाती है, जिससे पेल्विक फ्लोर डिसआर्डर की समस्या बढ़ रही है। इसके कारण महिलाओं को पेट में भारीपन, कब्ज, मल त्याग में कठिनाई और कभी-कभी असंयम (इनकान्टिनेंस) जैसी परेशानियां होने लगती हैं। मोटापा भी इस समस्या को और गंभीर बना रहा है, क्योंकि अधिक वजन से आंतों और पेल्विक फ्लोर पर दबाव बढ़ता है। यह कहना है लार्ज इंटेस्टाइन सर्जन डॉ. प्रजेश भूता का।

वह जीएमसी में आयोजित एमपीएसीकान 2025 सम्मेलन में व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। डॉ. भूता ने कहा कि वह यूके में 12 साल और भारत में 13 साल से सर्जरी कर रहे हैं। डॉ. भूता ने अब तक 2000 से अधिक आंतों की सर्जरी की हैं। एपीएसीकॉन के मीडिया प्रभारी डॉ. आईके चुघ ने बताया कि जीएमसी में आयोजित तीन दिवसीय एमपीएसीकॉन के दूसरे दिन शनिवार को कई नवाचारों पर चर्चा की गई। कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने लेप्रोस्कोपी, रोबोटिक सर्जरी और अन्य नवाचारों के बारे विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान सभी प्रकार की सर्जरी का एक एक लाइव डेमो भी प्रस्तुत किया गया। जिसे हॉल में बैठे मेडिकल स्टूडेंट और अन्य चिकित्सकों ने टीवी स्क्रीन पर देखा।

डाईंग आर्ट और एनर्जी कैफे' रहा आकर्षण का केंद्रः डॉ. आईके चुघ

एमपीएसीकॉन की आयोजन सचिव डॉ. अनुराधा चौधरी ने बताया कि सम्मेलन में रोबोटिक्स सर्जरी पर डॉ. जयदीप पालेय और डॉ. मंदीप सिंह जबकि लेजर और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पर डॉ. राजेश शिवहरे और डॉ. नीरज गोयल ने व्याख्यान दिया। सम्मेलन में दो रोमांचक पैनल चर्चा हुई। जनरल सर्जरी का डाईंग आर्ट और एनर्जी कैफे आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके अलावा बेसिक सर्जिकल तकनीकों पर हैंड्स-आन ट्रेनिंग, रिसर्च मेथडोलाजी और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

ओडीएस कम पहचाने वाला विकारः डॉ. प्रणव

एमपीएसीकॉन में अवरोधित शौच सिंड्रोम (ओडीएस) पर आयोजित पैनल चर्चा में डॉ. प्रणव रघुवंशी ने कहा कि यह एक सामान्य, लेकिन कम पहचाना जाने वाला विकार है, जिसमें रोगी को आंत को पूरी तरह से खाली करने में कठिनाई होती है, भले ही मल त्याग की इच्छा हो। यह मुख्य रूप से कार्यात्मक (फंक्शनल) और संरचनात्मक (एनाटोमिकल) कारणों से होता है। डॉ. रघुवंशी ने इसमें एनोरेक्टल मेनोमेटरी के महत्व को समझाया। एनोरेक्टल मेनोमेटरी न केवल इस तरह के कब्ज को पहचानने में मदद करती है, बल्कि इसके इलाज में भी मददगार साबित होती है।

शारीरिक निष्क्रियता और तनाव भी कर रहा लोगों को बीमारः डॉ. भूता

डॉ. भूता ने बताया कि पहले भारत में बड़ी आंत के कैंसर के मामले बहुत कम होते थे, लेकिन अब यह तेजी से बढ़ रहा है। इसके पीछे प्रमुख कारण गलत खानपान, कम फाइबर युक्त आहार, रेड मीट और प्रोसेस्ड फूड का अधिक सेवन, शारीरिक निष्क्रियता और तनाव हैं। फास्ट फूड और वसायुक्त आहार की बढ़ती प्रवृत्ति ने भारतीयों को इस बीमारी के खतरे में डाल दिया है।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और वरिष्ठ सर्जनों का हुआ सम्मान

कांफ्रेंस में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने दो वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जीपी शर्मा और डॉ. एसएस शर्मा को सम्मानित किया गया। वहीं डॉ. एवी मुतात्कर, डॉ. पीके शर्मा, डॉ. केएस बुधवानी और डॉ. एसके निगम को भी उनके चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

आईपीएस मीट में अफसरों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

अफसरों ने सूफी नृत्य सहित फैशन शो में किया रैंप वॉक, जीता मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दो दिवसीय आईपीएस मीट के दूसरे और अंतिम दिन शनिवार को पुलिस अफसरों और उनके परिजनों ने कई तरह की खेलकूद प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी आला आईपीएस अफसरों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। पुलिस आफिसर्स मैस में आईपीएस मीट के दूसरे दिन की शुरुआत व्यक्तिगत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। इसके बाद दोपहर तीन बजे डीजे और संगीत का आयोजन किया गया। दूसरे दिन शाम का आगाज भी व्यक्तिगत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुआ। इसमें सूफी नृत्य सेंटल जोन एडीजी आशुतोष रॉय, आईजी संजय तिवारी, डीआईजी सुनील पांडे, टीके विद्यार्थी, आईपीएस राजेश चंदेल, किरणलता केरकट्टा, श्रद्धा तिवारी शामिल थे।

अंतिम दिन विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इसके बाद फैमली फैशन शो हुआ, जिसमें आईपीएस अफसरों के परिजनों ने मंच पर प्रस्तुति दी। करीब डेढ़ घंटे तक चले इस फैशन शो में जब अफसर अपने परिजनों के साथ मंच पर आए तो साथियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

वेस्ट जोन कल्चरल एक्टिवीज में रहा विजेता

इससे पहले मीट के पहले दिन अफसरों ने अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की और कल्चरल एक्टिविटीज में हुई प्रतियोगिता के अंतर्गत वेस्ट जोन की टीम ने खिताब मालवा और निमाड़ की संस्कृति प्रस्तुति पर आधारित कल्चरल एक्टिवीज में जीता, जबकि ग्वालियर जोन का प्रदर्शन भी इक्विवेलेंट रहा। वेस्ट जोन की टीम को आईपीएस उमेश जोगा और सीपी इंदौर संतोष सिंह ने लीड किया। वेस्ट जोन की ओर से आईजी चंद्रशेखर सोलंकी और अनुराग का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

शहर का 11 टन घरेलू खतरनाक कचरा अब भेजा जाएगा पीथमपुर

भोपाल। शहर से निकलने वाला घरेलू खतरनाक कचरा (घरेलू हजार्डस वेस्ट) पीथमपुर भेजा जा रहा है। निगम अमले ने शनिवार को निगम के तीन कचरा ट्रांसफर स्टेशनों से पृथक्कीकृत रूप से संग्रहित 11 टन घरेलू खतरनाक कचरा निगम की अनुबंधित कंपनी हजार्गो इंडस्ट्रीज पीथमपुर भेजा है। निगम ने अपने तीन कचरा ट्रांसफर स्टेशनों दानापानी, बाबा नगर और यादगार-ए-शाहजहांनी में इकट्ठा किया है। इस कचरे को पीथमपुर प्री प्रोसेसिंग प्लांट में विशेष प्रक्रिया के तहत वैकल्पिक ईंधन तैयार किया जा रहा है, जो कोयले के स्थान पर सीमेंट फैक्ट्रियों में उपयोग किया जाएगा। इससे पहले निगम 21 जनवरी को खतरनाक कचरा पीथमपुर भेज चुका है। इसमें पेंट व उससे संबंधित उत्पाद, इस्तेमाल किए गए पेंट के डिब्बे, वार्निश, थिनर, रसायन, फिनाइल, डिटर्जेंट, ब्लीचिंग पावडर, कीटनाशक रसायन, उर्वरक, तेल, ग्रीस, खरपतवार नाशक, कांच के टूटे हुए आइटम आदि शामिल है।

विद्युत मंडल पेंशनर्स की मासिक बैठक

कल्याण संघ ने बैठक में बनाई आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रतिमाह द्वितीय शनिवार को होने वाली मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर्स कल्याण संघ की बैठक रानी कमलापति स्टेशन के पास एक निजी होटल में आयोजित की गई थी।

बैठक में संगठन की विगत गतिविधियों एवं भविष्य के कार्यक्रमों व योजनाओं पर विचार विमर्श किया गया। संगठन के वरिष्ठ सदस्य जीबी पंडया,एमसी गुप्ता, आरके लड़िया, पांडे एवं केके शर्मा ने अलग-अलग विषयों पर अपने अपने सुझाव दिए, जिन्हें क्रियान्वयन के लिए स्वीकार किया गया। इसके बाद फरवरी के उपस्थित जन्मदिन धारक सदस्यों का शॉल-श्रीफल से स्वागत व सम्मान किया गया।

हमीदिया में अटेंडरों के लिए देंगे एक दिन का भोजन

पेंशनर सदस्यों ने हमीदिया चिकित्सालय में मरीजों के साथ उपस्थित सहायक जनों के लिए एक दिन की भोजन व्यवस्था के लिए प्रेरणा संस्था के माध्यम से तृतीय शनिवार को शाम का भोजन प्रदान करने का संकल्प लिया।

एम्स, पं. खुशीलाल महाविद्यालय के बीच एमओयू

आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा के बीच समन्वय स्थापित करेंगे दोनों संस्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एम्स और पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करना, स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना और आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा में अनुसंधान के अवसरों को बढ़ाना है।

एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा है कि यह साझेदारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, रोगी देखभाल और अनुसंधान में नवाचार को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते के माध्यम से दोनों संस्थान आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा के बीच समन्वय स्थापित करेंगे और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए मिलकर काम करेंगे। पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने इस साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य प्राचीन आयुर्वेदिक ज्ञान और समकालीन विज्ञान के बीच एक सेतु स्थापित करना है, ताकि समग्र स्वास्थ्य सेवा और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा मिल सके। इस सहयोग से अकादमिक आदान-प्रदान, और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रथाओं के क्षेत्र में नए मानक स्थापित होने की उम्मीद है। इससे चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी केंद्र के रूप में मजबूती आएगी।

टीला जमालपुरा में सटोरियों पर दबिश तीन गिरफ्तार

भोपाल। क्राइम ब्रांच ने टीला जमालपुरा इलाके में तीन युवकों को सट्टे का अवैध कारोबार चलाते हुए पकड़ा है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने घर में दबिश दी और तीनों सटोरियों को हिरासत में ले लिया। पूरी कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है। आरोपियों के कब्जे से हजारों रुपए कैश, हिसाब-किताब के रजिस्टर और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के मुताबिक सटोरियों की पहचान जुबैर खान, असगर अंसारी और शाहवाज खान के रूप में हुई। मुखबिर की सूचना के बाद पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। मौके से 22 हजार रुपए सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है।

बीओजी की अध्यक्ष कविता खन्ना ने की दीक्षांत समारोह के

ट्रिपल आईटीः तीसरे दीक्षांत में 168 छात्रों को मिली डिग्री, मिष्टी को मिला स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मैनिट केंपस स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) का तीसरा दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इसमें वर्ष 2024 में संस्थान से पासआउट 168 छात्रों को बैचलर ऑफ़ टेक्नोलॉजी (बी.टेक) की मानक उपाधि प्रदान की गई। हर विभाग में प्रथम रहने वाले छात्र को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों के तौर पर मैनिट के निदेशक प्रो. केके शुक्ला, आईआईआईटी वडोदरा के निदेशक प्रो धर्मेंद्र सिंह, संस्थान के बोर्ड ऑफ गवनर्स की अध्यक्ष कविता खन्ना, डीआरडीओ के अध्यक्ष (एमेरिटस) डॉ. सुधीर के मिश्रा और बीएचईएल भोपाल के कार्यकारी निदेशक एसएम रामनाथन शामिल रहे। संस्थान के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने सभी अतिथियों की मौजूदगी के लिए आभार व्यक्त किया। डीन एकेडेमिक्स डॉ. अमित ओझा ने मुख्यमंत्री का संदेश पढ़ते हुए उन्हें सीएम की ओर से शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों को मिली मानद उपाधि

इस साल के संस्थान के तीसरे दीक्षांत में कुल 168 छात्रों को मानक उपाधि मिली। हर विभाग के प्रथम स्थान ग्रहण करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक और द्वितीय स्थान ग्रहण करने वाले छात्र को रजत पदक से सम्मानित किया गया। कंप्यूटर साइंस विभाग में मिष्टी सिंघल को स्वर्ण एवं नितिन गुप्ता को रजत पदक मिला। आईटी में स्वर्ण एवं रजत प्राप्त करने वाले छात्र थे कुणाल विजय और तेजस जैन रहे। ईसी में प्रथम स्थान पर रहे देवेश कृष्ण त्रिपाठी और द्वितीय स्थान पर आयुष शंकर पूरकर रहे। जो छात्र संस्थान के तीनों विभागों में अव्वल स्थान पर रहा उसको ओवरऑल स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। यह पदक मिष्टी सिंघल ने 9.85 ग्रेजुएशन ग्रेड प्वाइंट एवरेज के साथ अपने नाम किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930